श्री शर्मा शৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 125 | गुवाहाटी | शनिवार, 26 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राज्य में ह्यूमन ट्रैफिकिंग रैकेट का भंडाफोड़ पेज 3
बेहतर दुनिया का निर्माण करना हम सबकी सामूहिक और नैतिक जिम्मेदारी : राजनाथ पेज 4
उम्र की सड़कों पर नहीं होगा एक भी गड्ढा, सभी नगर आयुक्त जारी करेंगे प्रमाण पत्र पेज 5
भारत जोड़ो यात्रा से पहले अशोक गहलोत के तीखे तेवर बढ़ा रहे टेंशन पेज 8

लाचित बरफुकन के 400वीं जयंती समारोह का सफल समापन

सही इतिहास ही अपने अनुभवों से हमें सही दिशा दिखा सकता है : प्रधानमंत्री

यह विश्व गुरु बनने के हमारे सपने को पूरा करेगा : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सही इतिहास ही अपने अनुभवों से हमें सही दिशा दिखा सकता है। भारत का इतिहास गुलामी का नहीं बल्कि यह विजय का इतिहास है। यह आततायियों के खिलाफ अभूतपूर्व शौर्य और पराक्रम दिखाने वाले वीर योद्धाओं का इतिहास है। उन्होंने कहा कि सदियों से हमें यह बताने की कोशिश की गई कि हम ऐसे लोग हैं जो हमेशा लूटे जाते हैं, मारे जाते हैं और हार जाते हैं। भारत का इतिहास केवल उपनिवेशवाद का नहीं है, यह योद्धाओं का इतिहास है। भारत का इतिहास अत्याचारियों के विरुद्ध पराक्रम, विजय, बलिदान और महान परम्परा का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में असम के वीर सेनापति लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती के उपलक्ष में वर्ष भर चलने वाले उत्सव के समापन समारोह को संबोधित किया। लाचित असम की शाही सेना के प्रसिद्ध सेनापति थे। उन्होंने मुगलों को हराकर औरंगजेब के महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ने से सफलतापूर्वक रोका था।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि दुर्भाग्य है कि आजादी के बाद भी हमें गुलामी के कालखंड में साजिशन रचा गया इतिहास पढ़ाया जाता रहा है। जरूरत थी कि हम गुलाम बनाने वाले विदेशियों के एजेंडों को बदलें, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि देश के हर कोने में मां भारती के वीर बेटे बेटियों ने कैसे अपना जीवन समर्पित करते हुए आततायियों का मुकाबला किया, इस इतिहास को जानबूझकर दबाया गया है। उन्होंने पूछा कि क्या लाचित का शौर्य मायने नहीं रखता? इतिहास को लेकर, पहले जो गलतियां हुईं... अब देश उनको सुधार रहा है। यहां दिल्ली में हो रहा ये कार्यक्रम इसका प्रतिबिम्ब है। लाचित का जीवन हमें प्रेरणा देता है कि हम व्यक्तिगत स्वार्थों को नहीं देश हित को प्राथमिकता दें। प्रधानमंत्री ने आग्रह किया कि छत्रपति शिवाजी महाराज की ही तरह असम के वीर योद्धा के जीवन पर नाट्य पर्व तैयार कर उसे देश के कोने-कोने तक पहुंचाना चाहिए। लाचित बरफुकन की जीवन को प्रेरणादायक बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें वह सीख देते हैं कि देशहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। वे हमें परिवारवाद भाई-भतीजावाद से ऊपर उठकर देश को सर्वोपरि की प्रेरणा देते हैं। प्रधानमंत्री ने असम की महान धरती को प्रणाम करते हुए कहा कि हमें भारत को विकसित और पूर्वोत्तर को भारत के सामर्थ का केंद्र बिंदु बनाना है। उन्हें विश्वास है कि वीर लाचित की जन्म जयंती हमारे इन संकल्पों को मजबूत करेगी और देश अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई तलवार के जोर से हमें झुकाना चाहता है, हमारी शाश्वत पहचान को बदलना चाहता है तो हमें उसका जवाब भी देना आता है। असम और पूर्वोत्तर की धरती इसकी गवाह रही है। वीर लाचित ने जो वीरता और साहस दिखाया वो मातृभूमि के लिए अगाध प्रेम की पराकाष्ठा थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ दिनों पहले असम सरकार ने लाचित बरफुकन की याद में एक संग्रहालय बनाने की घोषणा की थी। इसके अलावा, वे असम के नायकों के सम्मान में एक स्मारक बनाने की योजना बना रहे हैं। ये प्रयास आने वाली पीढ़ियों को हमारे इतिहास और नायकों को समझने में मदद करेंगे। इस अवसर पर असम -शेष पृष्ठ दो पर

असम पुलिस को सेना का प्रशिक्षण

गुवाहाटी। असम पुलिस के नए भर्ती किए गए कमांडो को सेना अब सेना प्रशिक्षण दे रही है। इसके तहत बेहतर क्षमता निर्माण और सुरक्षा बलों के बीच बेहतरीन तालमेल के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। असम और मेघालय के सात स्थानों पर 40 दिवसीय प्रशिक्षण सोमवार से शुरू हुआ। यह जानकारी रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने दी। रावत ने बताया कि प्रशिक्षण दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग का फोकस प्रशिक्षुओं को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाने पर होगा। अग्रिम सैन्य प्रशिक्षण में, प्रशिक्षुओं को सामरिक युद्ध कौशल के साथ-साथ कानून-व्यवस्था की स्थिति के संबंधित विभिन्न पुलिसिंग पहलुओं को सिखाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह संयुक्त पहल न केवल राज्य की सुरक्षा संरचना के लिए क्षमता निर्माण में मदद करेगी, बल्कि यह राज्य और सशस्त्र बलों के बीच संयुक्त अभियान चलाने की क्षमता और तालमेल को और बढ़ाएगी। सेना और राज्य पुलिस दशकों से संयुक्त अभियान चला रहे हैं और इसने असम राज्य में काफी हद तक सामान्य स्थिति लाने में काफी मदद मिली है। असम सरकार ने पिछले दिनों में 300 से अधिक महिलाओं सहित करीब 2,700 कर्मियों की भर्ती किया।

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

एक आदर्श पत्नी वो है जो अपने पति की सुबह मां की तरह सेवा करे और दिन में एक बहन की तरह प्यार करे और रात में एक वेश्या की तरह खुश करे।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

संसद के शीतकालीन सत्र पर छह दिसंबर का सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने महत्वपूर्ण विधायी कार्य पर चर्चा करने के लिए शीतकालीन सत्र शुरू होने से एक दिन पहले छह दिसंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस दौरान वह संसद के शीतकालीन सत्र में उठाए जाने वाले संभावित मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। जोशी ने एक पत्र में कहा कि विधायी कार्य और संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में संभावित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए लोकसभा/राज्यसभा -शेष पृष्ठ दो पर

गहलोत के पायलट पर दिए बयान से आलाकमान नाखुश

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को लेकर दिए गए बयान से कांग्रेस आलाकमान नाखुश है। कांग्रेस आलाकमान ने गहलोत और पायलट को पूर्व में संगठन महासचिव के.सी.वेणुगोपाल की ओर से जारी की गई गाइडलाइन की पालन करते हुए सार्वजनिक बयानबाजी नहीं करने का संदेश पहुंचाया -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय के दफ्तरों में सन्नाटा, पुलिस की एडवायजरी

गुवाहाटी। असम की सीमा पर विगत 22 नवंबर को हुई हिंसा में छह लोगों के मारे जाने के बाद मेघालय के सरकारी दफ्तरों में शुक्रवार को लोगों की उपस्थिति कम रही। चूंकि विभिन्न संगठनों ने झड़प के विरोध में असहयोग आंदोलन का आह्वान किया है। असम पुलिस के अधिकारियों ने शुक्रवार को एक नई एडवायजरी जारी कर राज्य के लोगों को हालात ठीक नहीं होने के कारण पड़ोसी राज्य मेघालय नहीं जाने की सलाह दी है। असम की पुलिस ने हिंसक झड़प के बाद पहली बार शुक्रवार को सामान से लदे ट्रकों को मेघालय में प्रवेश करने दिया। जबकि मेघालय ने केवल उन्हीं ट्रकों को प्रवेश करने दिया जो उनके यहां पंजीकृत थे। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड सांग्मा ने भी सफाई देते हुए कहा कि प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। सभी वस्तुओं की आपूर्ति सुचारु रूप से हो रही है। मेघालय के लोगों को राहत देते हुए असम पेट्रोलियम मजदूर यूनियन (एपीएमयू) ने मेघालय में ईंधन का गुरुवार से बंद ट्रांसपोर्ट बहाल करने का फैसला लिया है। हालांकि इससे पहले ही पड़ोसी राज्य से अपने टैंकरों और उनके चालक दलों की सुरक्षा का आश्वासन ले लिया है। प्रभावशाली -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय की यात्रा न करने का परामर्श बरकरार

गुवाहाटी (विभास)। असम ने मेघालय की यात्रा नहीं करने के संबंध में राज्य के लोगों के लिए जारी परामर्श को शुक्रवार को भी बरकरार रखा। दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच विवादित सीमावर्ती इलाके में चार दिन पहले हूंए संघर्ष में छह लोगों की मौत होने के बाद स्थिति बहुत अच्छी नहीं होने के मद्देनजर असम ने यह परामर्श बरकरार रखा है। -शेष पृष्ठ दो पर

पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं : सीएम सांग्मा

गुवाहाटी/शिलांग। असम में पेट्रोलियम कर्मचारियों के शीर्ष निकाय ने कहा कि असम से जा रहे वाहनों पर हमले की खबरों के बाद मेघालय में ईंधन के परिवहन को रोक दिया है। बताया जा रहा है कि इससे मेघालय में ईंधन की काफी किल्लत हो गई है और पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। दूसरी ओर मेघालय के मुख्यमंत्री कोरनाड संगमा ने कहा है कि राज्य में ईंधन की किसी तरह की किल्लत नहीं है। इस बीच, शुक्रवार को कुछ ट्रकों को मेघालय जाने की अनुमति दी गई है। मंगलवार सुबह असम-मेघालय सीमा पर हुई हिंसा में छह लोगों की मौत हो गई थी। असम पेट्रोलियम मजदूर यूनियन (एपीएमयू) ने आईओसी, एचपीसीएल और बीपीसीएल समेत सभी पीएसयू तेल विपणन कंपनियों को अलग-अलग पत्र भेज -शेष पृष्ठ दो पर

तेरह पीठ रोजाना 10 जमानत याचिकाओं पर करेगी सुनवाई : सीजेआई

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में सुप्रीम कोर्ट की सभी 13 पीठें रोजाना कम से कम 10 जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करेगी, इससे पहले 10 स्थानांतरण याचिकाओं पर भी सुनवाई होंगी। यह जानकारी देश के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन के दौरान दी। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में करीब 3000 ट्रांसफर याचिकाएं लंबित हैं। मौजूदा वक्त में सुप्रीम कोर्ट में 13 पीठें चल रही हैं। ऐसे में कोशिश होगी कि, शीतकालीन अवकाश से पहले प्रतिदिन 130 ट्रांसफर याचिकाओं का निस्तारण किया जाए। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट यह सुनिश्चित करना चाहता है कि जमानत के मामलों को सूचीबद्ध किया जाए और उनका त्वरित तरीके से -शेष पृष्ठ दो पर

बच्चे की हत्या कर पीया खून, महिला समेत तीन को उम्रकैद

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जिले में औलाद न होने पर तांत्रिक की सलाह पर एक बच्चे की हत्या कर उसका खून पीने वाली एक महिला समेत तीन आरोपियों को स्थानीय अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता विनोद शुक्ला ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने घटना का ब्योरा देते हुए बताया कि थाना रोजा के जम्मुका गांव में अपने मामा मुनेंद्र के यहां रह रही धन देवी के बच्चे नहीं हो -शेष पृष्ठ दो पर

ममता-शुभेंदु मुलाकात

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात की। ममता के पूर्व सहयोगी ने तृणमूल कांग्रेस छोड़ दी थी और 2021 के राज्य विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बनर्जी ने अधिकारी को राज्य विधानसभा में अपने कक्ष में आमंत्रित किया। विधायक अग्निमित्र पॉल, अशोक कुमार लाहिड़ी और मनोज तिग्गा इस दौरान अधिकारी के साथ थे। बैठक के बाद बनर्जी ने कहा कि जिस व्यक्ति को मैंने अपना छोटा भाई माना, वह आज कह रहा है कि बंगाल में सरकार *पार्टी की* बन गई है और अगर मैं कहूं कि केंद्र की सरकार एजेंसी बन गई है तो क्या होगा? अधिकारी ने दोषपूर्ण सीट व्यवस्था पर सीवी आनंद बोस के शपथ ग्रहण समारोह को छोड़ दिया और बनर्जी की आलोचना की। शपथ ग्रहण समारोह से ठीक -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक के मंदिर को आईआरसी की धमकी

बेंगलुरु। इस्लामिक संगठन इस्लामिक रेजिस्टेंस काउंसिल (आईआरसी) की धमकी के बाद कादरी मंजूनाथ मंदिर के प्रबंधन ने अतिरिक्त सुरक्षा की मांग की है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंदिर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी जयम्मा ने दक्षिण कन्नड़ जिले के कादरी पुलिस स्टेशन में इस संबंध में शिकायत की है। उन्होंने पुलिस से इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया है। मंदिर प्रबंधन ने कहा कि मंदिर में हजारों श्रद्धालु आते हैं, इसलिए आईआरसी की धमकी को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। बता दें कि अज्ञात इस्लामिक संगठन आईआरसी ने गुरुवार को 19 नवंबर को मंगलुरु में हुए आटो में विस्फोट की जिम्मेदारी ली है और भविष्य में अन्य हमलों की धमकी दी है। इस्लामिक संगठन ने कहा कि हमारे लोगों ने कादरी हिंदू मंदिर में हमले की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं रही। इस्लामिक रेजिस्टेंस काउंसिल ने कहा कि राज्य और केंद्रीय एजेंसियां हमारे भाइयों को गिरफ्तार करने के लिए उनके पीछे पड़ी हैं। फिर भी हम उनके चंगुल से बच रहे हैं। भविष्य में हम हमले और करेंगे। संगठन ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) आलोक कुमार को भी चेतावनी दी है। आलोक कुमार इन दिनों मंगलुरु में ही डेरा -शेष पृष्ठ दो पर

इंट्रानैसल कोविड वैक्सीन को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। भारत बायोटेक की इंट्रानैसल *फाइव आर्म्स* कोविड बूस्टर खुराक को सीमित उपयोग के लिए मंजूरी मिल गई है। शुक्रवार को भारत के औषधि महानियंत्रक डीसीजीआई ने इस कोविड वैक्सीन को अपनी सहमति दे दी है। जानकारी के मुताबिक, कोरोना वैक्सीन की यह बूस्टर खुराक इजेंक्शन की जगह नाक के माध्यक से दी जाएगी। भारत बायोटेक का दावा है कि यह नेजल डोज अब तक इस्तेमाल की जा रहीं कोरोना वैक्सीन से अलग और ज्यादा प्रभावी है। भारत बायोटेक द्वारा साझा की गई जानकारियों के मुताबिक यह नेजल वैक्सीन, अब तक प्रयोग में लाई जा रही -शेष पृष्ठ दो पर

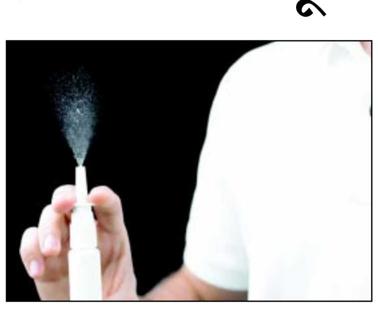

पंद्रह साल पुराने सभी सरकारी वाहन कबाड़ : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि भारत सरकार के 15 साल पूरे कर चुके सभी वाहनों को स्क्रैप कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बारे में एक नीति राज्यों को भेज दी गई है। गडकरी नागपुर में वार्षिक *एग्रो-विजन* कृषि प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कल, मैंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में एक फाइल पर हस्ताक्षर किए कि भारत सरकार के सभी वाहन जो 15 साल पूरे कर चुके हैं, उन्हें कबाड़ में भेज दिया जाएगा। मैंने भारत सरकार की इस नीति को सभी राज्यों को भेज दिया है। उन्हें इस नीति को राज्य स्तर पर अपनाना चाहिए। सभा को संबोधित करते हुए, गडकरी ने कहा कि पानीपत में इंडियन ऑयल के दो प्लांट लगभग शुरू हो गए हैं। जिनमें से एक प्रति दिन एक लाख लीटर इथेनॉल का उत्पादन करेगा, जबकि दूसरा चावल के भूसे का इस्तेमाल करके प्रति दिन 150 टन बायो-बिटुमेन का उत्पादन करेगा। उन्होंने कहा कि यह पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और देश के चावल उत्पादक हिस्सों के रूप में एक बड़ा बदलाव है, जहां चावल की पराली जलाने से प्रदूषण होता है। अब चावल के भूसे का इस्तेमाल इथेनॉल और बायो बिटुमेन बनाने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें देश में और ज्यादातर सड़क परिवहन विभाग में 80 लाख टन बायो-बिटुमेन की जरूरत है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

सॉफ्ट से सॉफ्टवेयर पावर में बदल रहा भारत : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदमों की सराहना करते हुए कहा है कि प्रौद्योगिकी ने वास्तव में शासन को लोकतांत्रिक बना दिया है। इसके कारण शासन अधिक जवाबदेह हो गया है। उन्होंने कहा कि सॉफ्ट पावर से सॉफ्टवेयर शक्ति में भारत का यह परिवर्तन पूरे विश्व के कल्याण के लिए है। यूनेस्को भारत-अफ्रीका हैकथॉन में अपने समापन भाषण में उन्होंने ये बातें कहीं। इस सम्मेलन में बोलते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि भारत बेहद तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और इस दशक के अंत तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं। इसे हासिल करने की दिशा में भारत ने डिजिटल आधारित ई गवर्नेंस की क्षमता का दोहन किया है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत ने तेजी से पारदर्शी-जवाबदेह तरीके से त्वरित और कुशल सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए बड़े पैमाने पर सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे का सफलतापूर्वक निर्माण किया है। कोरोना महामारी के दौरान पूरी दुनिया, भारत की विनिर्माण क्षमता से परिचित हुई। दुनिया भर के देशों ने देखा कि संकटकाल में भारत ने अन्य देशों को टीके, दवाएं और अन्य उपकरण प्रदान किए। महामारी के चुनौतीपूर्ण समय के दौरान हमारी आत्म निर्भर रणनीति ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने और बहाल करने में मदद की। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत का प्रयास केवल निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि विश्व के कल्याण के लिए है। महामारी के बाद अब दुनिया वैश्विक अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के लिए भारत की ओर देख रही है। भारत ने न केवल प्रभावशाली सुधार दर्ज किया है बल्कि दुनिया में निवेश, नवाचार और उद्यमिता के लिए यह सबसे बेहतरीन मार्केट के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत विकासशील देशों की विकासात्मक आकांक्षाओं के बारे में महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाता रहा है। हम विकासशील देशों की प्रगति के लिए समान अवसर और समान अवसरों की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि ये यूनेस्को-भारत-अफ्रीका (यूआईए) हैकथॉन बीते मंगलवार से शुरू हुआ था। इसमें अफ्रीका के 22 देशों के 350 से अधिक छात्रों और भारत के 231 छात्रों ने भाग लिया।

सीआरपीएफ 175 बटा. की कमान कमांडेंट राजीव कुमार झा बने

गुवाहाटी। महानगर के समीपवर्ती रानी औद्योगिक क्षेत्र स्थित सीआरपीएफ की 175 बटालियन की कमान कमांडेंट राजीव कुमार झा ने संभाल ली है। निवर्तमान कमांडेंट रहे सुभाष चन्द्र शर्मा का तबादला ग्वालपाड़ा जिले के 152 बटालियन स्थानान्तरण होने पर 175 बटालियन में किया गया। उन्होंने 23 नवंबर को अपना पदभार संभाला। झा के आगमन एवं कार्यभार संभालने पर बटालियन के सभी जवानों ने उनका सहर्ष स्वागत किया। उन्होनें इस मौके पर सभी जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि जवान अपनी ड्यूटियों के निष्पादन के साथ बटालियन की अन्य गतिविधियों में अनिवार्य रूप से शामिल हो, जिससे न केवल उनका शारारिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होगा बल्कि वे किसी भी कार्य को अच्छे से अंजाम दे सकेगें।

सुलभ मूल्य के चावल की कालाबाजारी चावल ले जा रहे दो ट्रक जब्त

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिला में सुलभ मूल्य के चावल की कालाबाजारी का मामला सामने आया है। गौरीपुर पुलिस ने सुलभ मूल्य के चावल ले जा रहे दो ट्रकों को जब्त किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया है कि दो ट्रक (एएस-17सी-6211 और एएस-17सी 1011) के जरिए सुलभ मूल्य के चावल की कालाबाजारी किए जाने की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की। गौरीपुर पुलिस ने बीती रात बिलासीपारा जा रहे धुबड़ी एफसीआई के दो ट्रकों को जब्त कर लिया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि पुलिस की भूमिका इस मामले में रहस्यमय बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने संदेह जताया है कि पीडीएस का चावल धुबड़ी से बोको जामबाड़ी में ब्रह्मपुत्र बॉयोकेमिस्ट प्राइवेट लिमिटेड को भेजा गया था। आशंका जताई जा रही है कि गौरीपुर थाना पुलिस की छापेमारी में जब्त किए गए चावल को नदी मार्ग से किसी खास स्थान से ब्रह्मपुत्र बॉयोकेमिस्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा भेजने की योजना थी। पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। वहीं दूसरी ओर कामरूप (ग्रामीण) जिला के छायगांव निर्वाचन क्षेत्र के घोरामारा में गुरुवार सुबह वन विभाग की टीम ने अवैध रूप से रेत ले जा रहे ट्रैक्टर को जब्त किया है। वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि बिना रजिस्ट्रेशन नंबर वाले ट्रैक्टर के जरिए अवैध रूप से रेत की तस्करी की जा रही थी। इसकी सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने घोरामारा गांव में रेत समेत ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। लेकिन ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। अभियान में गरैमारी वन सुरक्षा वाहिनी के गश्त दल में शामिल अब्दुल गफूर, गियासउद्दीन अहमद, हासमत अली शामिल थे।

मिड-डे मील वर्कर्स यूनियन के कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

चिरांग (हि.स.)। चिरांग जिला के काजलगांव में मिड-डे मील वर्कर्स यूनियन के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को चार सूत्रीय मांग को लेकर विरोध मार्च निकाला। प्रशासन की अनुमति के बिना रैली निकालने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के हाथों से बैनर छीन लिया था। इसे लेकर मिड-डे मील कर्मचारी यूनियन के नेताओं के साथ पुलिस की तीखी बहस हो गई। आंदोलन कर रहे मिड-डे मील वर्कर्स यूनियन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। ऑल असम मिड-डे मील इंप्लाइज यूनियन की चिरांग जिला कमेटी की पहल पर हजारों मिड-डे मील वर्कर्स जल्द से जल्द सभी बकाया भुगतान, नियमित रूप से मानदेय भुगतान और महीने के पहले सप्ताह में मानदेय भुगतान करने की मांग की। प्रशासन द्वारा धन जारी करने के बावजूद एक्सिस बैंक द्वारा समयानुसार मानदेय वितरण नहीं करने को लेकर बैंक के विरुद्ध आवश्यक कदम उठाने की भी मांग की गई। वहीं अरुणोदय योजना के लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि समान रूप से रसोइया कर्मचारियों को दी जाने वाली राशि के रूप में देने की मांग की। साथ ही मध्याह्न भोजन योजना को निजी हाथों में सौंपने का भी विरोध किया गया। प्रदर्शनकारियों ने योजना को अक्षय पात्र फाउंडेशन से पुन: सरकार के हाथों में लेने की मांग करते हुए सर्व शिक्षा के जिला मिशन समन्वयक के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

नोटबंदी पर शीर्ष कोर्ट में केंद्र का बयान, कहा- अदालत को कार्यकारी निर्णय की न्यायिक समीक्षा से बचना चाहिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में नोटबंदी को गलत बताने वाली याचिकाओं पर शुक्रवार को फिर से सुनवाई की गई। इस दौरान 2016 की नोटबंदी की कवायद पर फिर से विचार करने के उच्चतम न्यायालय के प्रयास का सरकार ने विरोध किया। केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा कि अदालत ऐसे मामलों पर सुनवाई या फैसला नहीं दे सकती जिन्हें समय में पीछे जाकर बदलना संभव नहीं हैं। गौरतलब है कि जस्टिस एस ए नजीर की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ नोटबंदी को चुनौती देने वाली 58 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। संवैधानिक पीठ में जस्टिस बी आर गवई, जस्टिस ए एस बोपन्ना और जस्टिस वी रामासुब्रमण्यन और जस्टिस बी वी नागरत्ना भी शामिल हैं। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि की यह टिप्पणी शीर्ष अदालत द्वारा केंद्र सरकार से यह बताने के लिए कहने के बाद आई कि क्या उसने 2016 में 500 रुपए और 1000 रुपए के मूल्यवर्ग के नोटों के विमुद्रीकरण से पहले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय बोर्ड से परामर्श किया था। अदालत ने केंद्र से कहा कि आपने केवल यह बताया है कि इस आर्थिक मुद्दे पर विशेषज्ञों की राय ली गई थी, लेकिन दूसरे पक्ष की याचिका पर आपका क्या विरोध है? आप तर्क दे रहे हैं कि निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त किया गया है। लेकिन, हम चाहते हैं कि आप इस आरोप के बारे में बताएं कि नोटबंदी का फैसला लेते समय निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया था या नहीं। दूसरे पक्ष का कहना है कि यह फैसला आरबीआई अधिनियम की धारा 26 (2) के अनुरूप नहीं है। इस पर, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा कि अदालत को कार्यकारी निर्णय की न्यायिक समीक्षा करने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अच्छी तरह से स्थापित है कि अगर जांच की प्रासंगिकता गायब हो जाती है, तो अदालत समय में पीछे जाकर ना बदले जा सकने वाले फैसले पर शैक्षणिक मूल्य के सवालों पर राय नहीं देगी। गौरतलब है कि इससे पहले कल यानी गुरुवार को हुई सुनवाई में वरिष्ठ वकील और कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि केंद्र सरकार अपने आप मुद्रा नोटों से संबंधित कोई भी प्रस्ताव पारित नहीं कर सकती है। यह केवल आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड की सिफारिश पर हो सकता है। ऐसे में इस निर्णय लेने की प्रक्रिया को रद्द कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि बैंक नोटों के मुद्दे को विनियमित करने का अधिकार पूरी तरह से भारतीय रिजर्व बैंक के पास है। केंद्र सरकार अपने आप कानूनी निविदा से संबंधित कोई भी प्रस्ताव शुरू नहीं कर सकती है।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
चेन्नई

नेफ्रोलोजिस्ट
डॉ. जे. राजामहेश MBBS, MRCP (UK)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे

30 नवंबर, 2022 को

जो मरीज हाई ब्लड प्रेसर, पेशाब में अनियमितता, ब्लैड्डर समस्याएं, यूरिया एवं क्रीटिनाइन का उच्च स्तर, क्रोनिक रेनैल फेलियर, किडनी समस्याओं से पीड़ित है वो अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं।

APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop,
Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

पृष्ठ एक का शेष

सही इतिहास ही ...

के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि वे इतिहासकारों से विनम्र निवेदन करते हैं कि भारत केवल औरंगजेब, बाबर, जहांगीर या हुमायूं की कहानी नहीं है। भारत लाचित बरफुकन, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोबिंद सिंह, दुर्गादास राठौर का है। हमें नई रोशनी में देखने का प्रयास करना चाहिए। यह विश्व गुरु बनने के हमारे सपने को पूरा करेगा। प्रधानमंत्री मोदी हमेशा हमें अपने इतिहास के गुमनाम नायकों को प्रकाश में लाने के लिए प्रेरित करते हैं। लाचित बरफुकन की गौरवपूर्ण गाथा को देश के सामने लाने का यह हमारा विनम्र प्रयास है। लेकिन सिर्फ सरकार के प्रयास ही काफी नहीं हैं, लोगों और इतिहासकारों के भी प्रयास होने चाहिए। केंद्रीय मंत्री और असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने *मेक इन इंडिया* पहल के माध्यम से देश के लोगों को आत्मनिर्भरता का मंत्र दिया। उन्हें लगता है कि लाचित बरफुकन को यह प्रधानमंत्री की श्रद्धांजलि है क्योंकि मुगलों के खिलाफ लड़ाई में उन्होंने जिन हथियारों और उपकरणों का इस्तेमाल किया वे सभी भारत के लोगों द्वारा बनाए गए थे। कार्यक्रम में असम के राज्यपाल जगदीश मुखी और अन्य लोग उपस्थित रहे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के साथ लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती समारोह के तहत आयोजित प्रदर्शनी का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री का गुमनाम नायकों को उचित तरीके से सम्मानित करने का निरंतर प्रयास रहा है। इसी भावना के अनुरूप देश वर्ष 2022 को लचित बरफुकन की 400वीं जयंती वर्ष के रूप में मना रहा है। इस उत्सव का उद्घाटन इस वर्ष फरवरी में भारत के तत्कालीन माननीय राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद द्वारा गुवाहाटी में किया गया था। लाचित दिवस का तीन दिवसीय समापन समारोह 23 से 25 नवंबर तक नई दिल्ली में आयोजित किया गया। अंतिम दिन के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए।

मेघालय के दफ्तरों ...

खासी स्टूडेंट्स यूनियन (केएसयू), खासी जयंतिया और गारो संघ समेत मेघालय के कई छात्र संगठनों ने असहयोग आंदोलन की घोषणा की है। लिहाजा मेघालय के सभी सरकारी दफ्तरों में कर्मचारियों की भारी कमी देखी गई। गुवाहाटी ईस्ट के पुलिस उपायुक्त सुधाकर सिंह ने बताया कि गुरुवार को शिलांग में भीड़ ने पुलिस वाहनों को आग लगा दी। हालात बहुत अच्छे नहीं हैं। इसलिए हम लोगों को मेघालय नहीं जाने की सलाह दे रहे हैं। गुरुवार को शिलांग में प्रदर्शन के दौरान फिर भड़की हिंसा के बीच अज्ञात बदमाशों ने पेट्रोल बम से एक पुलिस बस और जीप को उड़ा दिया। पुलिस अफसरों को पत्थर मारे गए, जिसमें चार पुलिस कर्मी जख्मी हुए। तभी से सभी दुकानें और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद हैं। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड सांग्मा ने बताया कि राज्य में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। उन्होंने अपने प्रदेश के सभी लोगों से घबराहट में आवश्यक वस्तुओं को जमा करने से मना किया है। ध्यान रहे कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली मेघालय सरकार के मुख्यमंत्री कोनराड सांग्मा ने विगत गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा था। शाह ने इस सीमा विवाद में उन्हें सीबीआई जांच कराने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार की सुबह दोनों राज्यों के बीच हिंसक झड़प तब हुई जब माइक्रोंग गांव के पास विवादित सीमा पर अवैध लकड़ियां ले जा रहे एक ट्रक को असम के जंगलों के सुरक्षा गार्डों ने रोका। अराजक तत्वों ने वन विभाग की चौकी को फूंक डाला। दोनों तरफ से हुई इस हिंसा में मेघालय के पांच आदिवासी ग्रामीण, असम के वन विभाग के एक गार्ड समेत छह लोग मारे गए।

मेघालय की यात्रा...

असम-मेघालय मार्ग पर यातायात आज शुक्रवार को लगातार चौथे दिन भी ठप रहा। असम के पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिलांतर्गत असम-मेघालय के माइक्रोंग गांव में लकड़ी तस्कर और वन सुरक्षा कर्मियों के बीच हुई हिंसक झड़प में एक वन रक्षक और मेघालय के पांच खासी समुदाय के नागरिकों की मौत हो गई थी। जिसके बाद पूरे मेघालय में भारी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। मेघालय में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शन को देखते हुए गुवाहाटी के जोराबाट से होकर मेघालय जाने वाले रास्ते पर अभी भी पुलिस प्रशासन के साथ-साथ अर्धसैनिक बलों की तैनाती है। असम समेत अन्य राज्य के वाहनों और आम लोगों को फिलहाल मेघालय नहीं जाने की सलाह पुलिस प्रशासन द्वारा दी जा रही है। मेघालय में जारी विरोध प्रदर्शन को देखते हुए असम-मेघालय सीमा पर विशेष रूप से एहतियात बरता जा रहा है। वहीं, कछार जिला से भी मेघालय में प्रवेश करने वाले रास्ते पर सतर्कता बरती जा रही है। असम के वाहनों को मेघालय में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। मेघालय में राज्य से वाहनों पर हमलों की खबरें मिलने के बाद शीर्ष पेट्रोलियम कर्मचारी निकाय ने गुरुवार से असम से पड़ोसी राज्य में ईंधन की आपूर्ति रोक दी है, लेकिन माल ले जाने वाले अन्य वाहन सीमा पार कर रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले में संघर्ष स्थल पर स्थिति तनावपूर्ण, लेकिन नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल इस बात को लेकर सतर्क हैं कि हिंसा की घटना दोबारा नहीं हो। उन्होंने बताया कि इलाके में दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत प्रतिबंध भी जारी हैं। गुवाहाटी पुलिस के उपायुक्त (पूर्व) सुधाकर सिंह ने से कहा कि शिलांग में कल लोगों ने पुलिस के वाहन जलाए। स्थिति बहुत अच्छी नहीं है, इसलिए हम खासकर असम के लोगों को यात्रा न करने की सलाह दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम के बाहर के लोग मेघालय की यात्रा कर रहे हैं, लेकिन उन्हें उन वाहनों में जाने के लिए कहा गया है जिनकी पंजीकरण संख्या असम की नहीं है। अधिकारी ने कहा कि (असम के लोगों के लिए मेघालय की यात्रा न करने का)परामर्श बरकरार है। कछार के पुलिस अधीक्षक नोमल महता ने भी कहा कि असम के लोगों और वाहनों पर उनके जिले के माध्यम से मेघालय में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लागू है। उन्होंने कहा कि इसकी वजह से लोगों को रोका जा रहा है, लेकिन यात्री डिमा हासाउ जिले से गुजरने वाले मार्ग का उपयोग कर रहे हैं। महता ने कहा कि मेघालय के जिन लोगों को लौटना था, हमने उनके लिए सीमा पार से वाहनों की व्यवस्था की। असम में पेट्रोलियम कर्मचारियों के शीर्ष निकाय ने गुरुवार को कहा था कि असम से जा रहे वाहनों पर हमले की खबरों के बाद उसने मेघालय में ईंधन के परिवहन को रोक दिया है। असम पेट्रोलियम मजदूर यूनियन (एपीएमयू) ने आईओसी, एचपीसीएल, और बीपीसीएल समेत सभी पीएसयू (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम) तेल विपणन कंपनियों को अलग-अलग पत्र भेज कर टैंकर में ईंधन नहीं भरे जाने के यूनियन के फैसले के बारे में अवगत कराया।

पेट्रोल-डीजल की...

कर टैंकरों में ईंधन नहीं भरे जाने के यूनियन के फैसले के बारे में अवगत कराया। गुवाहाटी स्थित आईओसी के पूर्वोत्तर मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस तरह का पत्र मिलने की पुष्टि की है। हालांकि, नुमलीगढ़ रिफाइनरी के प्रवक्ता ने बताया कि संबंधित अधिकारियों को अब तक पत्र नहीं मिला है। संगठन ने इस बात पर बल दिया है कि मौजूदा स्थिति में ट्रांसपोर्टरों के साथ-साथ उत्पादों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता है। वहीं, मेघालय की राजधानी शिलांग समेत राज्य के कई इलाकों के पेट्रोल पंपों पर वाहन चालकों की भीड़ जमा होने लगी। वाहनों की लगी कतार के कारण कई इलाकों में पूरा ट्रैफिक जाम हो गया। इस बीच, शुक्रवार को मेघालय के मुख्यमंत्री कोरनाड संगमा ने कहा कि राज्य में पेट्रोल और डीजल की कमी नहीं है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे इसका भंडारण नहीं करें। सरकार पूरी तरह से इस पर नजर बनाए हुए है। सरकार द्वारा स्टॉक और आपूर्ति की कमी को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई है। सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे किसी भी आवश्यक सामान की घबराहट में खरीदारी न करें। इस बीच, शुक्रवार को असम और मेघालय के बीच हुई हिंसा के चार दिन बाद असम ने सामानों से लदे ट्रकों को मेघालय में प्रवेश करने की अनुमति दी। सूत्रों ने बताया कि दोनों राज्यों के बीच हिंसा बढ़ने और तनावपूर्ण स्थिति पैदा होने के बाद, पुलिस ने मेघालय में प्रवेश करने के लिए ट्रकों और यात्री वाहनों की आवाजाही पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया था।

तेरह पीठ रोजाना 10 ...

निपटारा किया जाए। कार्यक्रम के दौरान न्यायाधाश ने कहा कि संविधान की कार्यशैली इस बात पर निर्भर करती है कि जिले में न्यायपालिका कैसे काम कर रही है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि, आज जब हम संविधान को लेकर जश्न मना रहे हैं। ऐसे में हमें संविधान को अपनाने से पहले के इतिहास के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने अधिवक्ताओं से औपनिवेशिक काल की प्रथाओं को दूर करने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि भारत में गर्मियों के दौरान जलवायु परिवर्तन के कारण अत्यधिक गर्मी का सामना करना पड़ता है। ऐसे हमें विशेष रूप से गर्मियों में वकीलों के लिए सख्त ड्रेस कोड पर पुनर्विचार करना चाहिए। पहनावे को लेकर महिला वकीलों की नैतिक पहरेदारी नहीं होनी चाहिए। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि लोकतंत्र में कोई भी संस्था पूर्ण नहीं है। लेकिन हम संविधान के मौजूदा ढांचे के भीतर ही काम करते हैं।

बच्चे की हत्या कर ...

रहे थे। किसी तांत्रिक की सलाह पर उसने पड़ोस में ही रहने वाले 10 वर्षीय लाल दास को टीवी देखने के बहाने अपने घर बुलाया तथा अपने दो साथियों सूरज तथा सुनील की मदद से उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद तांत्रिक के बताए अनुसार धन देवी ने लाल दास को काटकर उसका खून पी लिया और मृतक के शव को घर के बाहर फेंक दिया। शुक्ला ने बताया कि छह दिसंबर, 2017 को मृतक के पिता ने रोजा थाने में मामला दर्ज कराया था और विवेचना के बाद पुलिस ने अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था। उन्होंने बताया कि इसी मामले में अपर सत्र न्यायालय तृतीय के न्यायाधीश एहसान हुसैन ने सभी पक्षों को सुनने के बाद धन देवी, सुनील तथा सूरत को आजीवन कारावास की सजा सुनाई तथा प्रत्येक आरोपी पर पांच-पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। आरोपी धन देवी घटना के बाद से जेल में ही बंद है।

ममता-शुभेंदु ...

पहले ट्वीट्स की एक श्रृंखला में बंगाल भाजपा नेता ने स्पष्ट किया कि वह इसमें शामिल नहीं होंगे क्योंकि उन्हें विधायक कृष्णा कल्याणी और विश्वजीत दास के बगल में बैठाया गया था, जो भाजपा के टिकट पर चुने गए थे लेकिन बाद में सत्तारूढ़ टीएमसी में शामिल हो गए। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होने के बाद मीडिया से बात करते हुए नंदीग्राम के भाजपा विधायक ने कहा कि पोस्टकार्ड प्रिंट करने के लिए भी नबन्ना (पश्चिम बंगाल राज्य सचिवालय) में मुख्यमंत्री की अनुमति की जरूरत होती है। कंपनी के मालिक (पश्चिम बंगाल मुख्यमंत्री) मेहमानों की सूची और बैठने की व्यवस्था तय करते हैं. राज्यपाल का शपथ ग्रहण समारोह। केवल दो विधायक जो आधिकारिक तौर पर भाजपा के साथ हैं लेकिन वर्तमान में टीएमसी के साथ हैं, को आमंत्रित किया गया था।

इंट्रानैसल कोविड ...

अन्य वैक्सीन्स से काफी अलग और प्रभावी है। कुछ बातें इसे बेहद खास बनाती हैं। यह वैक्सीन चूंकि नाक के माध्यम से दी जाती है जो नाक के भीतर प्रतिरक्षा प्रणाली तैयार करके वायरस के प्रवेश करते ही उसे निष्क्रिय कर देगी। अब तक दी जा रही वैक्सीन्स से अलग, इसके लिए निडिल की आवश्यकता नहीं होगी। इसे उपयोग में लाना भी आसान है घर पर भी इसको प्रयोग किया जा सकेगा। इसके लिए प्रशिक्षित स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों की आवश्यकता भी नहीं है। सुई से संबिधित जोखिमों जैसे संक्रमण, या वैक्सीनेशन के बाद होने वाले दर्द से मुक्ति मिलेगी। सबसे खास बात यह वायरस को शरीर में प्रवेश करने से पहले ही मारने की क्षमता वाली है, ऐसे में इससे शरीर के अंगों को होने वाली समस्याओं का जोखिम नहीं होगा।

पंद्रह साल पुराने सभी ...

देश में लगभग 50 लाख टन बिटुमेन का निर्माण होता है और हम इसका लगभग 25 लाख टन आयात करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि जब इस तरह की परियोजनाएं शुरू होंगी, तो हमारे देश को कोलतार आयात करने की जरूरत नहीं होगी। गांवों, जिलों, राज्यों और राष्ट्रीय राजमार्गों में हमारी सड़कें किसानों द्वारा उत्पादित चावल के भूसे का इस्तेमाल करके बिटुमेन से बनाई जाएंगी। गडकरी ने असम में इंडियन ऑयल की एक और परियोजना के बारे में भी बताया, जहां बायोएथेनॉल का उत्पादन किया जाएगा। गडकरी ने कहा कि बंजर भूमि पर बांस की खेती की जाएगी, जिससे बायोएथेनॉल का उत्पादन किया जाएगा। हमारे किसान न सिर्फ अन्नदाता बने रहेंगे, बल्कि वे ऊर्जा प्रदाता भी बनेंगे। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे, और उन्होंने गडकरी के प्रयासों की सराहना की।

कर्नाटक के मंदिर ...

डाले हुए हैं और आटो बम विस्फोट मामले पर हो रही जांच की खुद निगरानी कर रहे हैं। पुलिस इस विस्फोट के आरोपित आतंकी अब्दुल मतीन ताहा की गिरफ्तारी के लिए व्यापक अभियान चला रही है। इस्लामिक संगठन आईआरसी ने कहा कि मेरे भाईयों द्वारा कादरी मंदिर पर हमले का प्रयास असफल हो गया। यह हमला सफल नहीं हो पाया। राज्य और केंद्र की एजेंसियां हमारे भाईयों को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। वे उनका पीछा कर रही है। हालांकि हम उनके शिकंजे से सफलतापूर्व बाहर हो गए हैं। भविष्य में, इस तरह के अन्य हमले होंगे। इस्लामिक संगठन ने अपने बयान में कहा कि मंगलुरु भगवा आतंकी का गढ़ बन चुका है। हमारा प्रयास अभी असफल हो गया है, लेकिन हम भविष्य में हमले की तैयारी कर रहे हैं और हमले से हम राज्य और केंद्र की एजेंसियों को जवाब देंगे।

संसद के शीतकालीन ...

में राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं की बैठक के लिए आपको आमंत्रित करते हुए मुझे खुशी हो रही है। मंत्री ने दोनों सदनों के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने में भी सहयोग मांगा। उन्होंने लिखा कि मैं दोनों सदनों के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए आपका सहयोग भी चाहता हूं। बैठक मंगलवार 6 दिसंबर 2022 को संसद पुस्तकालय भवन, संसद भवन में सुबह 11.00 बजे आयोजित की जाएगी। संसद का शीतकालीन सत्र सात दिसंबर 2022 से शुरू होगा और 29 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें 23 दिनों में 17 बैठकें होंगी। अमृत काल के बीच सत्र के दौरान रचनात्मक बहस और विधायी कार्य व अन्य मदों पर चर्चा के लिए तत्पर हैं।

गहलोत के पायलट ...

है। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा प्रदेश से गुजरने के बाद सत्ता और संगठन में बड़ा बदलाव करने का मानस पार्टी आलाकमान ने बनाया है। राहुल की यात्रा चार दिसंबर को प्रदेश में प्रवेश करेगी और 17 दिसंबर को अलवर के रास्ते हरियाणा में प्रवेश करेगी। इस बीच वेणुगोपाल 29 नवंबर को जयपुर पहुंचेंगे। उनकी यात्रा का अधिकारिक कार्यक्रम तो भारत जोड़ो यात्रा को लेकर बताया गया है, लेकिन मुख्य मकसद विधायकों व वरिष्ठ नेताओं के साथ संवाद करना है। वेणुगोपाल की रिपोर्ट के आधार पर आलाकमान सत्ता और संगठन में बदलाव करेगा। गहलोत से शुक्रवार को जयपुर स्थित मुख्यमंत्री आवास पर उनके निकटस्थ मंत्रियों व नेताओं ने मुलाकात की। पायलट की राहुल से बात हुई है। पायलट खेमे के विधायकों ने जयपुर में आपस में मिलकर चर्चा की। दरअसल, गहलोत ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में पायलट को किसी भी स्थिति में सीएम नहीं बनने देने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि पायलट खेमे के विधायकों ने भाजपा से दस-दस करोड़ रुपए रकम ली थी। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी ने एक बयान में कहा कि कम से कम पद पर बैठे लोगों को गरिमा रखनी चाहिए। चौधरी ने कहा कि गहलोत ने खुद जाट और राजपूत के नाम पर भ्रांति फैलाई थी, जबकि हमने ऐसी कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि वेणुगोपाल द्वारा तय की गई गाइडलाइन का सभी को पालन करना चाहिए। सीएम को इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए था। विधायक और अनुसूचित आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा ने कहा कि सीएम के बयान से कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावना को ठेस पहुंची है। सीएम को इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि सीएम को लेकर आलाकमान शीघ्र निर्णय करेगा। पायलट ने कभी आलाकमान को चुनौती नहीं दी, जबकि गहलोत ने तो आलाकमान को ही चुनौती दी है। सूत्रों के अनुसार गहलोत खेमे की रणनीति है कि यदि आलाकमान सीएम बदलने को लेकर ज्यादा दबाव बनाता है तो 25 सितंबर को जिन 90 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ.सीपी जोशी को इस्तीफे दिए थे, उन्हें स्वीकार करवाया जा सकता है। ऐसे हालात में विवाद और बढ़ने पर बात विधानसभा भंग करने तक पहुंच सकती है। इस्तीफों पर दो महीने बाद भी जोशी द्वारा निर्णय नहीं करने का सियासी मकसद यही माना जा रहा है। गहलोत की सलाह पर ही जोशी ने इस्तीफों पर अब तक कोई निर्णय नहीं किया है। मौका देखकर निर्णय लिया जाएगा। सीएम गहलोत ने शुक्रवार को शिक्षक संघ अंबेडकर के एक कार्यक्रम में कहा कि जिसको आगे बढ़ना है, उसको अपमान का घूंट पीना सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और डॉ.भीमराव अंबेडकर ने अपमान का घूंट नहीं पिया होता तो आज दुनिया में उनका नाम नहीं होता। गहलोत बोले, आजादी के बाद पहली बार मैंने चार कैबिनेट मंत्री दलित वर्ग से बनाए हैं। आगामी समय में दलित वर्ग के लिए बहुत कुछ किया जाएगा। उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधते हुए कहा कि ये इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करते हैं।

स्वर्वेद भाष्य

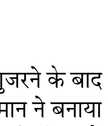

चतुर्थ मंडल **पंचम अध्याय**

(आनन्द)

इतना अधिक आनन्द है, भोक्ता आवहिं भूल।
अब क्या पूछे मधुकशा, जो सब सुख का मूल॥ 05॥

शब्दार्थ : (भोक्ता) भोग करने वाला, जीवात्मा (मधुकशा) सारशब्द, सत्पुरुष (मूल) कारण, ज्योति।

भाष्य : शब्दस्वरूप परब्रह्म में इतना अधिक आनंद है कि उसको प्राप्त कर भोक्ता जीवात्मा अपने को ही भूल जाता है। अब आनंदस्वरूप मधुकशा के बारे में क्या कहना है, जो सब सुखों का मूल कारण है, अर्थात समस्त सुखों का कारण, आधार परब्रह्म है।

मायू मनन मनाय मन, मगन महासुख रासि।
सो अनुभव सुख सन्त का, कहन सुनन में हाँसि॥ 06॥

शब्दार्थ : (मायू) शब्द (मनाय) शांत (मगन) आनंदित (हाँसि) उपहास।

भाष्य : शब्द के मनन से मन शांत हो कर महासुख आनंद में निमग्न हो जाता है। इस अपने अनुभव-सुख का संत वर्णन नहीं कर सकते, क्योंकि वह कहने-सुनने में आता नहीं है? कहना-सुनना इंद्रियों का विषय है। वह आनंद आत्मा में आता है तब उसका वर्णन वाणी कैसे कर सकती है? यदि करती है तो क प्रकार का यह हास्य है, वास्तविक वर्णन नहीं। यह वाणी का वर्णन एक रंजन या खेलवाड़ है, सत्य वर्णन नहीं।

पूसीरे के पहले पूर्वोत्तर हाफ मैराथन का आयोजन 5 फरवरी को

गुवाहाटी (विभास)। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पूर्वोत्तर और राष्ट्र निर्माण के समग्र विकास के विजन के अनुरूप पहली बार नॉर्थईस्ट हॉफ मैराथन का आयोजन 5 फरवरी, 2023 को मालीगांव, गुवाहाटी में किया जाएगा। इसकी जानकारी देने के लिए आज नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एनएफआरएसए) इंडोर स्टेडियम, मालीगांव में एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया गया। अपनी तरह के इस पहले नॉर्थईस्ट हाफ मैराथन के आयोजन के लिए पूसीरे ने इनोवेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। हाफ मैराथन का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत में खिलाड़ियों के सशक्तिकरण और खेल के बुनियादी ढांचे का विकास करना है। पूसीरे के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता के साथ उपस्थित एनएफआरएसए के अध्यक्ष राजीव महाजन ने इस प्रतिस्पर्धा के बारे में जानकारी दी। प्रतिस्पर्धा के क्यूरेटर कैप्टन राहुल बाली ने मैराथन, पुरस्कार राशि और प्रदान की जाने वाली ट्राफियों के बारे में जानकारी दी। संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय साइक्लिंग चैंपियनशिप के खिलाड़ी रोनाल्डो सिंह और रोजित सिंह, मुक्केबाजी में द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता

सागरमल धायल, अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज कल्पना चौधरी और इंटरनेशनल मैराथन धावक अब्दुल बारिक भी मौजूद थे। द्रोणाचार्य और अर्जुन पुरस्कार विजेता मोहम्मद अली कमर, भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर जावेद जामान और रेलवे खेलकूद संवर्धन बोर्ड के खेल समन्वयक सुधीर हूडा भी उपस्थित थे। पूर्वोत्तर हॉफ मैराथन, मैराथनों की एक शृंखला होगी, जो पूर्वोत्तर भारत में खिलाड़ियों को सशक्त बनाने और खेल गतिविधि के विकास के उद्देश्य से पूरे पूर्वोत्तर भारत में आयोजित की जाएगी। योजनाबद्ध शृंखला की पहली मैराथन रविवार 5 फरवरी, 2023 को मालीगांव में आयोजित की जाएगी और पूरे भारत के साथ-साथ विदेशों से लगभग 3000 धावकों के दौड़ में भाग लेने की उम्मीद है। विजेताओं को बतौर पुरस्कार 11 लाख रुपए के अतिरिक्त ट्रॉफी, पदक और प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। इच्छुक प्रतिभागी मैराथन के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से पंजीकरण करा सकेंगे। एनई हाफ मैराथन पूर्वोत्तर भारत के सभी राज्यों को एक इकाई के रूप में उजागर करेगी और निश्चित रूप से भारत के पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्लेटफार्मों पर सुर्खियों में लाएगी। पूसीरे के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता ने कहा कि पूसीरे कनेक्टिविटी के अलावा खिलाड़ियों को सशक्त बनाने एवं पूर्वोत्तर भारत के विकास के अपने प्रयास में दृढ़ है और एनई हॉफ मैराथन इस दिशा में एक ऐसा कदम है। कनेक्टिविटी और पर्यटन को बढ़ावा देने से अलावा, पूसीरे अपने क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न स्थानों पर खेल आयोजनों को भी बढ़ावा दे रहा है। इवेंट के क्यूरेटर कैप्टन राहुल बाली ने पूसीरे के शानदार पहल की सराहना की और इस प्रतिष्ठित आयोजन का क्यूरेटर बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए सम्मानित महसूस किया। इस हॉफ मैराथन से संबंधित विवरण पूसीरे के सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों में प्रकाशित किया जाएगा। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए जल्द ही नॉर्थईस्ट हॉफ मैराथन से जुड़ी वेबसाइट लांच की जाएगी।

नौसेना की टीम ने पूर्वोत्तर में बाइक यात्रा शुरू की

गुवाहाटी (विभास)। नौसेना के मोटरसाइकिल सवार दस्ते की एक टीम ने शुक्रवार को पूर्वोत्तर के सात राज्यों की यात्रा शुरू की। नौसेना प्रमुख ने रैली को हरी झंडी दिखाई। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव समारोहों के तहत भारतीय नौसेना मोटर बाइक टीम, द सी राइडर्स, ने रॉयल एनफील्ड की साझेदारी में यह मोटरसाइकिल यात्रा शुरू की। रैली 14 दिसंबर को संपन्न होगी। यात्रा के तहत, पूर्वोत्तर के सात राज्यों में 3,500 किमी की दूरी 24 दिनों में तय की जाएगी। इसमें एनफील्ड 350 मोटरसाइकिल पर सवार नौसेना के 15 कर्मी शामिल किए गए हैं। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने रैली को डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाई। प्रवक्ता ने कहा, यात्रा सात राज्यों में दो चरणों में आयोजित की जा रही है। प्रत्येक चरण में पूर्वोत्तर के कुछ दुर्गम क्षेत्रों से होकर यात्रा गुजरेगी।

राज्य में ह्यूमन ट्रैफिकिंग रैकेट का भंडाफोड़

नलबाड़ी, मोरीगांव और नगांव से छह गिरफ्तार

बक्सा (हि.स.)। प्रदेश में मानव तस्करी का बड़ा नेटवर्क सक्रिय होने का मामला सामने आया है। इस कड़ी में बक्सा जिला के शिमला पुलिस ने अभियान चलाते हुए महिलाओं की तस्करी में शामिल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को यह सफलता नगांव, मोरीगांव और नलबाड़ी जिलों में विभिन्न स्थानों पर पुलिस अधिकारी गणेश बर्मन और सुनंदा दास के नेतृत्व में चलाए गए अभियानों में मिली है। बाक्सा के शिमला पुलिस के जाल में फंसने वाले आरोपियों में दीपिका दास उर्फ धनु (नलबाड़ी अरिकुची), रूनू दास (गुवाहाटी, बेहारबारी), इकरामुल हूंसैन (नगांव, कोलियाबर, बरगुली), कासेम अली (मोरीगांव के डांगरीगांव), बनेसा खातून (डांगरीगांव) और दिलजान बेगम (मोरीगांव, कलमोबारी) शामिल हैं। मुख्य आरोपी आक्केल अली फिलहाल फरार है। जानकारी के मुताबिक बाक्सा के पश्चिम खागराबाड़ी की एक महिला को मुख्य आरोपी आक्केल अली ले गया। जिसे केरल में बेचने के बाद फरार हो गया था। बाद में, महिला के परिवारवालों ने शिमला पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कराई। प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने महिला को बचाया और छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार छह आरोपी लंबे समय से राज्य के विभिन्न हिस्सों से महिलाओं और बच्चों को बेचने के धंधे में शामिल थे। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से पति-पत्नी की मौत

ग्वालपाड़ा (हि.स.)। ट्रेन की चपेट में आने से पति-पत्नी की मौत हो गई। ग्वालपाड़ा जिला के धुपधारा थानांतर्गत धनुभंगा आवैमारी में यह घटना हुई। कामाख्या-जोगीघोपा रेल लाइन पर धूपधारा रेल स्टेशन के समीप धनुभंगा के आवैमारी में शुक्रवार को ललित मोहन दैमारी और उनकी पत्नी राखिया दैमारी की बोंगाईगांव से गुवाहाटी जा रही डेमो पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से मौत गई। घटना उस समय हुई जब पति-पत्नी रेलवे लाइन पार कर रहे थे। ज्ञात हो कि कामाख्या-जोगीघोपा रेलवे लाइन की दूसरी लाइन का गुरुवार को उद्घाटन किया गया था। दूसरी लाइन पर डेमो पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से पति-पत्नी की मौत हो गई। रेल पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में रेलवे पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

एपीडीसीएल ने फिर से दिए झटके, शुल्क बढ़ाई

गुवाहाटी (विभास)। राज्यवासियों को बिजली विभाग फिर झटका देने वाली है क्योंकि असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) ने बिजली की प्रति यूनिट दरों में बढ़ोतरी का फैसला किया है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, एपीडीसीएल ने एक और बिजली दर बढ़ोतरी में 0.79 रुपये प्रति यूनिट अतिरिक्त चार्ज करने का फैसला किया है।हालांकि, बढ़ी हुई दरें दिसंबर से फरवरी तक तीन महीने की अवधि के लिए प्रभावी रहेंगी।यह सामने आया है कि ईंधन और ऊर्जा खरीद की लागत को कवर करने के लिए दर में बढ़ोतरी की घोषणा की गई है। यह एपीडीसीएल द्वारा सितंबर में स्वीकार किए जाने के बाद आया है कि ग्राहकों के मासिक बिजली बकाया में विसंगतियां थीं, यह कहते हुए कि कुछ समय के लिए मामूली विसंगतियां थीं, लेकिन इस बार यह स्पष्ट हो गया। गुवाहाटी में बिजली भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए एपीडीसीएल के ग्राहक संबंध सलाहकार अभिजीत सरमा बरुआ ने कहा था कि कंपनी इस संबंध में ग्राहकों की शिकायतें लेने के लिए तैयार है।बिजली वितरण कंपनी ने ग्राहकों से आग्रह किया कि यदि वे अपने बिलों में विसंगतियां पा रहे हैं तो वे अपनी शिकायत दर्ज कराएं। सवालों का जवाब देते हुए, वरिष्ठ अधिकारी ने उल्लेख किया कि मासिक बकाया में अचानक वृद्धि के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से कुछ गर्मी के महीनों में पंखों और एयर कंडीशनर (एसी) का अत्यधिक उपयोग, मीटर रीडिंग में गलती आदि हो सकते हैं।उन्होंने आगे कंपनी के कर्मचारियों की ओर से चूक स्वीकार करते हुए कहा कि कुछ कर्मचारी मीटर बॉक्स से वास्तविक रीडिंग लिए बिना एस्टीमेट लेकर बिल बनाते हैं।बरुआ ने कहा कि यहां तक कि हमारे अपने कर्मचारियों के मासिक बिल में भी करीब 10 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस बढ़ोतरी का सबसे प्रमुख कारण गर्मी के महीनों में एसी का अत्यधिक उपयोग है। अत्यधिक ऊर्जा खपत के कारण सामान्य बिजली शुल्क में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि ईंधन और बिजली खरीद मूल्य समायोजन (एफपीपीपीए) के लिए ईंधन की कीमतों में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, सितंबर से 30 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की गई है, जिसका मतलब है कि ग्राहकों के विवेक के बिना, कीमतों में मामूली बढ़ोतरी हुई है। बिजली शुल्क। जनता से रिश्ता इस खबर की पुष्टि नहीं करता है ये खबर जनसरोकार के माध्यम से मिली है और ये खबर सोशल मीडिया में वायरलहो रही थी जिसके चलते इस खबर को प्रकाशित की जा रही है। इस पर जनता से रिश्ता खबर की सच्चाई को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं करता है।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर का गुवाहाटी आगमन

गुवाहाटी। रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी वेस्ट के अपने ऑफिसियल विजिट पर रोटरी जिला 3240 के जिलापाल रोटेरियन डॉ. कुशनावा पाबी और उनकी धर्मपत्नी पाबी को जोन नौ के सहायक जिलापाल रोटेरियन बिभूति दत्ता ने उनको गुवाहाटी एयरपोर्ट पर आगवानी की वहीं से सिक्स माइल स्थित दीपशिखा शिशु कैंसर संस्थान पर लेकर आए जहां पर उन्होंने कैंसर पीड़ित बच्चों से मिले। ज्ञातव्य हो कि रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी वेस्ट समय समय पर संस्थान को सहयोग करता रहता है। रोटरी के सहयोग से मिर्जा में एक हॉस्पीस केंद्र भी चलता है। उसके बाद संध्या छह बजे से कामारपट्टी स्थित रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी वेस्ट के रोटरी कम्यूनिटी सेंटर पर ऑफिसियल विजिट पर आए डॉ. पाबी को असमिया फुलाम गामोछा, शॉल और सराय से पाबी को असमिया परंपरा के अनुसार फुलाम गमोछा शाल से और सहायक जिलापाल बिभूति दत्ता को भी फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। क्लब के अध्यक्ष प्रेम कांत चौधरी ने अपने स्वागत और अध्यक्षीय उदबोधन में रोटरी वर्ष 2022- 2023 में किए गिए क्रियाकलापों का वर्णन किया और आगामी आने बाला समय मे निर्धारित योजनाओं का विवरण प्रस्तुत किया। सचिव डॉ. जीता ने पीपीटी के माध्यम से पिछले चार महीनों के क्रिया कलाप को उपस्थित सदस्यों को दिखा कर विवरण दिया। इसके पहले आज वीर लाचित बरफुकन की चार सौ वीं जयंती समारोह के सुअबसर पर उनके छायाचित्र पर पुष्पमाला एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। डॉ. पाबी क्लब असेंबली में बहुतायत योजनाओं की चर्चा की और सामाजिक सेवा के लिये आगे आने का सदस्यों से आह्वान किया। क्लब की मासिक पत्रिका सराईघाट का भी संपादक डॉ. बीसी दास पुरकायस्थ की उपस्थिति में विमोचन हूंआ। इस अबसर पर क्लब के बरिष्ठ सदस्य त्रिदिब शर्मा को उनके पदोन्नति के साथ कलकत्ता स्थानांतरण पर क्लब की ओर से स्वागत एवं विदाई स्वरूप फुलाम गामोछा से किया। क्लब के एडमिन अनुराग जैन ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

रेडीमेड गारमेंट्स डीलर्स एसोसिएशन ने लाचित दिवस मनाया

गुवाहाटी (नसं)। रेडीमेड गारमेंट्स डीलर्स एसोसिएशन ने वीर लाचित बोरफुकन की 400 वीं जन्म जयंती के उपलक्ष में शाम को एक समारोह में केक काटकर लाचित दिवस मनाया एवं इसके साथ ही एसएस रोड से विभिन्न रेडीमेड कपड़ा मार्केट से होते हुए ब्रह्मपुत्र नद के लाचित घाट पर अवस्थित वीर लाचित की मूर्ति तक एक शोभा यात्रा निकाली। जिसमें सभी रेडीमेड व्यापारियों ने मोमबत्ती जलाकर लचित बोरफुकान को याद किया। इस अवसर पर रेडीमेड गारमेंट एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष सुब्रतो राय ने लचित बोरफुकन और औरंगजेब की मुगल सेना के युद्ध का जिक्र करते हुए लाचित की वीरता को सलाम किया। कार्यक्रम की सारी व्यवस्था कार्यक्रम संयोजक अरुण कुमार और प्रदीप जैन ने संभाल रखी थी। सह संयोजक के रूप में दीपक साहू, राजेश साहू ओर उत्तम साहा ने भी सहयोग दिया। इस अवसर पर एसोसिएशन के निवर्तमान अध्यक्ष चंदनमल सेठिया, मुख्य सलाहकार असीम राय, उपाध्यक्ष संतोष महतो और दीपक दे उपस्थित थे।

सीएम का दायित्व निभाने में डॉ. शर्मा पूरी तरह विफल : बोरा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम-मेघालय सीमा पर हुई हालिया हिंसक झड़प को लेकर असम प्रदेश तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अध्यक्ष रिपुन बोरा ने शुक्रवार को अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री को विफल करार दिया। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री के रूप में डॉ. हिमंत विश्वशर्मा पूरी तरह से व्यर्थ हुए हैं। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि अगर स्थिति ऐसी ही बनी रही तो वे डॉ. शर्मा के मुख्यमंत्री से पदत्याग की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि अंतर्राज्यीय सीमा पर वर्तमान समय में काफी उत्तेजना की स्थिति उत्पन्न हुई है। रिपुन बोरा के अनुसार सिर्फ मेघालय ही नहीं, बल्कि मिजोरम, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर भी विवाद की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि डॉ. शर्मा के मुख्यमंत्री बनने के बाद सीमावर्ती इलाके में 11 लोगों की मौत होने के साथ काफी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं।

एंजल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में मनी वीर लाचित बरफुकन जयंती

गुवाहाटी। वीर लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती एंजल्स हायर सेकेंडरी स्कूल कुमारपाड़ा में बड़े जोर-शोर से मनाई जा रही है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल की प्रधान शिक्षिका दीप्ती मेधी ने दीप जला कर की। इसके बाद मेंधी ने लाचित बरफुकन की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं सहित स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को संबोधित की। विगत छह दिनों से विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्रा सहित शिक्षकगण ने कई कार्यक्रम प्रस्तुत की। विद्यालय में संवप्रथम निबंध रचना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई, इसके बाद पौधरोपण, प्रश्नोतर, वाद-विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता के साथ ही छात्र-छात्राओं द्वार कविता पाठ एवं गीत-नृत्य प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात वीर लायित बरफुकन की वीरता पर आधारित एक लघु नाटक का भी मंचन किया गया। इसकी जानकारी सह-शिक्षक भरत झा ने दी।

गुवाहाटी में ब्रीजर विविड शफल ब्लॉक पार्टी सफलतापूर्वक संपन्न

गुवाहाटी। महानगर ने एक आकर्षक संगीतमय सप्ताहांत की मेजबानी की। इस कार्यक्रम के माध्यम से भारत के हिप-हॉप के कुछ ऊंचे उड़ने वाले सितारों ने ब्रीजर विविड शफल (बीवीएस) ब्लॉक पार्टी से अपना कदम रखा। हाई वोल्टेज शाम में डीजे टोनी, डीजे नैक के साथ-साथ हिप हॉप के दिग्गज रफ्तार, खासी ब्लड्ज और मेबा ओफिलिया के पावर-पैक प्रदर्शन देखे गए। प्तबीट्स ऑफ द स्ट्रीट्स की थीम के साथ इसका आयोजन हूंआ। गुवाहाटी में बीवीएस ब्लॉक पार्टी ने सफलतापूर्वक संगीतमय प्रतिमानों और हिप हॉप ऊर्जा के साथ एक सौंदर्यपूर्ण और विद्युतीय वातावरण तैयार किया। इस कार्यक्रम ने पहले से ही इस क्षेत्र में एक बड़ा प्रशंसक बना लिया है और इस गुवाहाटी ब्लॉक पार्टी ने हिप हॉप के प्रति उत्साही लोगों को एक छत के नीचे ला दिया है। जहां पॉप सुपरस्टार रफ्तार ने अपनी सुरीली धुनों के साथ कार्यक्रम की चमक को बढ़ाया, वहीं रैपर मेबा ओफिलिया और शिलॉन्ग के मशहूर म्यूजिकल बैंड खासी ब्लड्ज ने हिप हॉप प्रेमियों को अपनी शानदार परफॉर्मेंस से झूमा दिया। कंपनी की क्षेत्रीय ब्रांड और श्रेणी प्रमुख आरती हजेला ने बताया की गुवाहाटी में ब्रीजर विविड शफल ब्लॉक पार्टी सफलतापूर्वक संपन्न हूं। रैप सुपरस्टार रफ्तार ने प्रशंसकों को झूमा दिय।

गौ सेवा से सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण : उमेश पोरवाल

गुवाहाटी (नसं)। छह माइल सूरज नगर स्थित एकल भवन में श्री हरि कथा योजना द्वारा श्री कृष्ण कथा प्रशिक्षण वर्ग में विश्व हिंदू परिषद गौरक्षा केंद्रीय मंत्री एवं पालक नार्थईस्ट क्षेत्र उमेश चंद पोरवाल ने बताया कि प्राचीन काल से आज तक सनातन धर्म प्रेमी गौ माता को मां कह कर पुकारते हैं। गाय पूजनीय और पवित्र है। सभी मनोकामना को पूर्ण करने वाली है। सच्ची श्रद्धा भक्ति से सेवा की जाए तो परिणाम अवश्य मिलता है। उन्होंने कहा पुत्र प्राप्ति हेतु महाराजा दिलीप ने वशिष्ठ के आश्रम में जाकर नंदनी गौ माता की सेवा की और पुत्र प्राप्ति हुई। उसी प्रकार भगवान श्री कृष्ण ने बाल्यकाल में माखन चोर कहलाये उन्होंने संदेश दिया। बाल्यावस्था में बच्चों को माखन मिश्री जितना खिलाएंगे उतना बच्चे बहुत तेजस्वी होगें। गांव गाय और गोपालकों की रक्षा करने के लिए भगवान श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाया राक्षसों का वध करने के लिए सुदर्शन चक्र भी रखा। गाय में 33 कोटि देवी देवताओं का वास है। जिस के गोबर में लक्ष्मी जी का वास है। आज वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया है कि गाय के गोबर से अनेकों उत्पाद निर्माण हो रहे हैं ।जैसे धूप बत्ती, दंत मंजन, साबुन, उपटन, मच्छर क्वायल, दिये, मूर्तियां, गमले एवं मोबाइल

में रेडिशन रोधी चिप और पेंट भी आदि का निर्माण हो रहा है। अनेक प्रकार की खाद बनाई जाती है। गोमूत्र से फिनाइल, फसल रक्षक कीट नियंत्रक, शैंपू, गोमूत्र अर्क आदि का निर्माण हो रहा है। गोबर, गोमूत्र, दूध, दही, घी के मिश्रण को पंचगव्य कहते हैं ।जो मानव शरीर की शुद्धि करता है। हम सबको गाय की उपयोगिता महत्ता को समझने की आवश्यकता है। गौमाता आत्मनिर्भर स्वस्थ और संपन्न आरोग्य मयी स्वावलंबी बनाने का आधार है। समस्त गौमाता का संरक्षण संवर्धन करने में हम सब की बड़ी भूमिका होनी चाहिए ।इस अवसर पर वर्ग में विश्व हिंदू परिषद प्रांत सह कोषाध्यक्ष नटवरलाल अग्रवाल, रूपाली हजारिका प्रभाग व्यास प्रमुख उपस्थित थे।

गांजा समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिला की बोको पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ अभियान चलाते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि छापेमारी के दौरान बोको जरापारा में एक गांजा तस्कर को बीती देर रात को गिरफ्तार गया। तस्कर के पास से 7 किग्रा से अधिक गांजा जब्त किया गया। गिरफ्तार गाजा तस्कर की पहचान नजर अली (30) के रूप में हुई है। नजर अली मूल रूप से नगरबेड़ा के रंगेश्वरीपाम का रहने वाला बताया गया है। पुलिस ने बताया है कि खुफिया जानकारी के आधार पर बोको पुलिस स्टेशन के प्रभारी फणींद्र नाथ ने ऑपरेशन का नेतृत्व किया।

बेहतर दुनिया का निर्माण करना हम सबकी सामूहिक और नैतिक जिम्मेदारी : राजनाथ

- रक्षा मंत्री ने कहा, वैश्विक समुदाय के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है 'हिंद प्रशांत क्षेत्र'
- 'हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद' में किया पीएम मोदी के संदेश 'अब युद्ध का समय नहीं' का उल्लेख

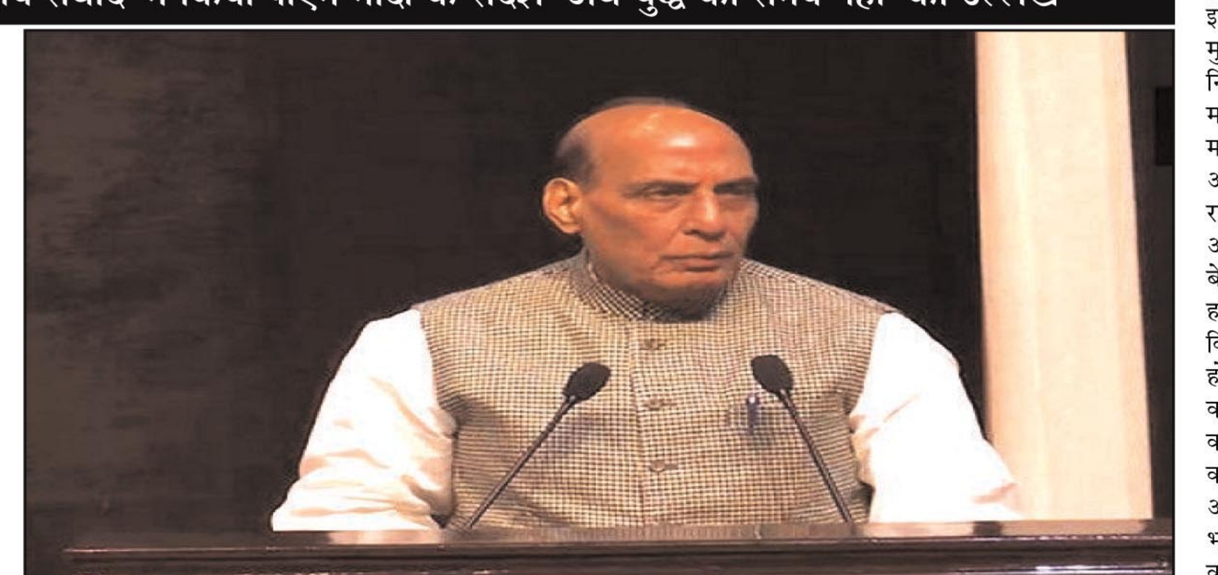

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग में कहा कि बेहतर दुनिया का निर्माण करना हम सबकी सामूहिक और नैतिक जिम्मेदारी है। ऐसी दुनिया का निर्माण होना चाहिए जो सुरक्षित और सभी के लिए न्यायपूर्ण हो। भारत के दार्शनिकों ने हमेशा राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर मानव समुदाय को समझा है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में वैश्विक समुदाय कई प्लेटफार्मों और एजेंसियों के माध्यम से आगे बढ़ रहा है। इसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सबसे आगे है। दिल्ली के मानेकशा सेंटर में 'इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग' के आखिरी दिन रक्षा मंत्री ने दृढ़ विश्वास जताया कि अगर सुरक्षा एक सामूहिक उद्यम बन जाए तो हम एक वैश्विक व्यवस्था बनाने के बारे में सोच सकते हैं, जो सुरक्षित और सभी के लिए न्यायपूर्ण हो। हमने यूएन पीस कीपिंग ऑपरेशंस में महिलाओं के लिए आसियान-भारत पहल का प्रस्ताव किया है जो अधिक मानवीय दृष्टिकोण के माध्यम से प्रभावी संघर्ष समाधान और स्थायी शांति की दिशा में योगदान देगा। हमने समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार की दिशा में समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण प्रतिक्रिया पर आसियान-भारत पहल का भी प्रस्ताव दिया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में रचनात्मक संबंधों वाले भागीदारों के साथ काम करने का हमेशा हमारा प्रयास रहा है। हमने बैंकाक में आयोजित पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में 'इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव' लॉन्च किया है।

मौजूदा समय में जब मानवता जलवायु परिवर्तन, कोविड महामारी जैसी समस्याओं का सामना कर रही है, तो हम सभी को युद्धों और संघर्षों के विनाशकारी असर से विचलित हुए बिना इन चुनौतियों पर काबू पाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश 'अब युद्ध का समय नहीं है' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह हमें पूरे हिंद प्रशांत क्षेत्र में मानवता का संदेश साझा करने की अनुमति देता है। उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र न केवल क्षेत्रीय बल्कि व्यापक वैश्विक समुदाय के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। क्षेत्र में सदियों पुरानी समुद्री गलियां आड़े-तिरछे व्यापार को बढ़ाने में मदद करती हैं। समुद्री गलियारों ने संस्कृतियों और विचारों को साथ लाने का कार्य किया है। यही वह जल है जो सदियों पहले शांति, ज्ञान, आशा और कल्याण का संदेश लेकर आया था, इसे हमें एक बनाने का प्रयास करना चाहिए। हमें संकीर्णता से ऊपर उठकर सोचना होगा कि मजबूत और समृद्ध भारत दूसरों की कीमत पर नहीं बनेगा, बल्कि भारत यहां अन्य देशों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास कराने में मदद करने के लिए है। राजनाथ सिंह ने कहा कि न केवल क्षेत्रीय, बल्कि व्यापक वैश्विक समुदाय के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है।

संदीप भारद्वाज के आत्महत्या को सांसद मनोज तिवारी ने बताया मर्डर

अजय कुमार

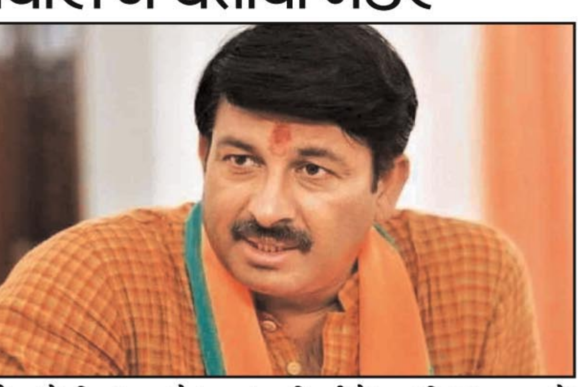

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के कीर्ति नगर इलाके में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संदीप भारद्वाज ने गुरुवार को आत्महत्या कर ली। इस मामले को लेकर भाजपा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने शुक्रवार को पूरे मामले पर प्रेस वार्ता कर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर संदीप भारद्वाज की सुसाइड को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा यह बेहद दुखद है, यह आत्महत्या नहीं हत्या है। मनोज तिवारी ने कहा कि किसी की मौत पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। ऐसे में किसी और की मौत न हो जाए इसकी चिंता करना बहुत जरूरी है। तिवारी ने कहा कि वह मानते हैं कि ये आत्महत्या नहीं हत्या है। संदीप भारद्वाज आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता थे और टिकट के दावेदार थे, जिस प्रकार के प्रमाण, साक्ष्य आ रहे हैं। ये आत्महत्या नहीं लग रहा है। मनोज तिवारी ने आगे कहा कि संदीप भारद्वाज को 'आप' से टिकट मिलने का भरोसा मिला था और वह आम आदमी पार्टी के फाउंडर मेंबर थे। आप ने संदीप भारद्वाज की जगह अंजली राय के बेटे को ज्यादा पैसों में टिकट बेच दिया। ऐसी स्थिति में संदीप भारद्वाज काफी आहत थे और उन्होंने आत्महत्या कर ली। तिवारी ने कहा कि आत्महत्या के लिए मजबूर करना भी हत्या के समान होता है। यह पाप आप के शीर्ष नेतृत्व ने किया है। मनोज तिवारी ने कहा कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल के सुरक्षा की चिंता की है। वह चाहते है कि वो सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि जिस तरह उनके विधायक पिट रहे हैं, आप कार्यकर्ता मौत के मुंह में चला गया है। ऐसे में उन्हें सावधान रहने की जरूरत है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्य के वित्त मंत्रियों के साथ बजट पूर्व परामर्श किया

नई दिल्ली, (हि.स)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ बजट पूर्व बैठक में वित्त वर्ष 2023-24 के बजट पर विचार-विमर्श किया। निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में यहां आयोजित बजट पूर्व बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्री शामिल हुए। वित्त मंत्री ने बैठक के दौरान सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों से अगामी बजट 2023-24 को लेकर उनके इनपुट और सुझावों पर चर्चा की। बजट पूर्व इस बैठक में निर्मला सीतारमण के साथ केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी और डॉ. भागवत किशनराव कराड, आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) सचिव अजय सेठ, वित्त मंत्रालय के अन्य विभागों के सचिव एवं डीओआर संजय मल्होत्रा और मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन तथा वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि आगामी वित्त वर्ष के लिए सालाना बजट तैयार करने की औपचारिक प्रक्रिया 24 अक्टूबर, 2022 से शुरू हो गई है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सालाना बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी, 2023 को संसद में पेश करेंगी।

दिल्ली के 200 रेस्टोरेंट की छतों और खुले स्थान पर परोसा जा सकेगा खाना

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के 200 रेस्तरां और भोजनालयों को छतों के साथ-साथ उनसे जुड़े खुले स्थानों में खाना परोसने के लिए एमसीडी की ओर से गुरुवार को लाइसेंस जारी किया गया। बताया जाता है कि अपने ग्राहकों की पसंद का ख्याल रखते हुए दिल्ली के रेस्तरां और भोजनालयों के मालिकों ने बहुत लंबे समय से ओपन स्पेस डाइनिंग की अनुमति के लिए आवेदन कर रखा था जिस पर एमसीडी ने गुरुवार को अपनी मुहर लगा दी है। एमसीडी की तरफ से अनुमति मिलने के बाद रेस्तरां और भोजनालय लोगों को खुले में खाना खिला सकते हैं। एमसीडी के एक अधिकारी ने बताया अब तक दिए गए लाइसेंस में से 155 ओपन-स्पेस डाइनिंग के लिए हैं और शेष 45 टेरेस डाइनिंग के लिए हैं। दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी की ओर से निर्धारित शर्तों को पूरा करने पर खुली में खाने की जगहों वाले भोजनालयों को दिल्ली फायर ब्रिगेड से किसी अतिरिक्ति प्रमाण पत्र लेने की जरुरत नहीं होगी। एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है एमसीडी ने खाने के लिए खुली जगह और छत के उपयोग के लिए लाइसेंस देने की मंजूरी दे दी है। पहले के सभी आदेशों के रद्द करते हुए अब खुली जगहों और छतों पर भोजन परोसने की अनुमति है। खाना परोसने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जगह को स्थायी और अस्थाई रुप से कवर नहीं किया जाएगा जबकि फास्ट फूड स्टॉल आइसक्रीम पार्लर पान और बीड़ी स्टॉल आदि की अनुमति नहीं दी जाएगी। यही नहीं किसी भी तरह के संगीत और लाइव परफॉर्मेंस की इजाजत नहीं दी जाएगी। आदेश के मुताबिक रेस्तरां पर इंटिंग हाउस की मौजूदा कैपिसिटी की शर्त लागू रहेगी। क्षमता से ज्यादा लोगों को बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प. बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला: सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई

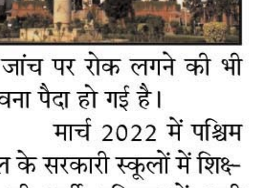

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले की एक सप्ताह के भीतर सीबीआई जांच के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने सीबीआई से पता लगाने को कहा था कि गलत तरीके से नौकरी पाने वालों को बचाने की कौन कोशिश कर रहा है। हाईकोर्ट ने राज्य के प्रमुख सचिव को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का भी निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने घोटाला मामले में पश्चिम बंगाल के प्रमुख सचिव की व्यक्तिगत पेशी पर भी रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जांच पर रोक लगने की भी संभावना पैदा हो गई है।

मार्च 2022 में पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में भारी अनियमितता सामने आने के बाद यह मामला सुर्खियों में आया था। यह 2014 से 2016 तक पश्चिम बंगाल एसएससी द्वारा की गई भर्तियों से जुड़ा है।

कपड़ों पर पहना जनेऊ कितना पवित्र है यह पब्लिक जानती है : स्मृति ईरानी

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात के चुनावी संग्राम में राजनीतिक दलों के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। भाजपा कांग्रेस और आप समेत अन्य राजनीतिक दलों के बीच खुद को सबसे श्रेष्ठ बताने की होड लगी हुई है। ऐसे में मतदाता किसे श्रेष्ठ मानते हैं इसका पता 8 दिसंबर को चल जाएगो आज केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी समेत कांग्रेस पर कड़े प्रहार किए। उन्होंने कहा कि चुनावी हिन्दू बनना उचित नहीं है। कपड़ों पहना जनेऊ कितना पवित्र है यह पब्लिक जानती है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर स्मृति ईरानी ने सवाल किया कि क्या भारत अभी टूटा हुआ है? मैं समझना चाहती हूं कि राहुल गांधी 18 साल तक संसद में रहे और बावजूद इसके वह भारत का जान नहीं पाए। आज 50 साल का व्यक्ति कहता है कि मैं अपने देश को जान नहीं पाए आखिर यह कैसी मानसिकता है? एक सवाल के जवाब में स्मृति ईरानी ने कहा कि चंदन का टीका पूजा के दौरान लगाया जाता है और वह एक प्रेरणा बन जाता है। लेकिन राहुल गांधी चुनावी हिन्दू बन जाते हैं जो राजनीतिक मंच पर चंदन का टीका लगाते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता की नजर काफी तेज है और वह अच्छी तरह जानती है कि राहुल गांधी ने कपड़ों पर जो जनेऊ पहना है वह कितना पवित्र और धार्मिक है।

ममता ने जब टीएमसी विधायकों से कहा- शुभेंदु अधिकारी को बोलने दें, टोका-टाकी न करें

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक दूसरे के धुर विरोध की वजह से चर्चा में रहने वाले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी की शुक्रवार को विधानसभा में हुई शिष्टाचार मुलाकात ने सबको चौंका दिया। ममता ने शुभेंदु अधिकारी को चाय पर भी आमंत्रित किया। राज्य विधानसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अपने निर्धारित समय पर शुरू हुई। सदन में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री बनर्जी के साथ सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्य और मुख्य विपक्षी दल भाजपा के भी सभी सदस्य उपस्थित थे। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने जब अपना संबोधन शुरू किया तब सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने टोका-टाकी शुरू कर दी। इस पर जैसे ही मुख्यमंत्री की नजर पड़ी, वह तुरंत खड़ी हो गईं और तृणमूल सदस्यों को फटकारने लगीं। ममता ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के संबोधन में कोई बाधा नहीं देगा, सब चुप रहें। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख एवं मुख्यमंत्री बनर्जी की इस टिप्पणी के बाद तृणमूल के सभी सदस्य शांत हो गए। इस पर नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी मंद-मंद मुस्कुराते नजर आए। इसके बाद उन्होंने अपना संबोधन पूरा किया। इसके पहले दोनों नेताओं के बीच शिष्टाचार मुलाकात भी हुई। इसी तरह जब भाजपा सदस्य अग्निमित्र पॉल भी संविधान दिवस पर बोल रही थीं तब भी तृणमूल के सदस्यों ने व्यवधान डालना शुरू कर दिया था, लेकिन ममता ने स्पष्ट तौर पर एक बार फिर खड़े होकर कहा कि किसी के भी संबोधन में कोई बाधा नहीं देगा। यह संवैधानिक रीति के लिए अच्छी बात नहीं है।

सीएम केजरीवाल को जान से मारने की धमकी को लेकर पुलिस में दर्ज कराएंगे शिकायत : सिसोदिया

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली और गुजरात चुनाव को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच चल रही सियासी जंग के बीच दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर कहा है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की भाजपा धमकी को लेकर वह पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने केजरीवाल को धमकी दी है। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली और गुजरात के चुनावी माहौल से भाजपा घबरा रही है। अब भाजपा केजरीवाल का हत्या करवाना चाहती है। आप नेताओं और अरविंद केजरीवाल को भाजपा बदनाम करने की कोशिश कर रही है। सिसोदिया ने कहा कि गुरुवार को मनोज तिवारी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को धमकी दी थी। इससे साफ है कि भाजपा केजरीवाल की हत्या करने की साजिश रच रही है। भाजपा सांसद ने जिस भाषा में बात की है वह सीधी धमकी है। सिसोदिया ने आगे कहा कि वो भाजपा सांसद मनोज तिवारी कह रहे हैं कि सीएम केजरीवाल पर कोई भी हमला कर सकता है। यह सामान्य बात नहीं है। भाजपा सांसद लोगों को भड़काने का काम कर रहे हैं। इसकी जांच होनी चाहिए और भाजपा सांसद मनोज तिवारी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

मेट्रो यात्रियों को बड़ी राहत दिल्ली मेट्रो की ग्रे लाइन पर शुरू होगी ये सेवा

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो यानि 25 नवंबर 2022 से ग्रे लाइन पर स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली के साथ मेट्रो यात्रियों को बड़ी राहत देने जा रही है। दिल्ली मेट्रो इस लाइन पर अप और डाउन लाइन पर नजफगढ़ और ढांसा बस स्टैंड सेक्शन के बीच मेट्रो सेवाओं का संचालन शुरू करेगी। इससे आसपास के लोगों को ट्रेन में यात्रा करने के लिए कम इंतजार करना पड़ेगा। डीएमआरसी ने बताया कि अभी तक इस सेक्शन पर मेनुअल मोड में सिंगल लाइन के माध्यम से सेवाएं संचालित की जा रही थीं। जिसकी वजह से ट्रेनों का प्रतीक्षा समय ज्यादा था। हालांकि अब अप एंड डाउन लाइन पर सेवा शुरू होने से पीक-आवर्स में 07 मिनट 30 सेकंड पर ट्रेन उपलब्ध होगी जो अभी तक 12 मिनट में मिल रही थी। वहीं ऑफ-पीक घंटे के दौरान 12 मिनट में मिलेगी जो कि 15 मिनट के हेडवे के साथ उपलब्ध हो रही थी। इसके साथ ही इस दोहरी लाइन के शुरू होने से द्वारका से ढांसा बस स्टैंड तक ग्रे लाइन पर चलने का समय भी लगभग 04 मिनट घटकर लगभग 08 मिनट हो जाएगा।

भारत जोड़ो यात्रा में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगने का आरोप, भाजपा हमलावर

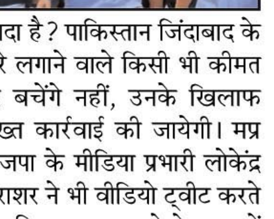

भोपाल, (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्राह्न का मध्य प्रदेश में शुक्रवार को तीसरा दिन है। यह यात्रा तीसरे दिन खरगोन जिले में है। इसी बीच भाजपा ने आरोप लगाया है कि यात्रा के दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए हैं। इसको लेकर भाजपा राहुल गांधी पर हमलावर है तो कांग्रेस ने इसे षड्यंत्र बताते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने शुक्रवार को ट्वीट पर यात्रा का एक वीडियो पोस्ट किया है, साथ ही लिखा है कि बेहद शर्मनाक! खरगोन में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में सरेआम पाकिस्तान जिन्दाबाद के नारे से कांग्रेस की देश तोड़ने की मानसिकता फिर से उजागर हुई है। यह बार-बार साबित हो रहा है कि यह भारत तोड़ो यात्रा है। इस निंदनीय कृत्य के लिए राहुल गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी ट्वीट के माध्यम से कहा है कि भारत जोड़ो यात्रा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगना, यह भारत जोड़ना है या भारत को तोड़ने वालों को साथ जोड़ना है। पहले भी भारत तोड़ा है, क्या फिर भारत तोड़ने का इरादा है? पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वाले किसी भी कीमत पर बचेंगे नहीं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। मप्र भाजपा के मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर ने भी वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा, भारत जोड़ो यात्रा में खुलेआम पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगा। इसे कांग्रेस के ऑफिशियल हैंडल से ट्वीट किया गया, बाद में हटाया गया, लेकिन सच्चाई तो सामने आ गई कि कांग्रेस के दिल में क्या है। हालांकि, वीडियो को लेकर कांग्रेस नेताओं ने भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्टीकरण दिया है। पार्टी के मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने ट्वीट किया, 'अत्यधिक सफल #भारत जोड़ो यात्रा को बदनाम करने के लिए भाजपा के डर्टी ट्रिक्स विभाग द्वारा संपादित एक वीडियो प्रसारित किया जा रहा है। हम तत्काल आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं।' इधर, कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता केके मिश्रा ने भाजपा के आरोप का खंडन करते हुए कहा कि हमने यात्रा में ऐसा कोई नारा नहीं सुना। राहुल गांधी के समर्थन में हजारों लोग उमड़ रहे हैं, यह देखकर भाजपा बौखला गई है। उन्होंने उल्टा आरोप लगाया कि साजिशन किसी संघ और भाजपा की विचारधारा के आदमी को रैली में इसके लिए भेजा गया होगा। मिश्रा ने ट्वीट किया है कि 'भारत तोड़ो की जनक कुत्सित भाजपाई विचारधारा राहुल गांधी की यात्रा से घबराई...कूटरचित वीडियो का इस्तेमाल कर इसे बदनाम करने का कुप्रयास किया। भाजपा के मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी। ऐसे हीन हथकंडे हमारे अडिग उद्देश्यों को हिला नहीं पाएंगे।' भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी की उनकी बहन और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, राजस्थान के उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह समेत मप्र कांग्रेस के सभी बड़े नेता चल रहे हैं। यात्रा की शुरूआत सुबह 6 बजे खरगोन जिले के ग्राम खेरदा से हुई और लगातार आगे बढ़ रही है। यात्रा का जगह-जगह कांग्रेस कार्यकर्ता मंच के माध्यम से भव्य स्वागत कर रहे हैं।

दिल्ली में ठंड की दस्तक के बाद भी डेंगू का प्रकोप कम नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत में ठंड ने दस्तक दे दी है लेकिन अभी भी लोगों को डेंगू मलेरिया से राहत मिलती दिखाई नहीं दे रही है। इस महीने अब तक 869 से ज्यादा मामलों की पुष्टि की जा चुकी है। नगर निगम द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार पिछले हफ्ते 243 नए मामले सामने आए हैं जो लोगों को डरा रहे हैं। वैसे हर साल बारिश के बाद डेंगू मलेरिया का संकट दिल्ली में गहराता है लेकिन ठंड की शुरूआत के साथ इसका प्रभाव कम हो जाता है। जबकि इस बार अभी भी इनके संक्रमण से राजधानी को राहत मिलती दिखाई नहीं दे रही तापमान में गिरावट बारिश का पानी अस्थिर होने और हवाओं में नमी की वजह से ठंड की शुरूआत होते ही डेंगू और मलेरिया के मच्छरों का प्रकोप बारिश की दिनों की तुलना में कम हो जाता है लेकिन इस बार राजधानी दिल्ली में ठंड शुरू होने के बाद भी डेंगू मलेरिया मरीजों की संख्या में कमी देखने को नहीं मिल रही है। ये आम लोगों के लिए चिंता का विषय है। अक्टूबर महीने में जहां डेंगू मरीजों के आने की संख्या 1238 रही। नवंबर के शुरूआती ढाई हफ्तों में दिल्ली नगर निगम ने 800 से ज्यादा डेंगू मरीजों की पुष्टि की। अबतक कुल संक्रमण की संख्या बढ़कर 3100 से अधिक हो चुकी है। साल 2015 में राजधानी में डेंगू ने जमकर तांडव मचाया मचाया था। इस वर्ष मरीजों की संख्या 10600 के पार पहुंच चुकी थी और 60 से ज्यादा लोगों ने दम तोड़ दिया था। फिजीशियन डॉक्टर सतीश कपूर ने कहा अभी डेंगू मलेरिया चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचने का प्रयास करने की आवश्यकता है। इसका प्रकोप कम जरूर है लेकिन खतरा अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। डेंगू के मच्छर साफ पानी में पनपते हैं। इसलिए उन्होंने घरों के आसपास साफ पानी को इकट्ठा न करने और बुखार आने पर तत्काल जांच और अन्य रोकथाम के उपाय करने की सलाह दी।

उप्र की सड़कों पर नहीं होगा एक भी गड्ढा, सभी नगर आयुक्त जारी करेंगे प्रमाण पत्र

– प्रदेश को गड्ढामुक्त किए जाने के अभियान को लेकर योगी सरकार का बड़ा निर्णय
– नगरीय निकायों की सड़कों को गड्ढामुक्त कराने के बाद यूट्यूब लिंक पर शेयर करना होगा साक्ष्य
– 30 नवंबर तक प्रदेश के सभी नगरों में सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का चलाया जा रहा अभियान

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में जारी गड्ढा मुक्त अभियान में पारदर्शिता के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर समस्त नगर आयुक्तों को इसकी निगरानी के आदेश दिए गए हैं। प्रदेश के स्थानीय निकाय की निदेशक नेहा शर्मा की ओर से जारी पत्र में सभी नगर आयुक्तों से कहा गया है कि वे प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुसार अपने नगर निकायों में 30 नवंबर तक गड्ढा मुक्त अभियान को युद्धस्तर पर चलाएं। एक भी रोड पर गड्ढा न हो। अभियान खत्म होने के बाद कमेटी बनाकर कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया जाए और साक्ष्य के रूप में विभाग के यूट्यूब लिंक पर इसको अपलोड किया जाए। साथ ही, नगर में एक भी गड्ढा न हो, इस आशय का एक प्रमाण पत्र भी ईमेल के माध्यम से विभाग को भेजा जाए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार बनने के बाद प्रदेश को गड्ढा मुक्त करने का संकल्प लिया था। इसके लिए वह समय-समय पर निर्देश भी जारी करते रहे हैं। उनका निर्देश है कि प्रदेश की एक रोग में भी गड्ढा नहीं होना चाहिए। युद्ध स्तर पर गड्ढों पर पैच वर्क का काम किया जाए और जो भी अधिकारी इस निर्देश को गंभीरता से न लें, उन पर कठोर कार्रवाई की जाए। मालूम हो कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर ही पूरे प्रदेश में गड्ढा मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। पहले इसकी समय सीमा 15 नवंबर तय की गई थी जिसे बढ़ाकर अब 30 नवंबर कर दिया गया है।

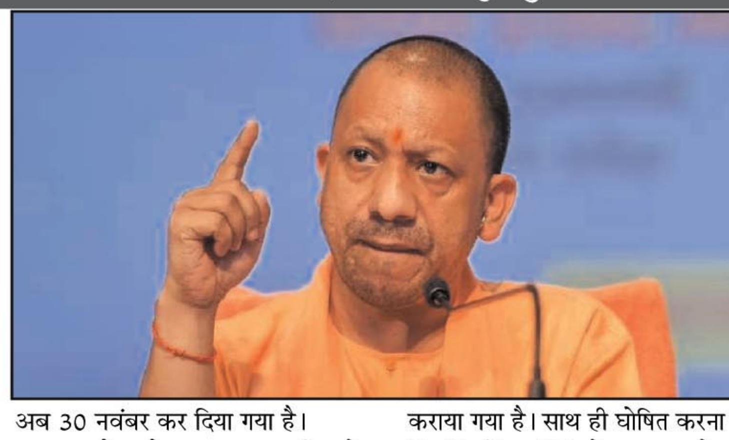

काम का देना होगा प्रमाण – जारी आदेश में कहा गया है कि प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में गड्ढों को भरने की कार्रवाई निर्धारित तिथि यानी 30 नवंबर तक हर हाल में पूरी कर ली जाए। इसके उपरांत, एक टीम गठित कर गड्ढा मुक्त रोड का स्थलीय निरीक्षण किया जाए। यही नहीं स्थलीय निरीक्षण के बाद गड्ढा मुक्त रोड का विवरण विभाग के गूगल लिंक पर भी शेयर किया जाए, जबकि गड्ढा मुक्त रोड से जुड़े आशय का एक प्रमाण पत्र भी विभाग को ईमेल के जरिए भेज जाए। ईमेल का प्रारूप क्या होगा, ये भी आदेश के साथ संलग्न किया गया है। प्रमाण पत्र में नगर आयुक्त या अधिशासी अधिकारी को बताना होगा कि उनके नगर निकाय में कुल कितनी रोड हैं और उनकी लंबाई क्या है। कितनी रोड्स का पैच वर्क कराया गया है। साथ ही घोषित करना होगा कि निर्धारित तिथि के बाद उनके नगर निकाय में कोई भी रोड गड्ढा मुक्त हेतु शेष नहीं है।

मुख्य सचिव ने भी दिए थे निर्देश – प्रदेश में नगर विकास विभाग द्वारा पहले 15 नवंबर तक सड़कों को गड्ढा मुक्त किए जाने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद यह सीमा 30 नवंबर कर दी गई। 17 नवंबर को मुख्य सचिव ने भी बैठक में नगर विकास को निर्धारित समयसीमा में युद्धस्तर पर कार्य करते हुए अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए थे। बैठक में मुख्य सचिव के स्पष्ट निर्देश थे कि प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जाना एवं रोड डायरेक्टरी बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस संबंध में शासन स्तर से समय समय पर विस्तृत दिशानिर्देश मिलते रहे हैं। इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। संयुक्त सचिव कल्याण बनर्जी ने भी इसी आशय का पत्र जारी करते हुए स्थलीय निरीक्षण के भी निर्देश दिए थे।

कार्यों में पारदर्शिता के हितैषी हैं सीएम योगी – उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काम मे पारदर्शिता के हितैषी हैं जो उनके क्रियाकलापों में झलकता है। वह न सिर्फ निर्देश देते हैं, बल्कि समय-समय पर निर्देशों का कितना अनुपालन हुआ इसको लेकर भी समीक्षा करते हैं। प्रदेश को गड्ढा मुक्त बनाने को लेकर मुख्यमंत्री शुरूआत से ही गंभीर हैं।

इसी के दृष्टिगत प्रदेश को गड्ढा मुक्त बनाए बनाए जाने के लिए शासन ने बहुत ठोस कदम उठाते हुए अभियान चलाए गए हैं ताकि आम जनता को गड्ढा मुक्त सड़क प्राप्त हो जिससे उन्हें किसी प्रकार की आवागमन में परेशानियों का सामना ना करना पड़े। गौरतलब है कि बाढ़ और बारिश के चलते हर वर्ष बड़ी तादात में सड़कों पर गड्ढे हो जाते हैं। यहां तक कि नई सड़कें भी खराब हो जाती हैं। मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि न सिर्फ प्रदेश को गड्ढा मुक्त किया जाए, बल्कि कार्य में गुणवत्ता का भी ध्यान रखा जाए। सभी अधिकारी इन निर्देशों का गंभीरता से पालन करें। कोई भी कोताही बरते तो उस पर कठोर कार्रवाई की जाए।

पुलिस ने कोर्ट में पेश नहीं की केस डायरी, विधायक इरफान की टली अग्रिम जमानत

– विधायक के वकील ने लगाया सियासत किये जाने का लगाया आरोप

कानपुर, (हि.स.)। सपा विधायक इरफान सोलंकी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। शुक्रवार को विधायक के वकील ने कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए दलील दी, लेकिन पुलिस ने केस डायरी कोर्ट को उपलब्ध नहीं कराई। इस पर कोर्ट ने सरकारी वकील को फटकार लगाई और कहा कि एक दिसम्बर को पूरी तैयारी करके आओ नहीं तो अग्रिम जमानत दे दी जाएगी। सपा विधायक इरफान सोलंकी और उसके भाई रिजवान सोलंकी समेत आठ अज्ञात लोगों के खिलाफ विधायक की पड़ोसी विधवा नजीर फातिमा ने सात नवम्बर को मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़िता का आरोप है कि विधायक ने प्लाट पर कब्जा करने के लिए मेरी झोपड़ी को आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने इरफान सोलंकी

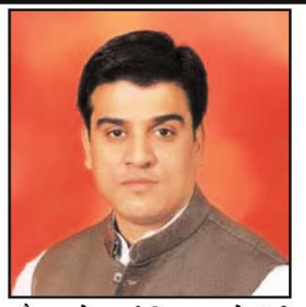

और उनके भाई रिजवान सोलंकी समेत अन्य अज्ञात पर घर में आग लगाने, रंगदारी समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। केस दर्ज होने के बाद से ही दोनों फरार चल रहे हैं। पुलिस ने बीते गुरुवार को दोनों के खिलाफ कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट भी लिया था। इसके बाद विधायक के वकील नरेश चन्द्र त्रिपाठी ने अग्रिम जमानत के लिए जिला जज संदीप जैन की कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जिला जज ने आज यानी शुक्रवार को सुनवाई के लिए तिथि सुनिश्चित की थी। आज जब सुनवाई शुरू हुई तो सरकारी वकील रविंद्र अवस्थी से केस डायरी मांगी गई। इस पर उसने कहा कि पुलिस ने केस डायरी नहीं उपलब्ध कराई, क्योंकि विवेचक शहर से बाहर हैं।

इस पर जिला जल की कोर्ट ने सरकारी वकील को फटकार लगाई और कहा कि अगली तारीख एक दिसम्बर को पूरी तैयारी करके आना। बहानेबाजी से काम नहीं चलेगा, अगर दस्तावेज नहीं उपलब्ध कराये गये तो विधायक को अग्रिम जमानत दे दी जाएगी। वहीं विधायक के वकील नरेश चन्द्र त्रिपाठी ने कोर्ट में दलील दी कि मामले में सियासत हो रही है और इसी के चलते जानबूझकर पुलिस ने केस डायरी नहीं उपलब्ध कराई।

आईआईटी के सीसीटीवी कैमरे में फिर कैद हुआ तेंदुआ, बढ़ी दहशत

– एक नवम्बर को पहली बार आईआईटी में देखा गया था तेंदुआ

कानपुर, (हि.स.)। आईआईटी, एनएसआई और ऑर्डिनेंस फैक्ट्री क्षेत्र अरमापुर में करीब एक माह से तेंदुआ चहलकदमी कर रहा है। वन विभाग की टीमें बराबर कॉम्बिंग कर रही हैं, लेकिन पकड़ में नहीं आ रहा है और बार बार ठिकाना बदल रहा है। शुक्रवार को भोर पहर आईआईटी में गर्ल्स हॉस्टल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में एक बार फिर तेंदुआ कैद हो गया। इससे आईआईटी परिसर में रह रहे लोगों में फिर से दहशत बढ़ गई और वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के हवाई पट्टी के पास पहली बार एक नवम्बर को तेंदुआ देखा गया था। इसके बाद से वह लगातार ठिकाना

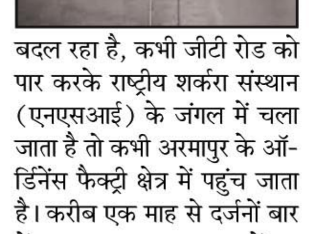

बदल रहा है, कभी जीटी रोड को पार करके राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के जंगल में चला जाता है तो कभी अरमापुर के ऑर्डिनेंस फैक्ट्री क्षेत्र में पहुंच जाता है। करीब एक माह से दर्जनों बार तेंदुआ अलग अलग जगहों पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ और वन विभाग की टीमें उसे पकड़ने के लिए बराबर प्रयासरत हैं, लेकिन वह पकड़ में नहीं आ रहा है। इधर, 10 दिन से तेंदुआ किसी भी सीसीटीवी कैमरे में कैद नहीं हुआ था, जिससे वन विभाग की टीम ने यह मान लिया था कि तेंदुआ शहर छोड़कर भाग गया होगा। इसी बीच शुक्रवार की भोर पहर आईआईटी के गर्ल्स हॉस्टल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में एक बार फिर तेंदुआ चहलकदमी करते देखा गया। इससे आईआईटी परिसर से लेकर एनएसआई और आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई और लोग अकेले घरों से निकलने में डरने लगे। डीएफओ श्रद्धा यादव ने बताया कि अगर आज को छोड़ दिया जाये तो आखिरी बार तेंदुआ 15 नवम्बर को ऑर्डिनेंस फैक्ट्री क्षेत्र में देखा गया था। आईआईटी के सीसीटीवी कैमरे में एक बार फिर तेंदुआ कैद हुआ है, इससे साफ है कि तेंदुआ अभी भी शहर में बना हुआ है। फिलहाल आईआईटी, एनएसआई और आसपास के इलाकों के लोगों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है और वन विभाग की टीमों ने कॉम्बिंग तेज कर दी है।

डिंपल यादव बोलीं, 'यह चुनाव नेताजी का है, मेरा नहीं'

– मैनपुरी उपचुनाव : डिंपल यादव ने नुक्कड़ सभाएं कर जनता से मांगा समर्थन

इटावा, (हि.स.)। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे चुनाव प्रचार की सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) उम्मीदवार डिंपल यादव जगह-जगह नुक्कड़ सभाएं और डोर-टू-डोर कैंपेनिंग कर जनता से समर्थन मांगा। मैनपुरी लोकसभा सीट से उपचुनाव मैदान में उतरी सपा उम्मीदवार डिंपल यादव जगह-जगह नुक्कड़ सभाओं में शामिल होकर जनता से वोट मांग रही हैं। शुक्रवार को उन्होंने सैफई ब्लॉक में तबाड़-तोड़ कई नुक्कड़ सभाएं कीं। डिंपल यादव ने एक के बाद एक सैफई, हैंवरा, नगला बरी, परासना, नगला सेवा,

टिमरुआ, नगला मठिया, परासना समेत पूरे सैफई ब्लॉक क्षेत्र में सभाएं कीं। डिंपल यादव ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि, यह मेरा नहीं है यह नेताजी (स्व.मुलायम सिंह यादव) का चुनाव है। आप लोगों का चुनाव है। सैफई नेताजी का घर है। मैं आप सबकी बहू हूं। आप लोग मेरे पक्ष में मतदान कर रिकॉर्ड मतों से जीत दिलवाएं। उल्लेखनीय है कि सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव लोकसभा सीट मैनपुरी से सांसद थे। उनके स्वर्गवास के बाद इस सीट पर 05 दिसम्बर को उपचुनाव है। उधर, चाचा व प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल यादव सपा प्रत्याशी व बहू डिंपल यादव के लिए चुनाव मैदान में प्रचार की कमान संभालते हुए वोट मांगने में कूद गई है। पूर्व मंत्री शिवपाल यादव जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र में गांव-गांव में जाकर डोर-टू-डोर कैंपेनिंग करने में जुट गए हैं। वह नेताजी की सीट पर भारी मतों से सपा उम्मीदवार को जीताने की अपील कर रहे हैं।

महिला हिंसा के खिलाफ महिलाओं ने रैली निकाली

वाराणसी, (हि.स.)। महिला हिंसा विरोधी पखवाड़ा में पहले दिन शुक्रवार को मिजार्मुराद नागेपुर में महिला हिंसा के खिलाफ महिलाओं ने रैली निकाली। सामाजिक संस्था लोक समिति व आशा ट्रस्ट की पहल पर गांव स्थित समिति आश्रम से अम्बेडकर पार्क तक रैली निकाल महिला हिंसा को जड़ से मिटाने का संकल्प महिलाओं ने ली। प्रधानमंत्री आदर्श गांव में रैली में शामिल महिलाओं और किशोरियों ने चुप नहीं रहना है हिंसा नहीं सहना है, बाल विवाह बंद करो, महिला हिंसा बन्द करो, दहेज प्रथा पर रोक लगाओ, यौन हिंसा पर

रोक लगाओ आदि नारे भी लगाये। समिति के संयोजक नन्दलाल मास्टर ने बताया कि घरेलू महिला हिंसा, लैंगिक भेदभाव के खिलाफ तथा महिलाओं के अधिकार और सम्मान के लिये महिला हिंसा विरोधी पखवाड़ा 25 नवम्बर से 16 दिसम्बर तक आराजी लाइन और सेवापुरी ब्लाक के 70 गांवों में मनाया जायेगा।

मनरेगा घोटाले में फरार आरोपित विशाल चौधरी पत्नी के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर धरे गए

रांची, (हि.स.)। मनरेगा घोटाले में फरार चल रहे आरोपित विशाल चौधरी पत्नी समेत विदेश भागने के फिराक में थे। इसी दौरान सुरक्षाकर्मियों ने दोनों को दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ लिया। इसके बाद इसकी सूचना ईडी को दी गई। मौके पर पहुंचे ईडी के अधिकारियों ने विशाल चौधरी को समन देकर 28 नवंबर को रांची स्थित कार्यालय में हाजिर होने का निर्देश देकर छोड़ दिया। उल्लेखनीय है कि ईडी ने मनरेगा घोटाले की जांच के दौरान विशाल के अशोक नगर स्थित घर और उसके संस्थान पर छापेमारी की थी। जानकारी के अनुसार विशाल चौधरी हर माह थाईलैंड और श्रीलंका का दौरा करते थे। विशाल चौधरी कई बार अपनी यात्रा के दौरान अपने पूरे स्टाफ को भी ले जाते थे। अपने कार्यालय के स्टाफ को ये हर तीन महीने में बदलते रहते थे। इनके कार्यालय का नाम फ्रंट लाइन ग्लोबल सर्विसेस है। इनकी दूसरी कंपनी का नाम विनायक ग्रुप ऑफ कंपनी है, जो पांच साल पहले चिटफंड का काम किया करती थी। साथ ही कोरोना काल में प्राण प्लान ग्लोबल सर्विसेस को हेल्थ विभाग से कई प्रकार के टेंडर मिले हैं, जिसका भी डॉक्यूमेंट ईडी को मिला है। कोरोना काल में बिजली वितरण के कई इंजीनियर और कुछ एजेंसियों का बकाया रकम इनके माध्यम से ही पेमेंट हुआ है। रांची के मांडर में विशाल चौधरी की 22 एकड़ जमीन के कागज भी ईडी को मिला है।

गर्ल्स हॉस्टल के छात्रावास में गैस सिलेंडर में लगी आग, लड़की झुलसी

दुमका, (हि. स.)। शहर के करहलबिल मोहल्ला स्थित एसपी कॉलेज गर्ल्स हॉस्टल संख्या -एक में छात्रा के खाना बनाने के दौरान शुक्रवार को एलपीजी के छोटे सिलेंडर में आग लग गयी। अफरातफरी की इस घटना में छात्रावास में रहने वाली एक लड़की आंशिक रूप से झुलस गई, जिसे इलाज के लिए फूलोझानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। वहीं इस घटना में हॉस्टल के एक कमरा पूरी तरह जल गया। कमो में रखे छात्राओं का सारा डॉक्यूमेंट जलकर राख हो गया।

सूचना मिलते ही एसडीओ महेश्वर महतो और नगर थाना प्रभारी नवल किशोर सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड की गाड़ी को बुलाया गया। दमकल की मदद से आग पर काबू पाया गया। करीब छात्रावास के अंदर 50 से ज्यादा ऐसे सिलेंडर रखते हुए थे, जिस पर छात्राएं खाना बनाती है।

शिक्षा मंत्री सहायक अध्यापकों की वेतन विसंगतियों को लेकर 28 को करेंगे बैठक

रांची, (हि.स.)। राज्य के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो झारखंड के विभिन्न सरकारी स्कूलों में कार्यरत सहायक अध्यापकों की वेतन विसंगति सहित अन्य मुद्दों पर 28 नवंबर को 11 बजे समीक्षा बैठक करेंगे। इस संबंध में मंत्री के आदेश पर स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सचिव, प्राथमिक शिक्षा निदेशक, माध्यमिक शिक्षा निदेशक, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक, झारखंड अधिविध परिषद के सचिव को पत्र के माध्यम से जानकारी दे दी गई है। एमडीआई भवन स्थित कार्यालय कक्ष में

आहूत बैठक में प्राध्यानाध्यापकों के पद सृजन और सहायक अध्यापकों से जुड़ी समस्याओं की समीक्षा की जाएगी। सहायक अध्यापकों से जुड़ी समस्या में वेतन विसंगति, अनुकंपा, आकलन परीक्षा, कल्याण कोष, कर्मचारी भविष्य निधि आदि विषयों पर बातचीत होगी। पत्र में संबंधित अफसरों से बैठक में वांछित प्रतिवेदन के साथ ससमय भाग लेने को कहा गया है।

शादी का झांसा देकर युवती का किया यौन शोषण, आरोपी को तलाश रही पुलिस

मोतिहारी, (हि.स.)। जिले के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र से एक युवती को शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार गांव के ही एक युवक ने युवती को पहले अपने प्रेमजाल में फंसाया और शादी का झांसा देकर पिछले पांच महीनों से उसका यौन शोषण करता रहा। लेकिन कुछ दिन बाद युवक के परिजनों ने उसका रिश्ता दूसरी जगह तय कर दिया। जिसके बाद युवती ने स्थानीय थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित युवती के अनुसार उसने युवक से जब भी शादी के लिए कही तो युवक हमेशा उसे शादी का भरोसा देता रहा लेकिन अचानक एक दिन युवक के परिजनों ने उसकी शादी किसी दूसरी लड़की से तय कर

दिया।युवती के अनुसार हम दोनो घर से भागने का भी प्लान बनाया,और घर से जब दोनों भाग रहे थे।तब युवक के परिजनों ने उसे पकड़ लिया और युवती को मारपीट कर वहां से भगा दिया और युवक को वहां से लेकर चले गए। युवती ने बताया कि वहां से जाने के बाद युवक से उसका संपर्क नहीं हो रहा है। वही पुलिस लिखित आवेदन के आधार पर जांच शुरू कर दिया है। पुलिस युवक और उसके परिजनों की तलाश कर रही है। पकड़ीदयाल थानाध्यक्ष सरफराज अहमद ने बताया कि युवती ने थाना में आवेदन दिया है। जिसमे शादी का झांसा देकर एक द्वारा यौन शोषण का आरोप लगाया है। जिसके आलोक पुलिस जांच में जुटी है।

नवादा सदर अस्पताल में मरीज को बिना देखें चिकित्सक ने किया रेफर, परिजनों में रोष

नवादा, (हि. स.)। नवादा में बेपटरी हो चुकी स्वास्थ्य व्यवस्था से मरीजों की जान पर आफत बन आई है। आलम यह है कि मरीज अस्पताल भी नहीं पहुंचता है और उसे रेफर कर दिया जाता है। शुक्रवार को कुछ ऐसा ही देखने को मिला। शहर के गढ़ पर मोहल्ला के शिवशंकर प्रसाद के पुत्र प्रिंस को ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने बिना देखे ही उसे रेफर कर दिया। हद तो यह कि मरीज अस्पताल भी नहीं पहुंचा था। वह रास्ते में ही था। एम्बुलेंस नहीं मिलने के कारण परिजन उसे ठेले पर लेकर अस्पताल जा रहे थे। लेकिन उसके अस्पताल पहुंचते - पहुंचते डॉक्टर ने विम्स पावापुरी के लिए रेफर कर दिया। दरअसल मरीज के पिता पहले ही अस्पताल पहुंच गए थे। उन्होंने पर्ची कटवाई और बीमार बेटे के अस्पताल पहुंचने से पहले डॉक्टर के पास जाकर समस्या बताई। मर्ज सुनते ही चिकित्सक ने पर्ची ली और उसे रेफर कर दिया, जबकि मरीज ने अस्पताल में कदम भी नहीं रखा

था। प्रिंस को सुबह से ही तबीयत खराब थी। उसे बुखार लगा था और उसे मिर्गी की भी शिकायत थी। तब कहीं परिजनों ने उसे सदर अस्पताल लाया था। उस समय चिकित्सक ने बुखार की दवा दी थी और घर भेज दिया था। चिकित्सक द्वारा बिना देखे मरीज को पावापुरी भेज दिए जाने के मामले को लेकर आम नागरिकों में रोष देखा जा रहा है। सच्चाई है कि सदर अस्पताल में तैनात चिकित्सक अस्पताल में मरीजों की सेवा नहीं करना चाहते हैं। अगर वही उनके निजी क्लीनिक पहुंच जाए तो मोटी रकम लेकर उनकी देखभाल सही तरीके से करते हैं ।सबसे दुखद बात तो यह है कि सदर अस्पताल चिकित्सकों के निकम्मापन के कारण एक तरह से मौत का कुआं बनकर रह गया।

जन्म लेने में स्त्री और पुरुष का साथ जरूरी, तो अन्य कार्यों में क्यों नहीं : डॉ. सुधा झा

बेगूसराय, (हि.स.)। महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर शुक्रवार को गंगा ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज बेगूसराय के परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए संस्थान की प्राचार्य डॉ. सुधा झा ने कहा कि लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने और महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार की हिंसा को रोकने के लिए कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जन्म लेने में स्त्री और पुरुष दोनों का साथ जरूरी है तो फिर विकास एवं अन्य कार्यों में दोनों का साथ क्यों नहीं। कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम के प्रावधानों के प्रति जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कार्यक्रम संयोजक प्रो. सबाहत अंजुम ने पीपीटी के माध्यम से इससे संबंधित सभी एक्ट के संबंध में विस्तार से बताया और प्रस्तुत किया। डॉ. अभिजीत कुमार एवं प्रो. आदिया ने कहा कि हमें स्वयं भी जागरूक करने की जरूरत है।

शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसरों तक बेहतर पहुंच के साथ, लाखों भारतीय महिलाएं देश के कार्यबल में प्रवेश कर रही हैं। यह महत्वपूर्ण है कि संस्थान महिलाओं को एक सुरक्षित और सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करने के संबंध में एआईसीटीई, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने आज से दस दिसम्बर तक महिला पखवाड़ा मनाने का निर्णय लिया है। वक्ताओं ने कहा कि अधिनियम-2013 के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक या निजी और संगठित या असंगठित क्षेत्रों में प्रत्येक नियोक्ता की जिम्मेदारी है। नियोक्ताओं को अपने कर्मचारियों के लिए समय-समय पर अधिनियम के प्रावधानों और महिलाओं की गरिमा को बनाए रखने और लैंगिक रूढ़िवादिता को समाप्त करने की आवश्यकता के बारे में जागरूक करने के लिए संवेदीकरण कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए भी अनिवार्य किया गया है। जिससे कि अधिक से अधिक महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान एमबीए की प्रशिक्षु दामिनी कुमारी ने नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. गोपाल कुमार, प्रो. राजीव कुमार, प्रो. विक्रमादित्य, डॉ. नीरज कुमार, प्रो. पुष्प गौतम, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. सुधांशु शेखर तथा प्रिंस कुमार सहित अन्य उपस्थित थे। इस अवसर पर हस्ताक्षर अभियान भी शुरू किया गया है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. परवेज यूसुफ ने किया।

संपादकीय

भ्रम के पहाड़

जो सत्ता में होता है, उसकी कमियां गिनाना विपक्ष के लिए आसान होता है और उसके पास मुद्दे भी कई होते हैं। मगर सत्तापक्ष को विपक्ष की कमजोरियों पर अंगुली रखने के लिए उसी के दांव से पटखनी देने की जुगत भिड़ानी पड़ती है। दिल्ली में नगर निगम के चुनाव घोषित हो चुके हैं। यहां मुख्य रूप से भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच चुनावी कुश्ती होनी है। भाजपा एमसीडी की बागडोर संभाले हुई है, तो आम आदमी पार्टी विधानसभा की। यानी एक तरह से दोनों सत्ता में भी हैं और विपक्ष में भी। चूंकि चुनाव नगर निगम का होना है, इसलिए आम आदमी पार्टी ने प्रमुख मुद्दा उसी के कामकाज को बनाया है। चुनाव प्रचार की शुरुआत ही आप के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कूड़े के पहाड़ से की। अब उनकी पार्टी कूड़े के मसले पर जनसंवाद करने जा रही है। दिल्ली में वर्षों से कूड़े के पहाड़ खड़े हैं, एकाध की ऊंचाई तो कुतुब मीनार से भी अधिक बताई जाती है। मगर विचित्र है कि वे इस बार के नगर निगम चुनाव में मुद्दा बन रहे हैं। आम आदमी पार्टी के मुद्दे में सुई चुभोने के लिए भाजपा ने यमुना की गंदगी और पर्यावरण प्रदूषण को मुद्दा बना लिया है। एक कचरे के पहाड़ की बात करता है, तो दूसरा हवा में फैली गंदगी का सवाल उठा देता है। ये सारे मुद्दे आज के नहीं हैं। यह भी सब जानते हैं कि बेशक दिल्ली में इन समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी अलग-अलग महकमों की है, पर सच्चाई यह भी है कि इनका समाधान केवल एक के वश की बात नहीं है। मगर यहां दोनों पार्टियां साल भर बस एक दूसरे के काम में टांग अड़ाने में लगी रहती हैं। एक दूसरे के सिर ठीकरा फोड़ कर अपना कर्तव्य पूरा मान लेती रही हैं। बल्कि कई बार तो लगता है कि वे इस कोशिश में रहती हैं कि कैसे दूसरे के हिस्से की समस्या बढ़े और वे उस पर दोषारोपण कर जनता में वाहवाही लूट सकें। जब केंद्र, राज्य और स्थानीय निकायों के कामकाज राजनीतिक नफे-नुकसान नजर से किए जाने लगते हैं, तो समस्याओं के पहाड़ इसी तरह सिर उठाते हैं। फिर राजनीतिक दल भ्रम के पहाड़ खड़ा कर लोगों को भरमाने की कोशिश करते देखे जाते हैं। ये बातें किसी भी दल से छिपी नहीं हैं कि चाहे वह कचरे के निस्तारण में नाकामी हो, हवा में घुलते-बढ़ते जहरीले रसायनों का स्तर हो या फिर यमुना के पानी में गिरते विषैले नाले, इनका दुष्प्रभाव आखिरकार आम लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। इन कचरे के पहाड़ों के कई किलोमीटर के दायरे में बसी बस्तियों में रहने वालों को हर वक्त कितने तरह के विषाणुओं का प्रकोप सहना पड़ता है, जहरीली हवा में सांस लेना किस कदर लोगों को मुश्किल हो चुका है, यमुना का विषैला पानी कैसे लोगों के जीवन पर दुष्प्रभाव डाल रहा है, ये बातें किसी से छिपी नहीं हैं। इसी आबो-हवा में तमाम राजनीतिक दलों के लोगों को भी सांस लेनी पड़ती है। फिर भी मिलजुल कर इसके समाधान की कोशिश कभी नहीं की जाती। चुनाव के समय भले इन समस्याओं के जरिए वोट खींचने का प्रयास किया जा रहा है, पर चुनाव के बाद ये समस्याएं वाकई समाप्त हो जाएंगी, इसका दावा कोई नहीं कर सकता।

एक दूसरे के सिर ठीकरा फोड़ कर अपना कर्तव्य पूरा मान लेती रही हैं। बल्कि कई बार तो लगता है कि वे इस कोशिश में रहती हैं कि कैसे दूसरे के हिस्से की समस्या बढ़े और वे उस पर दोषारोपण कर जनता में वाहवाही लूट सकें। जब केंद्र, राज्य और स्थानीय निकायों के कामकाज राजनीतिक नफे-नुकसान नजर से किए जाने लगते हैं, तो समस्याओं के पहाड़ इसी तरह सिर उठाते हैं। फिर राजनीतिक दल भ्रम के पहाड़ खड़ा कर लोगों को भरमाने की कोशिश करते देखे जाते हैं। ये बातें किसी भी दल से छिपी नहीं हैं कि चाहे वह कचरे के निस्तारण में नाकामी हो, हवा में घुलते-बढ़ते जहरीले रसायनों का स्तर हो या फिर यमुना के पानी में गिरते विषैले नाले, इनका दुष्प्रभाव आखिरकार आम लोगों की सेहत पर पड़ रहा है।

कुछ अलग

वर्चस्व का दुरुपयोग

डिजिटल तकनीक द्वारा विभिन्न सेवाएं देने के कारोबार में जिन कंपनियों का बोलबाला है, वे विभिन्न हथकंडे अपनाकर प्रतिस्पर्धा को कुंद करने का प्रयास करती रहती हैं। इससे अन्य कंपनियों को नुकसान तो होता ही है, कारोबारी गतिविधियों में अवरोध भी पैदा होता है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने ऐसे रवैये के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए गूगल, मेक माई ट्रिप और ओयो जैसी बड़ी कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाया है। एक सप्ताह के भीतर गूगल पर दो चरणों में 2,274 करोड़ रुपये का अर्थदंड लगाया गया है, वहीं मेक माई ट्रिप और ओयो को क्रमशः 223 और 169 करोड़ रुपये बतौर जुर्माना भरने को कहा गया है। प्रतिस्पर्धा आयोग का मुख्य काम यह सुनिश्चित करना है कि सभी कारोबारियों और कंपनियों को आपस में प्रतिस्पर्धा करने के लिए समान अवसर मिले। गूगल दुनिया की सबसे बड़ी तकनीकी कंपनी है। इसके उत्पादों के बिना इंटरनेट सेवाओं की कल्पना करना आज असंभव सा है। भारत समेत दुनियाभर में अधिकतर लोग एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम का इस्तेमाल करते हैं, जिसका स्वामित्व गूगल के पास है। इस सिस्टम के लिए विभिन्न प्रकार के एप प्ले स्टोर से ही लिये जा सकते हैं, जिसका नियंत्रण भी गूगल के पास है। गूगल प्ले स्टोर पर मुहैया कराने के लिए एप बनाने वालों को मजबूर करता है कि उन्हें गूगल प्ले के बिलिंग सिस्टम का ही इस्तेमाल करना होगा। उस एप की और उसके जरिये होने वाली हर खरीद-बिक्री गूगल प्ले के बिलिंग सिस्टम से ही की जा सकती है। एप बनाने वाले ग्राहकों को एप से बाहर किसी डिजिटल वस्तु खरीदने के लिए उत्साहित नहीं कर सकते और न ही उस एप में कोई ऐसी लिंक डाल सकते हैं, जिसके सहारे अन्य वेबसाइट पर खरीद-बिक्री हो सके। कोई एप डेवलपर अगर शर्तों को नहीं मानेगा, तो वह डिजिटल बाजार के बड़े हिस्से से बाहर चला जायेगा और उसका कारोबार घाटे का सौदा बन जायेगा। प्रतिस्पर्धा आयोग ने इस व्यवस्था को वर्चस्व का दुरुपयोग और कारोबार विरोधी रवैया माना है। गूगल की ओर से जो तर्क दिये जा रहे हैं, उन्हें निराधार पाया गया है। इसी तरह मेक माई ट्रिप और ओयो ने आपसी गठजोड़ बनाकर होटल सेवा मुहैया कराने वाली अन्य कंपनियों को अपनी दरें घटाने तथा किसी अन्य वेबसाइट पर अपेक्षाकृत सस्ती दरें नहीं दिखाने के लिए मजबूर किया है। मेक माई ट्रिप यात्रा सेवाओं से संबंधित शीर्षस्थ कंपनियों में है। उसने अन्य होटल कंपनियों के सामने ऐसी शर्तें रखी, जिनसे ओयो होटल को लाभ हुआ। अनेक देशों में बड़ी टेक कंपनियों पर ऐसी कार्रवाई हुई है। उम्मीद है कि प्रतिस्पर्द्धा आयोग की कड़ाई से डिजिटल बाजार को ठोस संदेश मिलेगा।

एक सप्ताह के भीतर गूगल पर दो चरणों में 2,274 करोड़ रुपये का अर्थदंड लगाया गया है, वहीं मेक माई ट्रिप और ओयो को क्रमश : 223 और 169 करोड़ रुपये बतौर जुर्माना भरने को कहा गया है। प्रतिस्पर्धा आयोग का मुख्य काम यह सुनिश्चित करना है कि सभी कारोबारियों और कंपनियों को आपस में प्रतिस्पर्धा करने के लिए समान अवसर मिले। गूगल दुनिया की सबसे बड़ी तकनीकी कंपनी है। इसके उत्पादों के बिना इंटरनेट सेवाओं की कल्पना करना आज असंभव सा है। एक सप्ताह के भीतर गूगल पर दो चरणों में 2,274 करोड़ रुपये का अर्थदंड लगाया गया है, वहीं मेक माई ट्रिप और ओयो को क्रमश : 223 और 169 करोड़ रुपये बतौर जुर्माना भरने को कहा गया है। प्रतिस्पर्धा आयोग का मुख्य काम यह सुनिश्चित करना है कि सभी कारोबारियों और कंपनियों को आपस में प्रतिस्पर्धा करने के लिए समान अवसर मिले।

लड़कियों के माता पिता को कुछ हजार रकम देकर चोरी छिपे शादी की रस्म अदायगी होती है

शादी के नाम पर बिकती लड़कियां

नीति आयोग की 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट कहती है कि बिहार की 51 ।91फीसदी यानी आधी से ज्यादा आबादी मल्टी पावर्टी इंडेक्स (एमपीआई) की जद में है। यह देश में सबसे अधिक है। वहीं बिहार इकोनामिक सर्वे 2021-22 में राज्य के अंदर जो विषमताएं हैं उसके मुताबिक सीमांचल के अररिया और किशनगंज ज़िलों की हालत सबसे बदतर है। इस गरीबी से उभरने की ज्यादातर 'असफल' कोशिश में मां-बाप अपनी बेटियों को कुछ हजार रुपये लेकर शादी के नाम पर बेच देते हैं।

शादी के नाम पर पहले बेची गई और फिर कुछ महीनों बाद ही पति के हाथों ही जिस्मफरोशी के दलदल में धकेल दी गई 26 साल की राधा (बदला हुआ नाम) को अपनी 9 साल की बच्ची के जैविक पिता के बारे में नहीं मालूम। अररिया (बिहार का एक अति पिछड़ा जिला) से तकरीबन 1200 किलोमीटर दूर आगरा के एक नामालूम कोठे पर चंद रूपए की लालच में उसके पति मुकेश शर्मा ने ही बेचा था। मुकेश उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। उसने पहले राधा को शादी के नाम पर खरीदा और फिर कोठे पर बेच दिया। खेत मजदूर पार्वती देवी की मंझली बेटी राधा बताती है, "जब मैं आठवीं में पढ़ती थी, उसी समय पिता की मृत्यु हो गई थी। एक दिन पांच लोग गाड़ी से हमारे घर आए और बगल वाले मंदिर में मेरी शादी हो गई। उसी रात वो मुझे अपने साथ ले गए। शादी के 6 महीना तक ठीक से रखा, लेकिन फिर मारपीट का सिलसिला शुरू हो गया और फिर एक दिन उसने मुझे आगरा के किसी कोठे पर बेच दिया"। राधा यहां एक साल तक रही। इसके बाद वो एक चाय बनाने वाली किसी बूढ़ी दादी की मदद से भाग कर मां के पास अररिया आ गई। वह बताती है, "घर का पता पूछते पूछते और भीख मांग कर किसी तरह मां के घर आ गई। यहां आने पर पता चला कि मैं दो महीने की प्रेग्नेंट हूं। वह कहती है कि मैंने अपनी बच्ची को पेट में मारा नहीं। अब मैं एक छोटे से दुकान से कुछ कमाई करके अपनी बच्ची को पढ़ाती हूं। लेकिन मेरे भाई भाभी मुझे पीटते हैं और घर छोड़कर जाने को कहते हैं।" खुद को मोहल्ले के 'शोहदों' से बचाने के लिए सिंदूर लगाने वाली राधा अब 40 वर्ष की हो चुकी है। राधा के साथ जो गुजरा, उसे अकादमिक भाषा में 'ब्राइड ट्रैफिकिंग' कहते हैं, जबकि स्थानीय लोग इसे 'दलाल वाली शादी' कहते हैं। ब्राइड ट्रैफिकिंग यानी शादी के नाम पर तस्करी। भारत के उत्तर पूर्व राज्य बिहार में ब्राइड ट्रैफिकिंग यानी झूठी शादी के मामले आम हैं। खासतौर पर पश्चिम बंगाल से सटे सीमांचल के ज़िलों यानी किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया के ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे किस्से आम हैं। जहां लगभग हर साल बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के चलते गरीबी का कभी ना टूटने वाला दुष्चक्र लोगों की जिंदगी में रचा बसा है। नीति आयोग की 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट कहती है कि बिहार की 51.91फीसदी यानी आधी से ज्यादा आबादी मल्टी पावर्टी इंडेक्स (एमपीआई) की जद में है। यह देश में सबसे अधिक है। वहीं बिहार इकोनामिक सर्वे 2021-22 में राज्य के अंदर जो विषमताएं हैं उसके मुताबिक सीमांचल के अररिया और किशनगंज ज़िलों की हालत सबसे बदतर है। इस गरीबी से उभरने की ज्यादातर 'असफल' कोशिश में मां-बाप अपनी बेटियों को कुछ हजार रुपये लेकर शादी के नाम पर बेच देते हैं। कभी ये सौदा पांच हजार का तो कभी तीस चालीस हजार तक भी पहुंच जाता है। बीते दो दशक से 'भूमिका विहार' नाम की संस्था इस इलाके में ब्राइड ट्रैफिकिंग को रोकने की दिशा में काम कर रही है। इस संबंध में संस्था की प्रमुख शिल्पी सिंह बताती हैं कि, "ऐसे मामलों में अधिकतर जान पहचान या करीबी रिश्तेदार ही दलाली करते हैं। ऐसे लोग अपने इलाके में आर्थिक तौर पर कमजोर परिवारों पर नजर रखते हैं और परिवार के मुश्किल में आने पर ये लोग बच्चियों के माता-पिता या किसी रिश्तेदार को पैसे का लालच देकर दूसरे राज्य के किसी पुरुष से शादी करा देते हैं। लड़कियों के माता पिता को कुछ हजार रकम देकर चोरी छिपे शादी की रस्म अदायगी होती है।" इन शादियों का कोई सार्वजनिक उत्सव नहीं होता है। ज्यादातर मां बाप या रिश्तेदार भी इस बात को नहीं जानते कि उनकी बेटी की शादी कहां हो रही है? साल 2016-17 में संस्था ने अररिया और कटिहार में दस हजार परिवारों के सर्वे में 142 मामले ऐसे पाए थे। इसमें सबसे ज्यादा शादियां उत्तर प्रदेश में और फिर हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब में हुई थी। इन शादियों में कुछ खुशकिस्मत लड़कियां भागकर वापस अपने मायके आ गईं तो कुछ पर 'लापता' का ठप्पा लग जाता है। 35 साल की श्यामा (बदला हुआ नाम) उन्हीं खुशकिस्मत लड़कियों की श्रेणी में आती है। वो अपने तीन बच्चों को लेकर मायके वापस भाग आई है।लेकिन उसकी इस 'खुशकिस्मती' में भी बहुत मुश्किल और थका देने वाली जिंदगी शामिल है। उसे रोज़ सुबह 7 बजे से ही खेत पर मजदूरी करने पहुंचना होता है।खेतों में थका देने वाली मजदूरी के बाद शाम ढलते ढलते उसका ठिकाना अपने गांव का चौक बाजार होता है, जहां वह सब्जी बेचती है। इसी के सहारे वह अपने बच्चों को पाल रही है। श्यामा को पंजाब में मजदूरी करने गए उसके सगे भाईयों सुरेन्द्र और वीरेन्द्र ने ही बीस हजार रुपए में बेच दिया था। श्यामा बताती है, "मेरे भाई शादी में नहीं आए थे। मां के सामने कुछ लोग शादी करके पंजाब ले गए। पति ने मुझे एक घर में रखा और कुछ दिनों बाद ही दूसरे मर्दों के साथ संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। मैं इससे इंकार करती तो दारू पीकर पीटता था। तीन साल किसी तरह जीवन गुज़ारा और फिर वहां से बच्चों को लेकर भाग आई। रेल में बेटिकट होने पर पुलिस ने पकड़ा भी था। लेकिन हैवान पति के पास रहने से जेल अच्छा था।" राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े देखें तो साल 2021 में बिहार में मानव तस्करी के 111 मामले दर्ज हुए जो 2020 में 75 थे। वही राष्ट्रीय स्तर पर 2021 में 2,189 मामले दर्ज हुए थे जो 2020 में 1714 थे। उत्तर प्रदेश जहां बिहार से ब्राइड टैफिकिंग व्यापक पैमाने पर हो रही है, उसके बाल संरक्षण आयोग की सदस्य सुचिता चतुर्वेदी कहती हैं, "जब कभी ट्रैफिकिंग के शिकार बच्चे पकड़े जाते हैं तो उसमें बिहार के बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा होती है। शिक्षा, शादी आदि के नाम पर ये लाए जाते हैं।

क्या नई सरकार खेल विभाग की सुध लेगी

विभाग के गठन के चार दशक बाद भी अभी तक हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षकों के भर्ती व पदोन्नति नियमों को अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग में निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कनिष्ठ प्रशिक्षकों व युवा संयोजकों के पद सृजित हैं। इस विभाग का कार्य प्रदेश में युवा गतिविधियों व खेलों का विकास करना है। हिमाचल प्रदेश में यह विभाग खेल प्रशिक्षण, खेलों के लिए आधारभूत ढांचा व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता होने पर नगद पुरस्कार व अवार्ड देने के लिए बनाया गया है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग का निदेशक प्रशासनिक सेवा से ही अधिकतर नियुक्त होता रहा है, केवल विशेष परिस्थितियों में ही आज तक दो बार ही विभागीय अधिकारी निदेशक पद तक पहुंच पाये हैं। उपनिदेशक और कभी कभी संयुक्त निदेशक पद तक विभाग के प्रशिक्षक व युवा संयोजक पदोन्नत होकर पहुंच जाते हैं।

पिछली सरकार के पूरे कार्यकाल में सुनते रहे कि सरकार नयी खेल नीति बना कर हिमाचल प्रदेश की खेलों को बहुत ऊंचाई देगी, मगर पांच साल में केवल खेल नीति ही कागजों तक आई। दशकों से हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षकों से अन्याय हो रहा है। कहा गया कि प्रशिक्षक कैडर के भर्ती व पदोन्नति नियमों में सुधार कर लिया है मगर अभी तक जूनियर प्रशिक्षक का स्केल और काम जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी का लिया जा रहा है। इस विषय पर इस कालम के माध्यम से बार बार सरकार को चेताया कि राज्य में प्रशिक्षकों का स्तर ऊंचा किये बिना खेलों में उत्कृष्टता हासिल नहीं की जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी करोड़ों लोगों में स्वयं व अपने देश को पदक जीत कर सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करता है तो उसके पीछे जहाँ उस दृढ़ संकल्प, लगातार कठोर परिश्रम व अपनों की सहायता व दुआएं होती हैं, वहीं पर एक प्रशिक्षक की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। इसीलिए अलग से राज्यों में खेल विभागों का गठन हुआ है। 1982 के एशियाड के बाद हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी प्रदेश में हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग का गठन किया। विभाग के गठन के चार दशक बाद भी अभी तक हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षकों के भर्ती व पदोन्नति नियमों को अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग में निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कनिष्ठ प्रशिक्षकों व युवा संयोजकों के पद सृजित हैं। इस विभाग का कार्य प्रदेश में युवा गतिविधियों व खेलों का विकास करना है। हिमाचल प्रदेश में यह विभाग खेल प्रशिक्षण, खेलों के लिए आधारभूत ढांचा व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता होने पर नगद पुरस्कार व अवार्ड देने के लिए बनाया गया है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग का निदेशक प्रशासनिक सेवा से ही अधिकतर नियुक्त होता रहा है, केवल विशेष परिस्थितियों में ही आज तक दो बार ही विभागीय अधिकारी निदेशक पद तक पहुंच पाये हैं। उपनिदेशक और कभी कभी संयुक्त निदेशक पद तक विभाग के प्रशिक्षक व युवा संयोजक पदोन्नत होकर पहुंच जाते हैं। इन विभागीय अधिकारियों को अधिक तकनीकी जानकारी होती है। आजकल हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के पास कोई भी उपनिदेशक नहीं है। वरिष्ठ जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी को उपनिदेशक के पद पर बिठा कर काम चलाया जा रहा है। नियमित जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी भी केवल चार ही जिलों में थे। अभी कुछ नियुक्तियां हुई हैं। राज्य के शेष जिलों में कामचलाऊ अधिकारी बिठा रखे हैं। सरकार को चाहिए कि जल्दी ही उपनिदेशक के पद पर नियमित पदोन्नति की जाए तथा जिलों में भी नियमित अधिकारी हों। इस समय जो प्रशिक्षक जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी के पद पर तदर्थ कार्य कर रहे हैं उन्हें एकमुश्त नियमों में छूट देकर नियमित अधिकारी बना दिया जाए। इस विषय पर पहले भी इस कालम के माध्यम से लिखा जा चुका है मगर लगता है कि सरकार के लिए युवा शक्ति व खेल प्राथमिकता पर नहीं हैं। विभाग में नाम मात्र के प्रशिक्षक हैं। अधिकतर खेलों में तो एक भी प्रशिक्षक पूरे जिले के लिए उपलब्ध नहीं है। विभाग में जो प्रशिक्षक नियुक्त हैं उन्हें कनिष्ठ प्रशिक्षक के पद पर नियुक्ति मिली है। उसके बाद वे सेवानिवृत्ति तक भी प्रशिक्षक नहीं बन पाये हैं। विभाग में नियुक्त प्रशिक्षकों को जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी पद पर पदोन्नति के लिए केवल 25 प्रतिशत ही कोटा है। 50 प्रतिशत युवा संयोजक व 25 प्रतिशत पद हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से भरे जाते हैं। प्रशिक्षक बनने की योग्यता बहुत कठिन है। स्नातक डिग्री के साथ जो प्रतिभागी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हो या तीन बार वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया हुआ हो या शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर डिग्री के साथ अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में खेला हो, उसके बाद राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान में प्रवेश परीक्षा पास कर एक वर्ष के कठिन प्रशिक्षण व शिक्षण के बाद प्रशिक्षक बनता है। सेवा नियमों में एक समय एमपीएड के साथ कंडेंस कोर्स जो छह माह का होता था, उसे पास किया हुआ प्रशिक्षक के पद के लिए योग्य था, मगर अब ऐसा कोई नियम नहीं है। हिमाचल प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह प्रदेश में नियुक्त कनिष्ठ प्रशिक्षकों को पांच साल के बाद प्रशिक्षक के पद पर पदोन्नत कर 50 प्रतिशत कोटा जिला अधिकारी पद पर पदोन्नति के लिए दिया जाए, क्योंकि प्रशिक्षकों की संख्या बहुत अधिक है। अगर हर खेल में जिला स्तर पर पांच प्रशिक्षक भी हों तो प्रशिक्षकों की संख्या सौ से भी अधिक जा सकती है। इसके मुकाबले बारह जिलों में बारह ही युवा संयोजक नियुक्त हैं। इस तरह देखा जाए तो यह प्रशिक्षकों के साथ बहुत अन्याय है। प्रदेश में विभिन्न खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड तो बन कर तैयार हैं मगर उनका न तो सही रखरखाव है और न ही उन पर उस स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम हो रहा है। सरकार को चाहिए कि वहां पर उन खेलों में उच्च प्रदर्शन करवाने वाली खेल अकादमियां स्थापित की जाएं। हिमाचल प्रदेश में युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के दो खेल छात्रावास बिलासपुर व ऊना में कुछ चुनिंदा खेलों के लिए कामचलाऊ प्रशिक्षण प्रबंध तो है, मगर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों की कमी व प्रबंधन में अव्यवस्था साफ देखी जा सकती है। उत्कृष्ट खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षक बहुत कम हैं क्योंकि विभाग में प्रशिक्षकों की अनदेखी जिसमें बहुत कम ग्रेड पे व दशकों से कनिष्ठ पद पद पर कार्यरत रहने के कारण राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान से प्रशिक्षित प्रशिक्षक खेल विभाग में प्रशिक्षक बनने से अधिक शिक्षा विभाग में प्राध्यापक या डीपीई बनने को अधिमान देते हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए प्रशिक्षकों व खिलाडियों के लिए एक अच्छी प्रबंधन टीम की अहम भूमिका है। सही प्रबंधन मिले, इसके लिए नियमित जिला खेल अधिकारियों, उपनिदेशकों, प्रशिक्षकों, अन्य अधिकारियों की नियुक्ति बेहद जरूरी है। खिलाड़ी को तैयार करने में प्रशिक्षक की भूमिका जब बेहद जरूरी है तो फिर हम उसे सामाजिक व आर्थिक रूप से निश्चिंत कर शारीरिक व मानसिक पूरी तरह अपने प्रशिक्षण पर केन्द्रित क्यों नहीं होने देते। इसलिए राज्य के युवा सेवाएं एवं खेल विभाग में प्रशिक्षकों के साथ न्याय करने के लिए इनके भर्ती व पदोन्नति नियमों में संख्या अनुपात में संशोधन करना बहुत जरूरी है। अब आने वाली नई सरकार को चाहिए कि प्रशिक्षक कैडर को जल्दी न्याय दे।

देश दुनीया से

दूध की सूखती धार

दूध पौष्टिकता का प्रतीक है। दूध देवताओं को प्रिय है। दूध अमृत है। दूध शाकाहारियों के लिए प्राथमिक प्रोटीन का स्रोत है। दूध विटामिन डी का एक दुर्लभ खाद्य स्रोत भी है। पुराणों में दूध की तुलना अमृत से की गई हैं, जो शरीर को स्वस्थ और मजबूत बनाने के साथ-साथ कई सारी बीमारियों से बचाता है। अथर्ववेद में लिखा है कि दूध एक सम्पूर्ण भोज्य पदार्थ है। इसमें मनुष्य शरीर के लिए आवश्यक वे सभी तत्व हैं जिनकी हमारे शरीर को आवश्यकता होती है। दूध की शुद्धता अच्छे स्वास्थ्य की निशानी है। विश्व में भारत दुग्ध उत्पादन में अग्रणी देश है। भारत को सदियों से दूध दही का देश कहा जाता रहा है। पंजाब और हरियाणा दुग्ध उत्पादन में हमेशा आगे रहे हैं। एक प्रचलित कहावत है कि जहां दूध दही का खाना वो है हमारा हरियाणा। अब खपत को पूरा करने के लिए इसी दूध में जहर को घोला जा रहा है। मिलावटी दूध हमारे स्वास्थ्य और जीवन को नरक में धकेल रहा है। दूध में मिलावट का सबसे बड़ा कारण देश में दूध की धार का सूखना है। देश में सबसे ज्यादा डेयरियां हैं फिर भी अब दूध की कमी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2020-21 में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जनपद में कुल 671.919 टन दुग्ध का उत्पादन हुआ था। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में वर्ष 2022 में दूध का अनुमानित उत्पादन 800 टन (7 लाख 76 हज़ार 699 लीटर) के आस पास है। वर्ष 2022 में प्रयागराज की अनुमानित जनसँख्या लगभग 69 लाख है। जबकि दूध की प्रतिव्यक्ति खपत लगभग 500 मिलीलीटर है। कहने का तात्पर्य 7 लाख लीटर दूध 14 लाख की जनसंख्या की खपत को ही पूरा कर सकता है न की 69 लाख की जनसँख्या की खपत को पूरा करेगा। प्रयागराज शहर में दुग्ध उत्पादन से खपत 5 गुना ज्यादा है। ये खपत कैसे पूरी हो रही है इसकी जांच होनी चाहिए। जाहिर है कि ये खपत दूध की धार में सफ़ेद जहर मिलाकर पूरी की जा रही है। भारत में दूध का उत्पादन 20 करोड़ लीटर लेकिन खपत 70 करोड़ लीटर है। इससे साबित होता है की दूध में मिलावट बड़े पैमाने पर हो रही है। देश में मिलावटी दूध से खपत को पूरा किया जा रहा है। दक्षिणी राज्यों के मुकाबले उत्तरी राज्यों में दूध में मिलावट के ज्यादा मामले सामने आए हैं। हद तो तब हो गई जब भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ एस एस ए आई) ने दुग्ध उद्योगों को मेलामाइन मिलाने की अनुमति दे दी। जिसके अनुसार सूखे दूध का इन्फेंट फार्मूला (शिशु दूध) बनाने वाली कोई भी कंपनी 1 किलोग्राम सूखे दूध में 1 मिली ग्राम मेलामाइन मिला सकती है। लिक्विड इन्फेंट फार्मूला जैसे कि लिक्विड मिल्क (तरल दूध) में यह 0.15 मिली ग्राम/ लीटर और अन्य खाद्य पदार्थो में 2.5 मिली ग्राम/किलोग्राम के हिसाब से मेलामाइन नाम का जहर मिलाने की खुली छूट है। मेलामाइन एक कार्बन आधारित रसायन होता है, जिसे दूध और डेयरी उत्पादों में मिलावट करने के लिये प्रयोग किया जाता है। उल्लेखनीय है कि दूध और डेयरी उत्पादों में मेलामाइन की मिलावट करने से गुर्दे संबंधी बीमारियाँ हो सकती हैं और गुर्दा पूर्णतः खराब भी हो सकता है। कई बार दूध के व्यापारी दूध की मात्रा को बढ़ाने के उद्देश्य से उसमें पानी मिला देते हैं, जिससे दूध में प्रोटीन की मात्रा काफी कम हो जाती है। इस प्रोटीन की मात्रा को संतुलित करने के लिये दूध व्यापारियों द्वारा दूध में मेलामाइन मिलाया जाता है। व्यापक तौर पर मेलामाइन का प्रयोग प्लास्टिक, गोंद, काउंटरटॉप्स और व्हाइटबोर्ड आदि बनाने के लिये किया किया जाता है। अभी हाल की घटना है एक व्यक्ति ने अमूल के पैकेट वाले दूध को उबालने के बाद प्लास्टिक के रूप में मलाई को पाया। ये मेलामाइन ही है। केंद्र सरकार को मेलामाइन पर पूर्णतः प्रतिबन्ध लगा देना चाहिए। अतएव हम कह सकते हैं कि दूध अब जहर बनता जा रहा है। लोग भौतिकता में इतना बह गए हैं कि अमृत को भी जहर बना डाला है। दूध में मिलावट को लेकर कुछ साल पहले देश में एक सर्वे हुआ था। इसमें पाया गया कि दूध को पैक करते वक्त सफाई और स्वच्छता दोनों से खिलवाड़ किया जाता है। दूध में डिटर्जेंट की सीधे तौर पर मिलावट पाई गई। यह मिलावट सीधे तौर पर लोगों की सेहत के लिए खतरा साबित हुई।

भारत को सदियों से दूध दही का देश कहा जाता रहा है। पंजाब और हरियाणा दुग्ध उत्पादन में हमेशा आगे रहे हैं। एक प्रचलित कहावत है कि जहां दूध दही का खाना वो है हमारा हरियाणा। अब खपत को पूरा करने के लिए इसी दूध में जहर को घोला जा रहा है। मिलावटी दूध हमारे स्वास्थ्य और जीवन को नरक में धकेल रहा है। दूध में मिलावट का सबसे बड़ा कारण देश में दूध की धार का सूखना है। देश में सबसे ज्यादा डेयरियां हैं फिर भी अब दूध की कमी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2020-21 में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जनपद में कुल 671.919 टन दुग्ध का उत्पादन हुआ था।

नागरिक बोध

चुनावो में भाजपा को मिल रहे बहुमत मुख्य रूप से हिन्दू भावनाओं की अभिव्यक्ति

गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनाव में हिमाचल प्रदेश का परिणाम मशीनों में कैद है। उसके पहले चार राज्यो में चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने विजय पताका फहराई थी। गुजरात का चुनाव आगामी दिनों में होना है। मीडिया और कई पार्टियो ने यह मान लिया है कि जनता की कोई गहरी और स्थायी भावनाएं नही है। अगर कुछ है, तो वह रोटी, कपड़ा और मकान तक ही समिति है। किसी सांस्कृतिक या सामाजिक आकांशा का भी प्रभाव राजनीति में पड़ता है। परंतु समाज की भावनाएं स्वयं भी विलुप्त तो नही हो जाती। यह रोचक बात है कि भाजपा विरोधी दलो के लोग भारतीय समाज को दो स्पष्ट और परस्पर विरोधी खाने में रखकर देखते है। इन दलों की मानना है कि हिन्दू समाज की मुख्य चिंता रोटी, कपड़ा और मकान है। परन्तु मुसलमानों और ईसाइयों की मुख्य चिंता मजहबी भावनाओ का सम्मान है। इन दलों की विरोधी वर्गों में बांटकर देखने की आदत पड़ गई है। इनके कारण तथ्यों को वे देख नही पाते। जहा शासन रास्ट्रपति और राज्यपालों के नाम से चलता है वह वस्तुतः शासन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का होता है ।देश मे कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, बहुजन समाजवादी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने इस तथ्य को जानकर विशेषतः अल्पसंख्यको की धार्मिक भावनाओं को गुदगुदाना अपने रणनीति की मुख्य अंग बना लिया है। उसके जवाब में भाजप हिन्दुओ की धार्मिक भावनाओं को गुदगुदाती है ।इस प्रकार यह खेल चलता रहा। ये नेता हिन्दू समाज से वे सभी सहजता से जुड़े हुए है। संस्कारो और रीति रिवाजों से जुड़े है तथा धार्मिक क्रियाकलापों से भी जुड़े हुए है। हिन्दू त्योहारों में शहर तथा गांवो में बिजली कटौती होती है। बल्कि अल्पसंख्यकों के त्योहारों पर ऐसी कटौती नही होती है। श्मशान और कब्रिस्तान वाला भेदभाव भी एक तथ्य है। कांग्रेसियो के सारे भेद चुपके चुपके चलते है। मोदी और अमित शाह की यह विशेषता है कि हिन्दू समाज मे इस भेदभाव के विरुद्ध उभर रहे क्षोभ और असन्तोष को उन्होंने पहचान लिया और अचानक खुलकर उसे अभिव्यक्ति देने लगे। इस प्रकार बहुसंख्यक लोगो की भावनाओ को पहचान लेना ही उनकी सफलता की कुंजी है। भाजपा के पक्ष में जो भी परिणाम आ रहे है वह बहुसंख्यक समाज के क्षोभ और असन्तोष की अभिव्यक्ति का परिणाम है। अल्पसंख्यको की संस्कृति का संरक्षण भारतीय राज्य धर्म है। उधर पश्चिम में वहा के शासन में ईसाइयत को अधिकृत रूप से विशेष संरक्षण प्राप्त है। भारत का संविधान केवल भारतीय नागरिको के अधिकारो की बात करता है। बहुसंख्यक समाज की कोई भी पहचान या परिभाषा भारत के संविधान में निर्धारित नही है। इस प्रकार भारत राज्य में बहुसंख्यक समाज के सदस्य केवल नागरिक है। वे हिन्दू है। उनका हिन्दू होना राज्य की दृष्टि में कोई विशेष महत्व नही रखता है। जबकि अल्पसंख्यक होना या अनुसूचित जाति एवं जनजाति का होना या अन्य पिछड़ा वर्ग का होना एक स्पष्ट सामाजिक पहचान रखता है।

लंबे समय तक सुधारवादी नेता रहे अनवर बने मलयेशियाई पीएम, सादा समारोह में ली शपथ

कुआलालंपुर।
मलयेशिया में लंबे समय तक विपक्ष के सुधारवादी नेता रहे अनवर इब्राहिम ने बृहस्पतिवार को देश के पीएम के रूप में शपथ ले ली। इससे पहले मलयेशियाई सुल्तान अब्दुल्ला अहमद शाह ने उन्हें देश का प्रधानमंत्री घोषित किया। इसी के साथ मलयेशिया में खंडित जनादेश वाले आम चुनावों के बाद कई दिनों से जारी सियासी अनिश्चितता का अंत हो गया है। अनवर ने राष्ट्रीय महल में सादा समारोह में शपथ ली। मलयेशिया के सुल्तान ने 75 वर्षीय अनवर को देश के 10वें नेता के रूप में यह कहते हुए नामित किया कि वह अनवर जैसे प्रत्याशी से संतुष्ट हैं जिनके पास बहुमत का समर्थन होने की संभावना है। अनवर के एलायंस ऑफ होप ने 82 सीटों के साथ शनिवार के चुनाव में जीत हासिल की लेकिन यह गठबंधन बहुमत के लिए जरूरी 112 सीटें नहीं जीत पाया। लेकिन अब अनिश्चितता दूर हो गईहै।

नई सरकार से विनम्र रहने का आग्रह

75 वर्षीय मुहिद्दीन के हार मानने से इन्कार के बीच, मलयेशिया के सुल्तान ने अनवर और उनकी नई सरकार से विनम्र रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, पीएम सियासी उथल-पुथल खत्म करने के लिए सामंजस्य स्थापित करें।

कम रहेगी इस्लामीकरण की आशंका

माना जा रहा था कि किसी भी दल को सरकार बनाने के लिए पैन-मलयेशियन इस्लामी पार्टी की मदद लेना पड़ेगी। लेकिन अब इसकी संभावना नहीं बची है। इससे अल्पसंख्यकों में व्यापक इस्लामीकरण पर भय कम हुआ है। मलेशिया के प्रधानमंत्री के बारे में घोषणा अधिकांश दलों द्वारा सुल्तान अब्दुल्ला अहमद शाह के एकता सरकार के गठन के प्रस्ताव पर सहमत होने के बाद की गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अनवर इब्राहिम और उनके प्रतिद्वंद्वी पेरिकटन नेशनल (पीएन) के प्रमुख मुहीद्दीन यासिन संसद में बहुमत के लिए आवश्यक 112 सांसदों का समर्थन हासिल करने में असमर्थ थे। इसके बाद गुरुवार को यूनाइटेड मलेशियाई नेशनल ऑर्गनाइजेशन (यूएमएनओ) पार्टी ने बारिसन नेशनल (बीएन) गठबंधन की विपक्ष में रहने की पिछली राय से अलग रुख अपनाते हुए एकता सरकार का हिस्सा बनने की इच्छा व्यक्त की। मलेशिया में अन्य राजनीतिक दलों ने भी यूएमएनओ द्वारा अपनाए गए रुख का समर्थन किया।

न्यूज ब्रीफ

यूएन मानवाधिकार प्रमुख तुर्क बोले- ईरान में मानवाधिकार संकट में, बच्चों को किया जा रहा गिरफ्तार

तेहरान। ईरान में सितम्बर में हिजाब के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 22 वर्षीय महसा अमीना की पुलिस हिरासत में मौत हो जाने के बाद लोग सड़कों पर उतर आए हैं और सरकार और मौलवियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। इसको लेकर गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने विशेष सत्र बुलाया था जिसमें ईरान में हो रहे प्रदर्शनों पर चर्चा हुई। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार तुर्क ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के एक विशेष सत्र के दौरान ईरान में मानवाधिकारों के उल्लंघन में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच प्रक्रियाओं का आह्वान किया और इसकी जांच की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि ईरान के कुर्द अल्पसंख्यक समूह को निशाना बनाने के लिए जबरन हिरासत में लेने और शारीरिक शोषण की खबरों के साथ, अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर घातक कार्रवाई शुरू कर दी है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने कहा कि प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के बीच ईरान पूर्ण मानवाधिकार संकट में है। आगे उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने शासन के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर शिकंजा कस दिया है। यूएन मानवाधिकार प्रमुख ने कहा कि ईरान में जो कुछ हो रहा है, उसे देखकर मुझे बहुत तकलीफ होती है। बच्चों के मारे जाने की तस्वीरें, रास्तों-सड़कों पर महिलाओं को पीटे जाने की तस्वीरें सामने आ रही हैं और लोगों को मौत की सजा सुनाई जा रही हैं ये भयावह है। एक मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तुर्क के कहा कि विरोध प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में शामिल बच्चों सहित 14,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि उनमें से कम से कम 21 वर्तमान में मौत की सजा का सामना कर रहे हैं और छह को पहले ही मौत की सजा मिल चुकी है।

चीन में खतरनाक तरीके से बढ़ रहे कोरोना के मामले, लगातार दूसरे दिन 30 हजार से अधिक लोग संक्रमित

बीजिंग। चीन में कोरोना के मामले बहुत तेजी से बढ़ने लगे हैं। जारी आंकड़ों के अनुसार चीन में बीते 24 घंटों में 32,943 मामले सामने आए हैं जो कि कल की तुलना में 1287 अधिक है। देश में लगातार दूसरे दिन 30 हजार से अधिक मामले सामने आए हैं। वहीं, कोरोना संक्रमण में खतरनाक वृद्धि को देखते हुए लॉकडाउन की अवधि को बढ़ा दिया गया है। झोंगझोउ के आठ जिलों की कुल आबादी करीब 66 लाख है और वहां लोगों को गुरुवार से लेकर पांच दिन तक अपने-अपने घरों में रहने को कहा गया है। शहर की सरकार ने संक्रमण से निपटने की कार्रवाई के तहत वहां व्यापक स्तर पर जांच के आदेश दिए हैं। इससे पहले गुरुवार को बीते 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण के 31,444 नए मामले सामने आए थे। चीन के वुहान शहर में 2019 में सामने आए संक्रमण के पहले मामले के बाद देश में सामने आए ये सबसे अधिक दैनिक मामले हैं। देश में संक्रमण के दैनिक मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अमेरिका और अन्य देशों की तुलना में चीन में संक्रमण से मौत के कम मामले सामने आए हैं, लेकिन फिर भी देश की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने वायरस को लेकर कोई भी कोताही न बरतने की नीति अपना रखी है, जिसके तहत मामलों की संख्या देखते हुए इलाकों में लोगों की आवाजाही पर रोक लगाई जाती है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन बीमार! बैठक में असहज हुए, कुर्सी जोर से पकड़ी मीडिया रिपोर्ट में दावा

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तबीयत को लेकर फिर एक बार मीडिया रिपोर्ट में बड़ा दावा किया गया है। कहा गया है कि उनकी हालत गंभीर है। हाल ही में क्यूबा के एक नेता के साथ बैठक के दौरान पुतिन को घबराहट हुई और उन्हें जोर से कुर्सी पकड़ते देखा गया। इस दौरान उनके हाथों का रंग बदलने का भी दावा किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि क्यूबा के नेता मिगुएल डियाज कैनेल वाई बरमूडेज के साथ एक बैठक में पुतिन अचानक असहज हो गए। तभी उन्होंने कुर्सी को कसकर पकड़ लिया।

मुनीर की नियुक्ति पर राष्ट्रपति अल्वी की मुहर, भारत विरोधी साजिशों में हैं माहिर

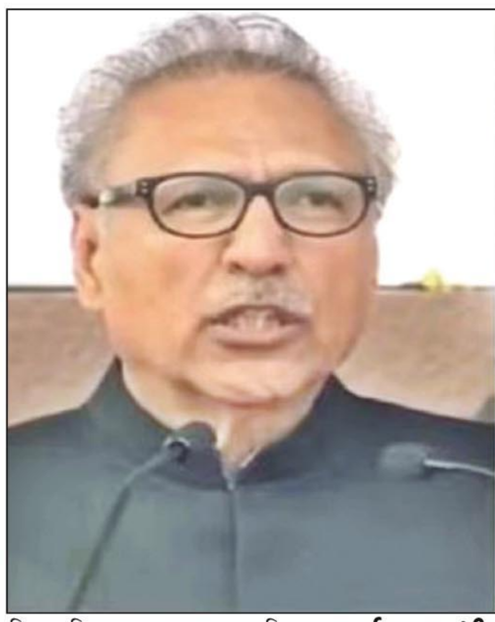

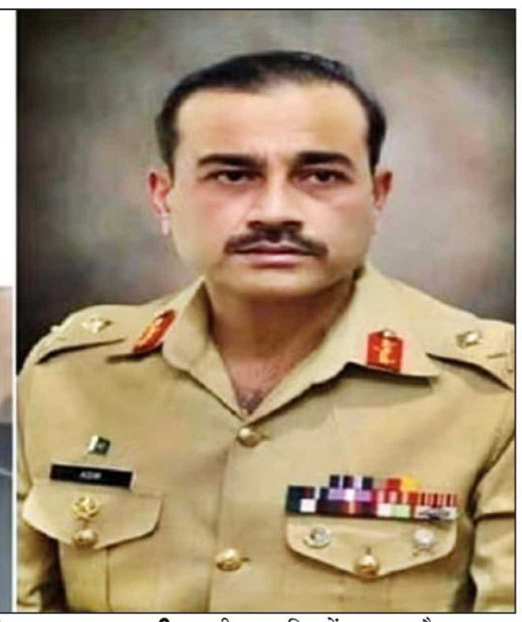

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने गुरुवार को ले. जनरल असीम मुनीर को देश का नया सेना प्रमुख नियुक्त कर दिया। वे नए चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ होंगे वहीं, ले. जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टॉफ कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। राष्ट्रपति अल्वी ने दोनों के नियुक्ति आदेश पर दस्तखत कर दिए।

इस दौरान उन्होंने भारत के खिलाफ पुलवामा हमले समेत कई साजिशें रचीं। वे पूर्व पीएम इमरान खान के विरोधी व मौजूदा सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के करीबी हैं।

प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने मुनीर को सेना प्रमुख और मिर्जा को ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टॉफ कमेटी नियुक्त करने का प्रस्ताव राष्ट्रपति अल्वी को भेजा था। अल्वी ने उसे मंजूरी दे दी। आदेश में कहा गया है कि ले. जन. मिर्जा को तत्काल प्रभाव से पदोन्नत किया जाता है। उनकी नियुक्ति 27 नवंबर से प्रभावी होगी। इसी तरह ले. जन. सैयद असीम मुनीर को तत्काल प्रभाव से जनरल के पद पर पदोन्नत किया जाता है। वे 29 नवंबर से पाक सेना प्रमुख का पद संभालेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक जनरल मुनीर और जनरल मिर्जा दोनों ने नए सेनाध्यक्ष और ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के रूप में अपनी नियुक्ति की पुष्टि के बाद पीएम शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति आरिफ अल्वी से अलग-अलग मुलाकात की।

मौजूदा पाक सेना प्रमुख बाजवा तय कार्यकाल के मुताबिक 29 नवंबर 2019 को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने उन्हें 19 अगस्त, 2019 को तीन साल का सेवा विस्तार दिया था। माना जा रहा था कि इस बार भी जनरल बाजवा सेवा विस्तार की मांग करेंगे, लेकिन उन्होंने कई माह पहले ही संकेत दे दिया था कि वे इसी साल सेवानिवृत्त होने की योजना बना रहे हैं।

2019 में चर्चा में आए मुनीर

असीम मुनीर सबसे ज्यादा चर्चा में 2019 में आए। तब उन्होंने आईएसआई चीफ के नाते तत्कालीन पीएम इमरान खान के सामने उनकी पत्नी बुशरा बीबी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। अब आर्थिक, सियासी व इस्लामी कट्टरपंथियों की चुनौती के बीच मुनीर के फैसले पाकिस्तान की दशा और दिशा तय करेंगे, क्योंकि पाकिस्तान की घरेलू राजनीति और विदेश नीति सेना प्रमुख के इर्द-गिर्द ही घूमती है।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बढ़ेंगी मुश्किलें

अक्तूबर 2018 में इमरान खान ने खुद मुनीर को आईएसआई प्रमुख नियुक्त करने की मंजूरी दी, लेकिन खान की पत्नी बुशरा बीबी व उसके परिवार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, तो महज आठ माह में मुनीर को आईएसआई चीफ का ओहदा खोना पड़ा। इसके बाद जन. बाजवा व खान में नए आईएसआई चीफ की नियुक्ति को लेकर लंबी खींचतान चली। इमरान लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद को आईएसआई चीफ बनाना चाहते थे, लेकिन जनरल बाजवा ने ले. जनरल नदीम अंजुम को यह पद दिया। वहीं, शरीफ मुनीर को सेना मुख्यालय पर तैनात कर दिया गया। ऐसे में पूर्व पीएम की अब मुश्किलें बढ़ना तय है।

पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड और दो खुफिया एजेंसियों प्रमुख रहे मुनीर

14 फरवरी, 2019 को जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर पुलवामा के पास सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती हमले को असल मास्टरमांइड लेफ्टिनेंट जनरल असीम मुनीर पाकिस्तानी सेना के नए प्रमुख घोषित किए गएहैं। भारत से नफरत और क्रूर साजिशें रचने में माहिर मुनीर आतंकियों को पालने के लिए कुख्यात पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी और मिलिट्री इंटेलिजेंस दोनों के प्रमुख रह चुके हैं। इस हमले में भारत ने सीआरपीएफ के 40 जवान खोए थे।

जनरल कमर जावेद बाजवा ने माना- राजनीति में सेना का दखल, 1971 के युद्ध पर भी किया खुलासा

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के निवर्तमान सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने स्वीकार किया कि सैन्य प्रतिष्ठान राजनीति में शामिल रहा है। उन्होंने कहा कि सेना ने राजनीति में हस्तक्षेप बंद करने का फैसला किया है। शहीद दिवस समारोह को संबोधित करते हुए जनरल बाजवा ने कहा, दुनियाभार में सेनाओं की शायद ही कभी आलोचना की जाती है, लेकिन हमारी सेना की अक्सर आलोचना की जाती है। मुझे लगता है कि इसका कारण सेना की राजनीति में भागीदारी है। इसलिए फरवरी में सेना ने राजनीति में हस्तक्षेप न करने का फैसला किया। सेना प्रमुख के तौर पर अपने अंतिम संबोधन के रूप में बाजवा ने कहा, कई क्षेत्रों में सेना की आलोचना की और अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया। सेना की आलोचना करना राजनीतिक दलों और लोगों का अधिकार है, लेकिन इस्तेमाल की जाने वाली भाषा में सावधानी बरतनी चाहिए। इस बार यह समारोह कुछ देरी के बाद आयोजित किया जा रहा है। बाजवा 29 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। शहीद दिवस 1965 के युद्ध में मारे के सैनिकों के बलिदान के याद में प्रतिवर्ष 6 सितंबर को रावलपिंडी स्थित जनरल हेडक्वार्टर (जीएचक्यू) में आयोजित किया जाता है। हालांकि, इस साल बाढ़ पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए इसे स्थगित कर दिया गया था। इसके अलावा निवर्तमान थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल कमर जावेद बाजवा ने बुधवार को यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि 1971 के युद्ध में केवल 34,000 पाक सैनिकों ने भारत के सामने आत्मसमर्पण किया था। मुख्य अतिथि के रूप में रक्षा और शहीद दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, सेना प्रमुख ने कहा कि पूर्वी पाकिस्तान संकट, एक सैन्य नहीं बल्कि एक राजनीतिक विफलता थी। लड़ने वाले सैनिकों की संख्या 92,000 नहीं थी, बल्कि केवल 34,000 थी, बाकी विभिन्न सरकारों से थे। सीओएएस ने कहा कि ये 34,000 लोग 2,50,000 भारतीय सेना के सैनिकों और 200,000 प्रशिक्षित मुक्ति बाहिनी का सामना कर रहे थे।

नेपाल में देउबा का सत्तारूढ़ गठबंधन बहुमत की ओर, अब तक घोषित 118 सीटों में से 64 जीतीं

काठमांडू।
नेपाल के संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की पार्टी नेपाली कांग्रेस नीत सत्तारूढ़ गठबंधन स्पष्ट बहुमत की ओर बढ़ रहा है। गठबंधन ने अब तक घोषित 118 सीटों के नतीजों में से 64 जीत ली हैं। संसद के 275 सदस्यीय निचले सदन की 165 सीटों पर प्रत्यक्ष मतदान से चुनाव हुए। शेष 110 सीटों को आनुपातिक चुनाव प्रणाली के जरिए भरा जाएगा। बहुमत के लिए किसी दल या गठबंधन को 138 सीट जीतना जरूरी है। प्रत्यक्ष चुनाव के तहत 39 सीटें जीतकर नेपाली कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर रही है। वहीं, गठबंधन की साझेदार सीपीएन माओइस्ट सेंटर और सीपीएन यूनिफाइड सोशलिस्ट ने अब तक क्रमशः 12 व 10 सीटें जीती हैं। लोकतांत्रिक समाजवादी व राष्ट्रीय जनमोर्चा को दो और एक सीट मिली है। ये सभी सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा हैं। पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली नीत विपक्षी गठबंधन सीपीएन-यूएमएल को अब तक 35 सीटें मिली हैं। सीपीएन-यूएमएल को अकेली को 29 सीटों पर जीत हासिल हुई है।

महिलाओं के खिलाफ हिंसा खत्म करने के तत्काल कदम उठाए तालिबान, यूएन ने किया आह्वान

काबुल।
काबुल स्थित संयुक्त राष्ट्र मिशन ने तालिबान सरकार से अफगानिस्तान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा खत्म करने को कहा है। यूएन ने इसके लिए तत्काल कदम उठाने को कहा है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि देश में महिला अधिकारी की बुरी स्थिति में सुधार लाने व देश में व्यापक शांति बहाल करने के सार्थक उपाय किए जाना चाहिए। यह आह्वान तब आया है जब दुनिया भर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए आज अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जा रहा है। आज ही लैंगिक हिंसा के खिलाफ विश्व भर में 16 दिनी अभियान भी शुरू किए गए हैं। भारत में एक नई चेतना अभियान के नाम से महीने भर चलने वाला मिशन शुरू होगा।

अफगानिस्तान में महिलाओं के खिलाफ सर्वाधिक हिंसा - अफगानिस्तान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की दर विश्व में सबसे अधिक है। 2021 की गर्मियों के बाद से अफगानिस्तान में महिलाओं के कई मौलिक अधिकार प्रतिबंधित या रद्द कर दिए गए हैं। इन्हें बहाल करने की मांग लगातार उठ रही है।

अफगानिस्तान में यूएन महासचिव की विशेष दूत रोजा ओटुनबायेवा ने कहा कि अफगान महिलाओं के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने की जरूरत है। उनके लिए अच्छा वातावरण बनाने के लिए ठोस कदम उठाना जरूरी है, ताकि उन्हें सभी प्रकार की हिंसा से मुक्त किया जा सके। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) की प्रमुख ओटुनबायेवा ने कहा कि अफगानिस्तान में स्थिरता, समृद्धि और स्थायी शांति के लिए महिला अधिकारों की रक्षा अहम है।

विनाशकारी हमलों के बाद देश में बिजली बहाल करने की कोशिश में जुटा यूक्रेन

कीव।
रूसी सैन्य बलों द्वारा यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर नए सिरे से मिसाइल हमलों के बाद कीव के 70प्रतिशत हिस्से में बृहस्पतिवार सुबह बिजली गुल हो गई। बुधवार देर रात किए रूसी हमलों के कारण कीव समेत पूरे यूक्रेन के अधिकतर हिस्सों में बिजली चली गई है। पहले से संकटग्रस्त यूक्रेनी विद्युत नेटवर्क की इन हमलों ने सर्दियां शुरू होने के बीच हालत और खराब हो गई है। इन हमलों के कारण पड़ोसी मालदोवा में भी बिजली का संकट पैदा हो गया है।

रूसी बलों को युद्ध मैदान में मिले झटकों के बाद से रूस, अब यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर विनाशकारी हमले कर रहा है। कीव के मेयर विताली क्लित्स्को ने बताया कि इंजीनियर बिजली आपूर्ति बहाल करने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बृहस्पतिवार को सुबह बताया कि रूसी सेना ने कीव और देश के कई अन्य क्षेत्रों में आवासीय भवनों और ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर हमले करते हुए 67 क्रूज मिसाइल और 10 ड्रोन दागे हैं।

खेरसान में यूक्रेनी सेना ने बनाई नई योजना

खेरसान क्षेत्र से बाहर निकलने के दो सप्ताह बाद रूस तोप से यूक्रेन के इस दक्षिणी शहर पर गोले बरसा रहा है, जबकि यूक्रेन अपने लंबी दूरी तक निशाना साधने वाले हथियारों से पलटवार कर रहा है। रूस अपनी करारी हार के बाद खेरसान की वापसी की कोशिश में जुटा है जबकि यूक्रेनी सेना मोर्चे पर जुटी है। उसने अब नई योजना बनाई है। इसके तहत यूक्रेनी सेना अब रूस-नियंत्रित क्षेत्रों में अंदरुनी सीमा तक हमले कर सकती है।

रूसी मिसाइल हमलों में 3 मौतें, 6 घायल...

यूक्रेन की राजधानी कीव में ताजा रूसी मिसाइल हमले में कम से कम तीन लोग मारे गए और छह घायल हो गए हैं। इन हमलों में राजधानी कीव की बुनियादी सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है। यूक्रेनी अफसरों ने निवासियों को हवाई हमलों के बीच आश्रयों में रहने की चेतावनी दी है।

भारत जोड़ो यात्रा से पहले अशोक गहलोत के तीखे तेवर बढ़ा रहे टेंशन

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की ओर से निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा यात्रा के राजस्थान में प्रवेश से पहले अशोक गहलोत कैंप और सचिन पायलट कैंप के तीखे तेवरों ने आलाकमान की टेंशन बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से एक बार दोबारा सचिन पायलट को खुलेआम गद्दार और नकारा बताए जाने के मामले ने भी सियासी पारा गरमा दिया है। सरदारशहर उपचुनाव और चुनावी साल होने के कारण आम जनता में कांग्रेस के प्रति बन रही नकारात्मक छवि को तोड़ने के लिए अब डैमेज कंट्रोल की कवायद की जा रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के आक्रामक और तीखे तेवरों ने पार्टी आलाकमान की टेंशन बढ़ा दी है। एक तरफ जहां पार्टी के नेताओं की ओर से कांग्रेस शासित प्रदेश होने के चलते राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के अभूतपूर्व स्वागत के दावे किए जा रहे हैं, वहीं दोनों खेमों के बीच बढ़ते टकराव ने पार्टी थिंक टैंक को सोचने पर मजबूर कर दिया है। सियासी गलियारों में चर्चा इस बात की है कि जिस तरह से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट कैंप के बीच तकरार चल रही है उसका संदेश जनता में अच्छा नहीं जा रहा है। कांग्रेस गलियारों में चर्चा इस बात की है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रही बयानबाजी और टकराव का असर सरदारशहर उपचुनाव पर ही पड़ सकता है। यहां विपक्षी पार्टियां गहलोत-पायलट कैंप के बीच चल रहे टकराव के मामले को उपचुनाव में भुनाने की तैयारी में है और जनता में भी संदेश देना चाह रही हैं कि कांग्रेस पार्टी और सरकार में पिछले चार साल से काम की बजाए केवल आपसे झगड़े ही होते रहे हैं। भाजपा ने तो इस दिशा में अपने कदम बढ़ा भी दिए हैं। हाल ही में प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां और उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के ताजा बयान ऐसे ही संकेत दे चुके हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से सचिन पायलट पर तीखे हमले करने के बाद सचिन पायलट कैंप ने भी आक्रामक रुख अपनाया हुआ है। पायलट कैंप के माने जाने वाले मंत्री राजेंद्र गुढ़ा और खुद पायलट ने भी मुख्यमंत्री के बयानों के प्रति नाराजगी जाहिर की है। ऐसे में पार्टी आलाकमान अब डैमेज कंट्रोल के मूड में हैं। माना जा रहा है कि पार्टी आलाकमान की ओर से कोई संदेशवाहक राजस्थान भेजा जा सकता है जो दोनों के बीच सामंजस्य और तालमेल की बात कर सके। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश की ओर से भी गुरुवार रात इस तरह के संकेत दिए गए थे कि पायलट कैंप और गहलोत कैंप के बीच सुलह कराई जाएगी। गौरतलब है कि पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच लंबे समय से शीतयुद्ध चल रहा है। गुरुवार को सचिन पायलट जहां कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए, तो वहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में सचिन पायलट को गद्दार और निकम्मा करार दिया था और कहा था कि सचिन पायलट किसी भी कीमत पर मुख्यमंत्री स्वीकार नहीं होंगे। अगर पार्टी आलाकमान को मुख्यमंत्री बनाना है तो 102 विधायकों में से मुख्यमंत्री बनाया जाए। पायलट की गद्दारी की वजह से उन्हें सरकार बचाने के लिए 35 दिन बाड़ेबंदी में रहना पड़ा था। सियासी संकट के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ चट्टान की तरह खड़े रहे मंत्री राजेंद्र गुढ़ा, विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा और वाजिब अली अब बदली परिस्थितियों में सचिन पायलट कैंप में शामिल हो गए हैं। साथ ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं, जबकि इन्हीं नेताओं ने सियासी संकट के दौरान पायलट कैंप पर सबसे ज्यादा ज्यादा हमले बोले थे।

हाइटेक प्रदर्शनी का राष्ट्रपति करेंगी शुभारंभ

कुरुक्षेत्र (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती के अवसर पर इस वर्ष पहली बार हाइटेक प्रणाली से राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है जिसमे हरियाणा के विकास की तस्वीर को दर्शाया जाएगा। प्रदर्शनी के लिए पुरुषोत्तमपुरा बाग ब्रह्मसरोवर पर भव्य और दर्शनीय पंडाल लगाया जा रहा है। यह प्रदर्शनी हरियाणा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक डॉ. अमित अग्रवाल के विशेष प्रयासों से संभव हो पाया है। इसमें अहम पहलू यह है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मुख्यमंत्री मनोहर लाल 29 नवंबर को इस प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। इस राज्यस्तरीय प्रदर्शनी में लगभग 30 विभागों की नवीनतम योजनाओं पर आधारित मॉडलों को रखा जाएगा और पिछले 8 सालों की उपलब्धियों और भावी योजनाओं को भी दर्शाने का प्रयास किया जाएगा। इस महोत्सव में हजारों-लाखों की संख्या में लोग इस प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। यह प्रदर्शनी 29 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलेगी।

मुझे हड़ताल से एतराज नहीं, मरीजों का नुकसान नहीं होना चाहिए : अनिल विज

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा है कि डॉक्टर्स हड़ताल से उन्हें एतराज नहीं है, बशर्ते मरीजों का नुकसान नहीं होना चाहिए। डॉक्टर्स के मुद्दे पर उनकी मुख्यमंत्री मनोहर लाल से चर्चा हुई है। मुख्यमंत्री भी खुद इसमें संज्ञान ले रहे हैं। एक-दो दिन में हल निकल जाएगा। अनिल विज ने डॉक्टर्स से अपील करते हुए कहा कि आप लोग आंदोलन करें, आंदोलन का अधिकार है और इस पर कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन मानवता के आधार पर डॉक्टर्स को मरीजों के बारे में जरूर विचार करना चाहिए। कॉमन कैडर के मुद्दे पर यह पहले ही तय हो चुका है कि पीजीआई डॉक्टरों को ऑप्शन दिया जाएगा। वह पीजीआई कैडर में रहना चाहते हैं या कॉमन कैडर में जाना चाहते हैं। यह बात पीजीआई डॉक्टरों के प्रतिनिधियों से पहले ही बातचीत में तय हो चुकी है। विज ने कहा कि जब तक हमें पानी और हिंदी भाषी क्षेत्र नहीं मिल जाता, अंगद के पैर के तौर पर हम चंडीगढ़ में डटे हुए हैं। दिल्ली में चल रही जान से मारने वाली धमकी वाली विवादित खबर पर विज बोले, आम आदमी पार्टी की उत्तर प्रदेश, गोवा, उत्तराखंड में जो राजनीतिक पिटाई हुई है, अब ऐसी ही गुजरात, हिमाचल और दिल्ली नगर निगम में होने जा रही है। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि पंजाब के हालात को देखते हुए हम चिंतित हैं। हरियाणा में हमने कई कदम उठाए हैं। दिल्ली में आप वाले कहते थे कि हमारे पास पुलिस नहीं है। पंजाब में पुलिस आपके पास है, फिर भी हालात खराब हैं। उन्होंने कहा कि 29 नवंबर को प्रदेश में स्वास्थ्य सर्वेक्षण योजना की शुरुआत की जाएगी, इसकी शुरुआत करने वाला हरियाणा देश का इकलौता राज्य होगा।

चंडीगढ़ में विधानसभा बनाने से हमें कोई नहीं रोक सकता : शमशेर सिंह खरक

चंडीगढ़ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के प्रदेश मीडिया सह-प्रमुख शमशेर सिंह खरक ने कहा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल हरियाणा के हितों पर लगातार कुठाराघात करने में लगे हैं। एसवाईएल का पानी और हरियाणा की अलग विधानसभा इमारत के मुद्दों पर केजरीवाल पलटी मार नीति अपनाते हुए हरियाणा के लोगों को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब हरियाणा में केजरीवाल की दाल गलने वाली नहीं है। यहां जारी बयान में उन्होंने कहा कि आदमपुर की जनता ने जमानत जब्त कर केजरीवाल को आईना दिखा दिया है कि हरियाणा में उनका कोई अस्तित्व नहीं है। खरक ने कहा कि चंडीगढ़ में जितना हक पंजाब का है उतना ही हरियाणा का है। अपने हक के लिए हम पीछे हटने वालों में नहीं है। खरक ने कहा कि चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश है और यहां पर भूमि लेकर विधानसभा बनाना हमारा हक है और हमें इससे कोई भी रोक नहीं कर सकता। हम अपनी नई विधानसभा के लिए भूमि लेकर रहेंगे। शमशेर सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ पर हरियाणा के दावे को लगातार कमजोर करने में जी जान से जुटी हुई है।

पंचायत चुनाव में दोपहर 1 बजे तक 46 फीसदी से अधिक लोगों ने डाले वोट

फतेहाबाद (हिंस)। फतेहाबाद जिले में तीसरे तथा अंतिम चरण में जिला की पंचायती राज संस्थाओं के तहत शुक्रवार की सुबह 241 सरपंच पद तथा 753 पंच पद के लिए मॉक पोल के बाद मतदान प्रक्रिया शुरू हुई। मतदान सुबह 7 से शुरू हुआ। सुबह मतदान को लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह नजर आया और मतदान प्रक्रिया शुरू होते ही मतदान केन्द्रों के बाहर वोटरों की लाइनें लगनी शुरू हो गई। दोपहर तक जिले में वोटिंग शांतिपूर्ण तरीके से जारी थी। शाम को मतदान के तुरंत बाद मतगणना का कार्य होगा। पहले पंचों तथा उसके बाद सरपंच पदों के लिए डाले गए वोटों की गिनती होगी। पुलिस प्रशासन की ओर से मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। जिला में 241 सरपंचों और 753 पंचों के लिए मतदान हो रहा है। जिला में कुल 259 ग्राम पंचायतों के सरपंचों में से 16 सरपंचों और कुल 2684 पंच पदों में से 1847 पंचों का सर्वसहमति से चुनाव सम्पन्न हो गया था। जिले में दोपहर 1 बजे तक कुल 46.3 प्रतिशत लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। जिले में कुल 5 लाख 10 हजार 134 मतदाताओं में से 2 लाख 36 हजार 302 लोगों ने वोट डाले हैं। जिले के भट्टूकलां ब्लाक में कुल 102 बूथ बनाए गए हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 78710 है। दोपहर 1 बजे तक यहां 44.1 प्रतिशत 34718 लोग वोट डाल चुके थे। इसके अलावा भूना ब्लाक में कुल 86 बूथ बनाए गए हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 74480 है। दोपहर 1 बजे तक यहां 45 प्रतिशत 33518 लोग वोट डाल चुके थे। फतेहाबाद ब्लाक में कुल 132 बूथ बनाए गए हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 107268 है। दोपहर 1 बजे तक यहां 44.7 प्रतिशत 47964 लोग वोट डाल चुके थे। जाखल ब्लाक में कुल 38 बूथ बनाए गए हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 33491 है। दोपहर 1 बजे तक यहां 54.7 प्रतिशत 18328 लोग वोट डाल चुके थे। नागपुर ब्लाक में कुल 64 बूथ बनाए गए हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 48382 है। दोपहर 1 बजे तक यहां 46 प्रतिशत 22242 लोग वोट डाल चुके थे। रतिया ब्लाक में कुल 98 बूथ बनाए गए हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 76682 है। दोपहर 1 बजे तक यहां 47.7 प्रतिशत 36561 लोग वोट डाल चुके थे। टोहाना ब्लाक में कुल 109 बूथ बनाए गए हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 91130 है। दोपहर 1 बजे तक यहां 47.9 प्रतिशत 43664 लोग वोट डाल चुके थे।

वैदिक फोटो प्रदर्शनी में मिल रहीं रोचक जानकारियां

सोनीपत (हिंस)। विश्व धरोहर सप्ताह के अंतर्गत स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय सोनीपत में अंतिम दिन शुक्रवार को बतौर मुख्य अतिथि प्रोफेसर अंचल पांड्या संरक्षण विभागाध्यक्ष आईजीएनसीए सांस्कृतिक मंत्रालय भारत सरकार ने वैदिक फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रोफेसर अंचल पांड्या ने बताया कि इस स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय में वैदिक से संबंधित भी एक गैलरी बनाई गई है, जिसमें काफी रोचक जानकारी मौजूद है। जहां हजारों वर्ष पहले लकड़ी से अग्नि प्रकट करने वाली कला की जानकारी उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त हवन करने का सही तरीका भी दर्शाया गया है। वेदों की जानकारी से संबंधित लेख और काफ़ी चित्र प्रदर्शनी में शामिल लिए गए हैं। विश्व धरोहर सप्ताह के दौरान सातवे और अंतिम दिन प्रदर्शनी में खासतौर से औषधियों के संस्कृत नाम, पीपल को बोधिधूर्म, नीम को अरिष्ट, नक्षत्र वाटिका, वैदिक हेरिटेज पोर्टल, साम्बकृत सूर्य स्तुति, नीम, हवन कुंड, वस्त्र से भी संबंधित जानकारी यहां पहुंचने वाले स्कूली बच्चे और पर्यटक ले सकेंगे। ब्यूटीफिकेशन सोसाइटी के सदस्य सचिव राजेश खत्री ने बताया कि 19 से 25 नवंबर तक मनाया गया, लोगों और स्कूली विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक धरोहर सप्ताह के दौरान जानकारी प्राप्त की। प्रवेश भी निःशुल्क रहा। संग्रहालय का कार्य जल्द पूर्ण होने वाला है जिसका उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल और केंद्रीय पर्यटन मंत्री के माध्यम से करवाया जाएगा। ब्यूटीफिकेशन सोसाइटी के सदस्य सचिव राजेश खत्री ने उनका स्वागत किया और देश के प्रमुख संग्रहालय से संबंधित पुस्तक सौंपने के बाद संग्रहालय से संबंधित जानकारी दी।

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने कार्यकर्ताओं के साथ की जनसंपर्क बैठक

जम्मू। ब्रह्म ज्योत सत्ती, अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा जेके-यूटी के निर्देश पर भाजपा ओबीसी मोर्चा समाज की भलाई के लिए काम कर रहा है और पूरे जम्मू कश्मीर में जरूरतमंदों की मदद कर रहा है। आज भाजपा ओबीसी मोर्चा ने नौशेरा-सुंदरबनी में जनसंपर्क बैठक कर आगामी कार्यक्रमों की रणनीति बनाई। कार्यक्रम का आयोजन कृष्ण लाल (जिलाध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा) ने किया। कार्यक्रम में कृष्ण लाल ने ओबीसी के लिए केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और लोगों से इन योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया और उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा जनता के लिए सर्वोत्तम है। उन्होंने कहा कि भाजपा

की विचारधारा सबसे अच्छी है और यह देश हित में काम करती है और प्रमुख नागरिक भाजपा के साथ हाथ मिला रहे हैं जो बेहद सराहनीय है। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों और क्षेत्र के स्थानीय लोगों के साथ भी बातचीत की और उनकी शिकायतों को सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि सभी मुद्दों को जल्द से जल्द सुलझा लिया जाएगा। इस पर बोलते हुए ब्रह्म ज्योत ने जम्मू कश्मीर में भाजपा ओबीसी मोर्चा की कार्यशील टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि भाजपा ओबीसी मोर्चा समाज के सभी वर्गों के लिए काम कर रहा है और सामाजिक कार्यों का आयोजन कर रहा है और पूरे जम्मू कश्मीर में मानवता की सेवा कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी हमेशा नेशन फर्स्ट की विचारधारा का पालन करती है और यह नीति भारत और इसके नागरिकों के लिए बेहतर है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए बड़ी संख्या में अत्यधिक लाभकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं और जनता को इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि लोग बीजेपी ओबीसी मोर्चा के काम से प्रेरणा ले रहे हैं और बीजेपी में शामिल हो रहे हैं।

राष्ट्र और समाज के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका

धौलपुर (हिंस)। राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत के राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन का शुभारंभ शुक्रवार को शहर के महाराना स्कूल में समारोहपूर्वक शुरू हुआ। दो दिन तक चलने वाले सम्मेलन में तृतीय श्रेणी शिक्षकों की ट्रांसफर पॉलिसी लागू करवाने की मांग सहित अन्य समस्याओं पर मंथन हुआ। प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन का शुभारंभ जिला कलक्टर अनिल कुमार अग्रवाल, विधायक बाड़ी गिर्राज सिंह मलिंगा एवं विधायक धौलपुर शोभारानी कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के प्रदेशाध्यक्ष गिरिराज शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में धौलपुर की पूर्व प्रधान मीनाक्षी शर्मा मौजूद रहीं। जिला कलक्टर अनिल कुमार अग्रवाल ने प्रदेश भर से आए शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र और समाज के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन तथा लोकतंत्र में चुनाव जैसे कार्यों में शिक्षकों का योगदान रहता है। विधायक बाड़ी गिर्राज सिंह मलिंगा ने कहा कि शिक्षकों की जो भी वाजिब मांग हैं, उन्हें सरकार तक पहुंचाएंगे। तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए पालिसी बनाने की मांग को सरकार तक पहुंचाने का भी आश्वासन दिया। विधायक धौलपुर शोभारानी कुशवाह ने शिक्षकों को मुख्यमंत्री के संदेश प्राप्त होने की बधाई देते हुए

शिक्षकों की बाजिब मांग को सरकार से हल करने का वादा किया। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष गिरिराज शर्मा ने संगठन की ओर से शिक्षकों के हितों के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष जारी रहेगा। आरंभ में सम्मेलन के संयोजक चंद्रभान चौधरी, प्रदेश महिला संयोजिका रेखा शर्मा, जिला इकाई के अध्यक्ष भगवान सिंह मीणा, शिक्षक नेता गीता सिंह, दुर्गावती राना एवं आशा शर्मा समेत अन्य ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन अतुल चौहान ने किया। समारोह में शिक्षक संघ के प्रदेश संरक्षक मधुसूदन शर्मा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष मोहन सिंह, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जय नारायण कड़ेचा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष गंगाराम गुर्जर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

लोक अदालत में 50 हजार केसों की 20 बेंच करेंगी सुनवाई

गुरुग्राम (हिंस)। जिला में शनिवार 26 नवंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें ट्रैफिक चालान, सिविल, बैंक रिकवरी, वैवाहिक मामलों सहित अदालतों में लंबित करीब 50 हजार केसों की सुनवाई होगी। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम की सचिव ललिता पटवर्धन ने बताया कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश तथा हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष ऑगस्टीन जार्ज मसीह की अध्यक्षता व जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम के चेयरमैन एसपी सिंह के दिशा-निर्देश अनुसार इस लोक अदालत का आयोजन शनिवार को किया जा रहा है। लोक अदालत में विभिन्न मामलों को सरलता से निपटाने के लिए गुरुग्राम में 20 जजों की बेंच गठित की गई है।

पंजाब में डेंगू का ने मचाया कहर, मरीजों की संख्या 10 हजार के पार

लुधियाना (सहगल)। पंजाब में डेंगू के मरीजों की संख्या 10062 हो गई है जिनमें से 16 मरीजों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि यह संख्या गत वर्ष के मुकाबले काफी कम है। गत वर्ष में इन दिनों तक 23000 से अधिक मामले सामने आए थे फॉरेन में 55 मरीजों की मौत हो गई थी। राज्य में साहिबजादा अजीत सिंह नगर डेंगू से सर्वाधिक प्रभावित जिला बनकर सामने आया है। यहां 1698 पॉजिटिव मरीज सामने आ चुके हैं जबकि 2 मरीजों की मौत की स्वास्थ्य विभाग द्वारा पुष्टि की गई है। डेंगू के अलावा साहिबजादा अजीत सिंह नगर में 292 चिकनगुनिया के मरीज भी सामने आ चुके हैं। इसके बाद दूसरा प्रभावित जिला पटियाला रहा जहां चिकनगुनिया के 49 मरीज, फतेहगढ़ साहिब में 5 होशियारपुर में 2 तथा फरीदकोट व तरनतारन में 1-1 चिकनगुनिया का पॉजिटिव मरीज सामने आया

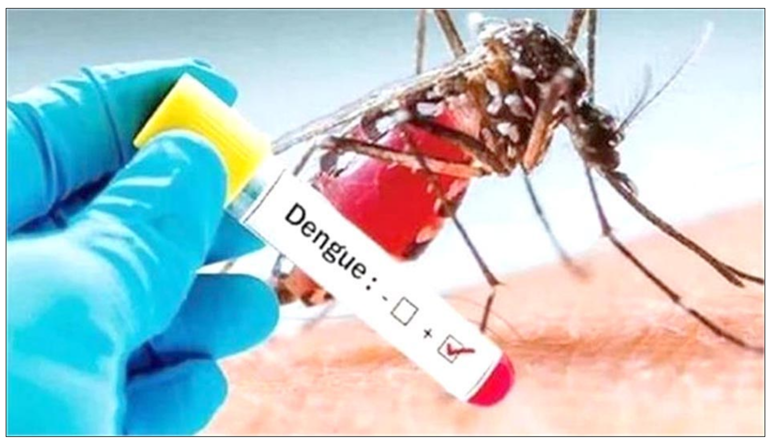

है। मोहाली के बाद लुधियाना में डेंगू के 960 पॉजिटिव मरीज सामने आए जबकि पटियाला में 920, फतेहगढ़ साहब में 826, रोपड़ में 815, पठानकोट में 787, अमृतसर में 417, तथा संगरूर के 411 पॉजिटिव मरीज शामिल है। राज्य के 6 जिलों में डेंगू ने अपना सर्वाधिक प्रकोप दिखाया है जिन जिलों में डेंगू से मौत हुई है उनमें साहिबजादा अजीत सिंह नगर में 2, बठिंडा में 3, पठानकोट में 3 के अलावा पटियाला, फतेहगढ़ साहब, रोपड़, होशियारपुर, फरीदकोट, मानसा तथा मोगा जिला भी शामिल है। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार जिन जिलों में डेंगू के सर्वाधिक मामले सामने आ रहे हैं वहां विभाग की टीमों को लोगों को जागरूक करने के लिए कहा गया है। पंजाब की नोडल अफसर डॉक्टर अर्शदीप कौर ने बताया कि डेंगू से होने वाली मौत को पहले डेंगू डेथ रिव्यू कमेटी के पास भेजा जाता है, उसके बाद ही किसी मरीज की डेंगू से होने वाली मौत की पुष्टि की जाती है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष के मुकाबले डेंगू के पॉजिटिव मरीज काफी कम सामने आए हैं। इसके अलावा पहले से कम मरीजों की मौत हुई है विभाग द्वारा बचाव कार्यों के अलावा लोगों को जागरूक करने का क्रम निरंतर जारी है।

No. DME/ UG/234/2022/22237,

ADMISSION NOTICE

ADMISSION INTO 1ST YEAR MBBS/BDS COURSES IN THE GOVERNMENT MEDICAL & DENTAL COLLEGES OF ASSAM, SESSION 2022

This is for information of all concerned that the provisional select list of candidate after the 2nd round of online counselling for admission into the 1st year MBBS/BDS courses in the Government Medical & Dental Colleges of Assam under Assam State quota seats, session 2022 has been published which is now available in the official website of this Directorate www.dme.assam.gov.in. All the selected candidates who are either newly allotted or changed College are hereby directed to report to the office of the Principal of the respective Colleges with following terms and condition on 27th & 28th November /2022 failing of which his/her allotment shall be cancelled.

1. All the admission shall be provisional and it will be subject to fulfilment of all the requisite eligibility criteria as per the MBBS/BDS Admission Rule, 2017 and sub sequent amendments.
2. Candidates must bring all necessary Original documents, Application Form and necessary Annexures duly filled along with Admission and Counselling fees etc. at the time of Admission.
3. Candidates shall have to deposit the original Admit Cards, Marks Sheets, Pass Certificates of HSLC and HSSLC or Equivalent examination, caste certificate and documents as specified in the MBBS/BDS Admission Rule, 2017 and subsequent amendments, to the Principal of the respective Colleges at the time of admission.
4. The admission of the candidates are subject to the satisfactory Medical fitness certificate issued by the Medical Board constituted by the respective Principal of the Colleges.
5. Candidates who were admitted into the MBBS/BDS courses session 2021 after 1st round of counselling and re-allotted MBBS/BDS seats in the 2nd counselling of state quota seats, their earlier seats and institution shall automatically cancelled.
6 The candidates who have been re-allotted seats at the time of 2nd counselling are to first collect their original documents along with Schedule-I form and Annexures with release letter from the respective Principals of the college into which they have got admitted earlier and then only they will report to the Principal of the re-allotted course and college for admission.
7. Any candidate, who furnish false information/declaration at the time of online selection or admission, his/her admission is liable to be cancelled at any point of time. Criminal proceedings shall be taken against such candidates for submission of false, fabricated documents/ information under appropriate law.
8. All the candidates shall have to enter into an agreement as per the admission rule in prescribed format which will be available in the admission rule Schedule-II-A/Schedule-II-B published in this directorate website www.dme.assam.gov.in. Candidates will have to submit the agreement within 15 days from the date of their admission in the office of the Principals of respective Colleges.
9. College uniform is compulsory for all the student in all the Medical & Dental Colleges. College authorities shall prescribe necessary dress code.

Sd/-
Prof. (Dr.) A. K. Barman,
Director of Medical Education, Assam

-- Janasanyog /D/16910/22

पासपोर्ट में एक नाम वाले लोगों के प्रवेश पर यूएई ने लगाई रोक, एयरलाइनों ने जारी किए निर्देश

नई दिल्ली ।
संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अपने पासपोर्ट से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। नए दिशा-निर्देशों के तहत अब जिन लोगों का सिर्फ एक नाम हैं यानी पासपोर्ट में दर्ज उनका नाम सिर्फ एक शब्द या अक्षर का है उन्हें देश में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

यूएई के नवीनतम दिशा–निर्देशों का उल्लेख करते हुए एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर इंडिया की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, कोई पासपोर्ट धारक जिसका केवल एक शब्द का नाम है या उपनाम है उसे यूएई में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी और यात्री को आईएनएडी (अस्वीकार्य यात्री) माना जाएगा।

21 नवंबर के नोटिफिकेशन के अनुसार, ऐसे यात्रियों (एक शब्द के नाम वाले) को वीजा जारी नहीं किया जाएगा और अगर पहले वीजा जारी किया जा चुका है, तो आव्रजन अधिकारियों उन्हें आईएनएडी मानेंगे। ये दिशा–निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू किए जा सकेंगे। यूएई दुबई सहित सात अमीरात का एक संवैधानिक संघ है। अबू धाबी शहर संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी है।

स्थायी वीजाधारकों को मिलेगी छूट पर पासपोर्ट में करवाना होगा बदलाव

यूएई के परमानेंट वीजाधारकों को यात्रा की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए उन्हें फर्स्ट और लास्ट नेम के दोनों कॉलम में वही नाम लिखकर पासपोर्ट अपडेट करवाना होगा। वहीं इंडिगो ने कहा है कि अगर किसी यात्री को इससे अधिक जानकारी चाहिए तो वह वेबसाइट पर जाकर विस्तार से जानकारी ले सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यूएई सरकार की ओर से नया ऐलान होते ही बड़ी संख्या में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

वायरल वीडियोः गंदे बर्तन साफ करने के लिए कहा तो भड़का मैकडॉनल्ड्स का कर्मचारी, बीच शिफ्ट में ही छोड़ दी नौकरी

वेलिंग्टन । अगर कोई आपसे नौकरी के दौरान गंदे बर्तन साफ करने के लिए कहे तो आप क्या करेंगे आप चाहे जो फैसला लें, लेकिन एक शख्स ने इससे नाराज होकर बीच शिफ्ट में ही नौकरी छोड़ दी। यह पूरा मामला न्यूजीलैंड में मैकडॉनल्ड्स के एक आउटलेट का है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो की शुरुआत गंदे बर्तनों से भरी सिंक से होती है, जिसके बाद एक युवा कर्मचारी से आस्तीन ऊपर करके उन्हें साफ करने के लिए कहा जाता है। इस पर वह कर्मचारी भड़क गया। उसने कहा कि मैं इन्हें साफ नहीं करूंगा। मैं यहां बर्तन साफ करने नहीं आया हूं। मैं तुरंत ही यह नौकरी छोड़ता हूं। शुरुआत में आउटलेट की मैनेजर उस कर्मचारी के व्यवहार पर नाराजगी जताती है, लेकिन बाद में नौकरी नहीं छोड़ने की गुहार लगाती है। वह कहती है कि यहां वापस आओ। इस पर युवा कर्मचारी उसका मजाक उड़ाने लगता है और आउटलेट से बाहर निकल जाता है। इस वीडियो को महज 12 घंटे में 14 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। वहीं, लोग इस पर मजेदार कमेंट्स भी कर रहे हैं। गौर करने वाली बात यह है कि आउटलेट में मौजूद साथियों ने उस युवक का समर्थन नहीं किया। कुछ लोगों ने तो उसके इस कदम पर विरोध भी जताया। उनका मानना था कि यह कोई मुश्किल काम नहीं था। बता दें कि न्यूजीलैंड में मैकडॉनल्ड्स के 170 आउटलेट हैं, जिनमें करीब 10 हजार कर्मचारी काम करते हैं।

फोन पे कर सकता है जेस्टमनी का अधिग्रहण, 200 से 300 मिलियन डॉलर में हो सकती है डील

नई दिल्ली । डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी फोनपे बाय–नाउ–पे–लेटर

(बीएनपीएल) कंपनी व फिनटेक स्टार्टअप जेस्टमनी का अधिग्रहण करने के लिए बातचीत कर रही है, मीडिया रिपोर्ट्स इस मामले की जानकारी रखने वाले दो लोगों ने इसकी पुष्टि की है। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि सौदा करीब 200 मिलियन डॉलर से 300 मिलियन डॉलर के बीच के वैल्यूशन पर हो सकती है। इसका मसौदा तैयार किया जा रहा है और आने वाले दो से तीन हफ्ते में इसे अंतिम रूप दिया जा सकता है। बता दें कि 2015 में स्थापित कंपनी जेस्टमनी अब तक पेयू, जिप, रिबिट कैपिटल, क्वोना कैपिटल, श्याओमी, ओमिडयार नेटवर्क, गोल्डमैन सैक्स सहित प्रमुख निवेशकों से लगभग 140 मिलियन डॉलर जुटा चुकी है। वित्त वर्ष 2022 के दौरान जेस्टमनी का राजस्व वित्त वर्ष 2021 के 89 करोड़ की तुलना में बढ़कर 145 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं कंपनी का घाटा भी एक साल पहले के 125.8 करोड़ से बढ़कर 398.8 करोड़ हो गया है।

मां बनने वाली हैं बिल गेट्स की बेटी जेनिफर गेट्स, बेबी बंप फ्लॉन्ट करती आईं नजर

वाशिंगटन । बिल गेट्स और मेलिंडा गेट्स की बेटी जेनिफर गेट्स मां बनने वाली हैं। जेनिफर ने इसकी घोषणा इंस्टाग्राम पर की है। उन्होंने पति नायल नासर के साथ बेबी बंप फ्लॉन्ट वाली तस्वीर शेयर करते हुए अपने इंस्टाग्राम कैप्शन में थैंक्सफुल लिखा है। इतना ही नहीं उन्होंने दूध की बोतल और दिल की इमोजी भी साझा की हैं। जानकारी सार्वजनिक होते ही सोशल मीडिया यूजर के साथ उनकी मां ने भी उन्हें बधाई दी है। मेलिंडा गेट्स अपनी बेटी की प्रेग्नेंसी पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए अपनी खुशी का ठिकाना नहीं रख पाईं। पोस्ट पर कमेंट करते हुए उन्होंने लिखा कि मैं इस नन्हे से मिलने और आप दोनों को माता–पिता बनते देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। साथ ही, खुशखबरी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए डिजाइनर वेरा वैंग ने लिखा, वाह। एक अद्भुत जोड़ी और आपके नए जुड़ाव के लिए बधाई।

ब्रिटिश पीएम व पत्नी अक्षता एशियाई अमीरों की लिस्ट में

नई दिल्ली ।
ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति को ब्रिटेन में 'एशियाई अमीरों की सूची 2022' में शामिल किया गया है। इस सूची में शीर्ष पर हिंदुजा परिवार का नाम है। लिस्ट में शामिल सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति करीब 79 करोड़ पाउंड की अनुमानित संपत्ति के साथ 17वें स्थान काबिज हैं। बता दें कि अक्षता मूर्ति आईटी क्षेत्र की दिग्गज भारतीय कंपनी इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायणमूर्ति की बेटी हैं। ऋषि सुनक ने 25 अक्टूबर को ब्रिटेन के पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। इससे सात सप्ताह पहले वह लिज़ ट्रस से ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद की रेस में पिछड़ गए थे।

इनवेस्टमेंट बैंकर से राजनेता और फिर ब्रिटिश पीएम बनने वाले 42 वर्षीय सुनक पिछले 210 सालों में सबसे कम उम्र के ब्रिटिश प्रधानमंत्री हैं। वे ब्रिटेन के पहले हिंदू प्रधानमंत्री भी हैं। ब्रिटेन के एशियन रिच लिस्ट 2022 के अनुसार सुनक दंपति के पास करीब 790 मिलियन पाउंड यानी भारतीय रुपयों में 78,11,39,20,200 रुपयों की संपत्ति है। यूके के सबसे अमीर सांसदों में शामिल ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री ऋषि सुनक साल 2015 में यॉर्कशर के रिचमंड से जीत हासिल कर पहली बार यूके की संसद में पहुंचे थे। इस साल की एशियाई अमीरों की सूची में ब्रिटेन के 16 अरबपतियों को जगह मिली है। पिछले वर्ष की तुलना में इनकी संख्या अधिक है। अधिकांश अरबपतियों की संपत्ति में पिछले एक वर्ष के दौरान वृद्धि हुई है। इस बार इस सूची में शामिल अमीरों की कुल संपत्ति 113.2 अरब पाउंड है, जो पिछले साल की तुलना में 13.5 अरब पाउंड अधिक है। इस सूची में शीर्ष पर है। उनकी अनुमानित संपत्ति का मूल्य 30.5 अरब पाउंड है, जो पिछले साल से तीन अरब पाउंड ज्यादा है। लंदन के मेयर सादिक खान ने बुधवार रात वेस्टमिंस्टर पार्क प्लाजा होटल में 24वें वार्षिक एशियाई कारोबारी पुरस्कार के दौरान हिंदुजा समूह के सह–चेयरमैन गोपीचंद हिंदुजा की बेटी रितु छाबड़िया को 'एशियाई अमीरों की सूची 2022' की एक प्रति भेंट की। अशोक लिलैंड और इंडसइंड बैंक से ब्रांड का संचालन करने वाला हिंदुजा समूह भारतीय जड़ों वाला अंतरराष्ट्रीय स्तर का कारोबारी ग्रुप है। हिंदुजा परिवार ब्रिटेन का सबसे अमीर कारोबारी घराने के रूप में स्थापित है। 108 साल पुराने हिंदुजा ग्रुप की कुल पारिवारिक संपत्ति 14 अरब डॉलर की है। हिंदुजा ग्रुप का कारोबार 38 देशों में फैला है, ग्रुप में करीब 1.5 लाख से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। ग्रुप में कारोबार ऑटोमोटिव से लेकर बैंकिंग, केमिकल्स, पावर, मीडिया और हेल्थकेयर जैसे 11 क्षेत्रों तक फैला है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ब्रिटिश पीएम सुनक और पत्नी अक्षता मूर्ति करीब 15 मिलियन पाउंड की अचल संपत्ति के मालिक हैं। सुनक और मूर्ति के पास चार घर हैं। जिनमें दो लंदन में, एक यॉर्कशायर में और एक घर लॉस एंजिल्स में है है। रिपोर्ट के अनुसार दंपती के पास यूके और कैलिफोर्निया में भी चार अचल संपत्तियां मौजूद हैं। इनमें केंसिंग्टन में 7 मिलियन पाउंड की कीमत का पांच कमरों का घर और यॉर्कशायर में 12 एकड़ में फैली करीब 1.5 मिलियन पाउंड मूल्य की जॉर्जियाई हवेली शामिल है। दंपनी के पास लंदन के ओल्ड ब्रॉम्पटन रोड पर एक फ्लैट और सांता मोनिका बीच पर एक पेंटहाउस भी है जिसकी अनुमानित कीमत 5.5 मिलियन पाउंड। वहीं ब्रिटिश पीएम की पत्नी अक्षता के पास इंफोसिस में 690 मिलियन पाउंड की 0.93 फीसदी की हिस्सेदारी है। 30 सितंबर तक उनके पास दिग्गज आईटी कंपनी के 3,89,57,096 शेयर मौजूद थे।

एपल के सबसे बड़े प्लांट में 20000 नवनियुक्त कर्मियों ने काम बंद किया, उत्पादन प्रभावित

नई दिल्ली ।
चीन में एपल के प्लांट में करीब 20 हजार नवनियुक्त कर्मियों ने काम बंद कर दिया है। इससे प्रतिष्ठित ब्रांड एपल के उत्पादों का प्रोडक्शन प्रभावित होने लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जिन 20 हजार लोगों ने काम बंद करते हुए कंपनी छोड़ दिया हैं उनमें अधिक नए बहाल किए गए कर्मी हैं और वे अब प्रोडक्शन लाइन पर काम नहीं कर रहे हैं।

चीन के झेंझाऊ में एपल के सप्लायर फॉक्सकॉन के प्लांट में कार्यरत एक सूत्र ने मीडिया को इस बात की जानकारी दी है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक शख्स ने बताया है कि इन कर्मियों के काम बंद करने से एपल प्लांट में उत्पादन लक्ष्यों को हासिल करने की प्रक्रिया को झटका लगा है। कंपनी ने नवंबर महीने के तहत तक अपने फुल प्रोडक्शन को रिज्यूम करने का लक्ष्य रखा था, पर कामगारों की नाराजगी के कारण दुनिया की सबसे बड़ी आईफोन फैक्टरी में उत्पादन प्रभावित हुआ है।

बता दें कि एक दिन पहले ही चीन स्थित दुनिया की सबसे बड़ी एपल आईफोन फैक्ट्री में कोरोना तालाबंदी और वेतन विवाद को लेकर कर्मचारियों के उग्र विरोध प्रदर्शन की खबर आई थी। इसे लेकर कई वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। सुरक्षाबलों के साथ संघर्ष में कई श्रमिकों के घायल होने की बात कही जा रही है। बताया गया है कि सैकड़ों कर्मचारियों का फैक्ट्री के सुरक्षा कर्मियों के साथ संघर्ष हुआ। कोरोना के चलते करीब एक माह से फैक्ट्री में कठोर पाबंदियों व वेतन को लेकर विवाद के कारण श्रमिकों के भड़क उठने की खबर है। चीन के झेंगझोऊ स्थित एपल संयंत्र में अक्तूबर से तनाव देखा जा रहा था। कोरोना पाबंदियों के चलते तालाबंदी शुरू होने से श्रमिकों में असंतोष बढ़ता जा रहा था। आईफोन सिटी में 2,00,000 से अधिक श्रमिकों में से कई को आइसोलेट किया जा चुका था। उन्हें भोजन व दवाओं की मुश्किल हो रही थी।

सीतारमण ने राज्यों के वित्त मंत्रियों के साथ की बैठक, आगामी बजट पर सुझाव व इनपुट लिए

नई दिल्ली ।
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ एक पूर्व–बजट बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य वर्ष 2023–24 के आगामी बजट के लिए इनपुट और सुझाव लेना था।

यह बैठक शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में आयोजित हुई। बैंठक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और राज्य–केंद्रशासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के अलावा केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी व भागवत कराड, केंद्रीय वित्त मंत्रालय के विभिन्न अंगों के सचिव, मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन व अन्य मौजूद थे।

बैठक के बारे में अधिक जानकारी अभी साझा नहीं की गई है। बता दें कि सीतारमण अब तक कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विशेषज्ञों सहित कई जानकारों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक कर चुकी हैं। सबसे पहली बैठक सोमवार को हुई थी। अगले वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए वार्षिक बजट तैयार करने की औपचारिक कवायद बीते 10 अक्टूबर से शुरू हुई। 2023–24 का बजट एक फरवरी को पेश किए जाने की संभावना है। बता दें कि यह आगामी लोकसभा चुनाव से पहले मोदी 2.0 सरकार का आखिरी पूर्ण बजट होगा। 2024 के अप्रैल–मई में विधानसभा चुनाव होने हैं।

पेंशन योजना में बदलाव की तैयारी सेवानिवृत्ति पर मिलेगा ज्यादा पैसा

नई दिल्ली।
सरकार जल्द ही कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की पेंशन योजना की वेतन सीमा बढ़ा सकती है। इससे कर्मचारियों और कंपनियों के अनिवार्य योगदान में वृद्धि होगी। साथ ही, कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर मिलने वाले फंड के लिए ज्यादा बचत में मदद मिलेगी।

अभी ईपीएफओ की कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना के लिए वेतन सीमा 15,000 रुपये प्रति महीने है। इसे बढ़ाकर 21,000 रुपये किया जा सकता है। ऐसा हुआ तो 75 लाख और कर्मचारी ईपीएफओ के दायरे में आ जाएंगे। अभी इनकी संख्या 6.8 करोड़ है। वेतन सीमा को आखिरी बार 2014 में 6,500 रुपये प्रति महीने से बढ़ाया गया था। पीएफ उन कंपनियों को काटना होता है, जहां 20 या इससे ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। वेतन सीमा बढ़ाने को जल्द विशेषज्ञ समिति गठित होगी। समिति महंगाई के हिसाब से सीमा तय करेगी। इसके बाद न्यूनतम वेतन सीमा को बढ़ाया जाएगा। अभी 15,000 रुपये मासिक वेतन पर 12प्रतिशत की दर से 1,800 रुपये है। अगर वेतन सीमा को बढ़ाकर 21,000 रुपये किया जाता है तो 12प्रतिशत दर से पीएफ अंशदान बढ़कर 2,520 रुपये हो जाएगा। इससे सेवानिवृत्ति फंड में बढ़ोतरी होगी।

महिला सीनेटर की आंखों में डूबे नजर आए टेस्ला चीफ ! वायरल वीडियो पर लोगों ने कहा- सावधान मस्क

वाशिंगटन ।
ट्विटर के नए बॉस एलन मस्क व यूएस कांग्रेस की महिला सदस्य अलेक्जेंड्रिया ओकासियो–कॉर्टेज के बीच मतभेद कोई नई बात नहीं है। दोनों अक्सर नीतियों को लेकर ट्विटर पर आमने–सामने होते हैं। हालांकि, इस बार दोनों का एक वीडियो ट्विटर पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों एक दूसरे की आंखों में टकटकी लगाए देख रहे हैं। इसके बाद यूजर्स ने इस वीडियो को लेकर मजेदार कमेंट किए हैं।

यहां तक कि एलन मस्क खुद इस वीडियो पर कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पाए। वीडियो के जवाब में उन्होंने एक इमोजी पोस्ट किया है, जिसमें हाथों से दिल बनाया गया है।

पैरोडी वीडियो में दिखी रोमांटिक कमेस्ट्री

ट्विटर पर वायरल हो रहा पैरोडी वीडियो ट्विटर यूजर मेज मूर द्वारा पोस्ट किया गया है। उन्होंने इस वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा है कि इन दोनों की केमिस्ट्री में दीवानगी है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर इतना वायरल हुआ है कि इसे 10 मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं। खुद टेस्ला चीफ ने भी इस वीडियो पर रिप्लाई किया है। बता दें, ट्विटर चीफ और अमेरिकी महिला सीनेटर के दो अलग–अलग साक्षात्कारों को इस वीडियो में दिखाया गया है, जिससे ऐसा लगे कि दोनों साथ में हैं और एक दूसरे से बात कर रहे हैं और अपने मतभेदों को दूर कर रहे हैं।

वीडियो में क्या हो रही है बातचीत

वीडियो की शुरुआत में एलन मस्क और अमेरिकी सीनेटर ओकासियो कॉर्टेज एक दूसरे की आंखों में डूबे हुए दिख रहे हैं। तभी कॉर्टेज कहती हैं, मैं माफी मांगती हूं। इसके जवाब में मस्क कहते हैं, कोई भी परफेक्ट नहीं होता। इसके बाद कॉर्टेज कहती हैं, मैं सारे नियम तोड़ रही हूं। मुझे लगता है, हम कुछ गलतियां कर सकते हैं। इसके जवाब में मस्क कहते हैं- कौन जानता है। इसके बाद दोनों एक दूसरे की आंखों में डूबे हुए नजर आ रहे हैं।

लोगों ने बनाए मजेदार मीम्स

इस वीडियो के वायरल होने के बाद यूजर्स ने भी इस पर मजेदार मीम्स बनाए हैं। एक यूजर ने लिखा, प्यार आंखों में है...प्यार हवा में है। तो एक अन्य यूजर ने लिखा, एलन मस्क सावधान, वह बस तुम पर टैक्स लगाना चाह रही हैं।

सैयामी को पसंद है साइकिल चलाना

बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर का मानना है कि साइकिल चलाना सिर्फ एक खेल नहीं है बल्कि एक संपूर्ण कसरत है। अपने जुनून के बारे में बात करते हुए खेर ने कहा मुझे हमेशा से साइकिल चलाना पसंद है और हमेशा से माना है कि यह एक अच्छी कसरत है जो आपको न केवल फिट रखती है बल्कि सक्रिय भी रखती है। और यह शहर में यात्रा करने का सबसे आसान और किफायती साधन भी है। इस अभिनेत्री के अनुसार परिवहन का यह साधन पर्यावरण के अनुकूल भी है। इसलिए अगर कार्यस्थल बहुत दूर नहीं है तो लोगों को साइकिल से काम पर जाना चाहिए क्योंकि साइकिल परिवहन का सबसे अच्छा साधन है। न केवल स्वास्थ्य बल्कि पर्यावरण के संबंध में भी साइकिल चलाने के अपने फायदे हैं यह न केवल स्वास्थ्य में सुधार करेगा बल्कि पर्यावरण और प्रकृति को उत्सर्जन मुक्त भविष्य के साथ मदद करेगा। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि यह समय है कि लोग जागरूक होना शुरू करें और अगर आपको किसी छोटी दूरी वाली जगह पर जाना है तो साइकिल से छोटी दूरी तक आप जा सकते हैं। यहां तक कि स्थानीय निकायों को भी हमारी मदद करने के लिए और अधिक करने की आवश्यकता है। सड़कें साइकिल के अनुकूल हों जैसे कि दुनिया भर के कई शहरों में है एम्स्टर्डम एक प्रमुख उदाहरण है। सैयामी ने कहा कि जब भी और जहां भी मुझे मौका मिलता है मैं साइकिल चलाती हूं इससे मैं फिट रहती हूं और साथ ही यह प्रकृति मां के प्रति मेरा योगदान है।

मिर्गी से पीड़ित हैं फातिमा सना

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने हाल ही में मिर्गी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया जिससे वह भी पीड़ित हैं। नवंबर को मिर्गी जागरूकता माह के रूप में जाना जाता है। फातिमा सना शेख लोगों के बीच इसे संबोधित करने और उसी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। अभिनेत्री ने इस कारण को संबोधित किया जबकि उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर लोगों से अपनी कहानियों संघर्षों और चुनौतियों को साझा करने के लिए बातचीत शुरू की। अपने इंस्टाग्राम के कहानी खंड में ले जाते हुए उन्होंने लिखा यह मिर्गी का महीना है। अपनी कहानी संघर्ष चुनौतियां साझा करें या बस पूछें। उन्होंने यह भी बताया कि दंगल की तैयारी के दौरान उन्हें इस विकार के बारे में पता चला। उनके एक अनुयायी द्वारा यह पूछे जाने पर कि उन्हें इसके बारे में कब पता चला अभिनेत्री ने लिखा विकार का निदान तब हुआ जब मैं दंगल के लिए प्रशिक्षण ले रही थी। मुझे एक एपिसोड मिला और मैं सीधे अस्पताल में जाग गई। मैं पहले इनकार में थी और अब मैंने इसे गले लगाना काम करना और इसके साथ रहना सीख लिया है। ऐसी हालात में वह कैसे काम कर रही हैं इस पर फातिमा ने लिखा कि वह अपने सभी निर्देशकों को सूचित करती हैं कि उन्हें मिर्गी है। वे हमेशा बहुत सहायक और समझदार रहे हैं। वे उन चुनौतियों के बारे में जानते हैं जिनका मुझे एपिसोड मिलने के दिनों में सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि फातिमा सना शेख को जल्द ही सैम बहादुर में इंदिरा गांधी के रूप में देखा जाएगा।

वध का नया टीजर पोस्टर हुआ जारी नजर आया संजय मिश्रा का अलग अवतार

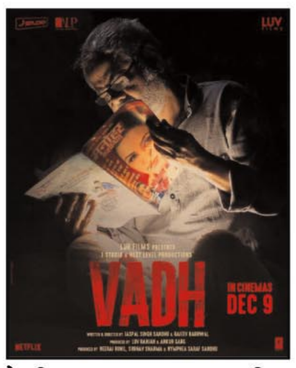

जहां हाल ही में दर्शकों ने संजय मिश्रा और नीना गुप्ता अभिनीत फिल्म वध का पहला टीजर पोस्टर देखा था वहीं अब मेकर्स ने संजय मिश्रा के एक और टीजर पोस्टर के साथ हमें वध की रोमांचक दुनिया की एक झलक दी है और जो दर्शकों को फिल्म देखने की बहुत सारे कारण देती है। फिल्म के जारी इस नए पोस्टर में संजय मिश्रा को अपने चेहरे पर इंटेंसिटी बनाए रखते हुए मनोहर कहानियां मैगजीन पढ़ते हुए देखा जा सकता हैं। इससे यह सस्पेंस बढ़ गया है कि मेकर्स इस पोस्टर के जरिए क्या इशारा करने की कोशिश कर रहे हैं। इस नए पोस्टर ने यह देखने के लिए हमारा उत्साह बढ़ा दिया है कि थ्रिलर ड्रामा की शैली में संजय मिश्रा के किरदार को कैसे खोजा जाएगा। पोस्टर दिलचस्प लग रहा है और यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि फिल्म का सस्पेंस फैक्टर काफी हाई है। इसके अलावा ऐसा लगता है कि वध निश्चित रूप से दो दिग्गज अभिनेताओं संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की एक साथ स्क्रीन पर उपस्थिति के साथ अपनी तरह की एक अनूठी फिल्म होने जा रही है। वध राजीव बरनवाल और जसपाल सिंह संधू द्वारा लिखित और निर्देशित हैं। फिल्म का निर्माण जे स्टूडियोज और नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस द्वारा किया गया है। फिल्म को लव फिल्म्स के लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा निर्मित और प्रस्तुत किया गया। ये फिल्म 9 दिसंबर 2022 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

सलाम वेंकी का नया गाना धन ते नान जिंदगी रिलीज

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल अभिनीत फिल्म सलाम वेंकी का पहला गाना धन ते नान जिंदगी हाल ही में रिलीज हो गया। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे वेंकी की स्वास्थ्य स्थिति उसे अपनी इच्छाओं और लक्ष्यों को प्राप्त करने और पूरा करने से नहीं रोकती है। शतरंज से लेकर फुटबॉल तक वेंकी को गाने में यह सब करते हुए देखा जा सकता है। गाने के रनटाइम के अंत में बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान को भी दिखाया गया है। इस गानें को हाल ही में प्लेबैक सिंगर पलक मुच्छल से शादी करने वाले मिथुन द्वारा रचित और लिखित इस गाने को मोहित चौहान और मिथुन ने खुद गाया है। कनेक्ट मीडिया द्वारा प्रस्तुत और बीएलआईवी प्रोडक्शंस और आरटीके स्टूडियोज के बैनर तले सूरज सिंह श्रद्धा अग्रवाल और वर्षा कुकरेजा द्वारा निर्मित सलाम वेंकी रेवती द्वारा निर्देशित है और 9 दिसंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

कार्तिक आर्यन ने सिद्धिविनायक में बाप्पा के दर्शन किये लिया आशिर्वाद

2022 निस्संदेह कार्तिक आर्यन के लिए एक अच्छा साल रहा हैं जिन्होंने भूल भुलैया 2 की ऐतिहासिक सफलता के साथ बॉलीवुड पर अपना दबदबा बनाया। युवा सुपरस्टार जो कभी आउटसाइडर हुआ करते थे आज बॉलीवुड में सबसे बड़े और सबसे लोकप्रिय नामों में से एक हैं ने इस साल एक अभूतपूर्व सफर तय किया हैं और जिसके वो बहुत आभारी है। अपने जन्मदिन से पहले कार्तिक आर्यन ने आईआईएफए 2022 की ओपनिंग सेरेमनी में क्लोजिंग एक्ट के साथ एक शानदार प्रदर्शन दिया और मंच पर आग लगा दी। इसके साथ ही अपने जन्मदिन के खास मौके पर आज सुबह कार्तिक सबसे पहले

सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे बप्पा का आशिर्वाद लेने और इस तरह से अपने दिन की शुरूआत की। कार्तिक ने यहां अपने सफल साल के लिए धन्यवाद किया क्योंकि इस साल न सिर्फ उन्होंने एक ब्लॉकबस्टर फिल्म दी बल्कि कुछ सबसे बड़ी परियोजनाओं के लिए शूटिंग भी की। इस दौरान अभिनेता ने सफेद कुर्ता कैरी किया था। कार्तिक के पास इस बर्थडे को सेलिब्रेट करने के लिए बहुत कुछ है। धमाका के बाद कार्तिक आर्यन की अगली ओटीटी पेशकश फ्रेडी की रिलीज भी करीब हैं। इसके बाद सुपरस्टार अपनी लुका छुप्पी को-स्टार कृति सेनन के साथ एक्शन-एंटरटेनर शहजादा में दिखाई देंगे जो फरवरी में रिलीज होने वाली है।

ऐसे में मोस्ट बैंकेबल सुपरस्टार कार्तिक सबसे बड़े स्टूडियो और फिल्म निमार्ताओं के लिए गो-टू एक्टर जो अपकमिंग कैप्टन इंडिया सत्यप्रेम की कथा और आशिकी 3 सहित कुछ बहुप्रतीक्षित फिल्मों का हिस्सा हैं।

यामी के लिए चुनौतीपूर्ण रही लॉस्ट की भूमिका

सच्ची घटनाओं से प्रेरित लॉस्ट एक युवा महिला क्राइम रिपोर्टर की कहानी है जो एक युवा थिएटर कलाकार के अचानक गायब होने के पीछे की सच्चाई की अथक खोज में है। अभिनेत्री यामी गौतम ने कहा है कि हिंदी फिल्म लॉस्ट में मुख्य भूमिका निभाने के दौरान उन्होंने लेस इज मोर के सिद्धांत का पालन किया जो उनके अनुसार बहुत चुनौतीपूर्ण था। यह बयान अभिनेत्री ने गोवा में चल रहे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में टेबल टॉक कार्यक्रम में दिया। फिल्म में नायिका की भूमिका निभाने का अपना अनुभव बताते हुए यामी ने कहा कि जब ऐसा किरदार आपके सामने आता है तो उसे निभाना बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कभी-कभी हमें लगता है कि लेस इज मोर के सिद्धांत का मैंने पालन किया। मैंने वास्तव में फिल्म में चरित्र को चित्रित करने की कोशिश नहीं की। मैं चरित्र के अंदर ही थी जैसा वह है।

स्टारप्लस की रोमांटिक स्टोरी तेरी मेरी डोरियां का टीजर हुआ रिलीज

स्टारप्लस ने हमेशा ऐसी कहानियां प्रदर्शित की हैं जिन्हें दर्शकों का अपार प्यार मिला है और लगातार चार्ट में टॉप पर रही हैं। ऐसी ही एक कहानी जिसने दर्शकों को बांधे रखा है वह है गुम है किसी के प्यार में जो जटिल प्रेम के बारे में है। स्टार प्लस के इस सीरियल और सीरियल की कास्ट को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। हाल में इस शो के एक्टर्स- साईं विराट और पाखी ने 6 कैरेक्टर्स वाली एक नई कहानी की एक पहली झलक पेश की हैं जो ट्विट्स ऑफ फेट के जरिए एक दूसरे के साथ उलझ के रह जाते हैं दर्शकों को किस्की दोर बंधेगी किससे / कौन किससे जुड़ जाएगा....? के सवाल के साथ छोड़ देता है। पंजाब में सेट पूरे टीजर वीडियो में आश्चर्यजनक सीन्स हैं- जिसमें मेल लीड अपनी पगड़ी बांधते से लेकर और दूसरे स्टाइलिश रूप से अपनी बाइक को फ्लॉन्ट करता दिख रहा है वहीं फीमेल लीड अपने पॉटरी स्किल्स का प्रदर्शन करती है। ऐसे में गुम है किसी के प्यार में की लीड कास्ट द्वारा कहानी के नरेशन को देखते हुए जो एक जटिल दुनिया में प्यार पाने पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं यह देखना दिलचस्प होगा कि ये 6 किरदार कौन हैं उनकी यात्रा क्या होगी और क्या उन्हें प्यार मिलेगा? कैसे उनकी जिंदगी एक दूसरे से जुड़ेगी?.. प्यार की इस खोज में उन्हें किन अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा? यहां शो का टीजर लॉन्च करने के साथ ही गुम है किसी के प्यार में लीड्स को प्यार के बारे में अपनी राय भी साझा करते हुए देखा गया जब उनसे पूछा गया कि उनके अनुसार प्यार क्या है। प्यार के बारे में अपना परसेप्शन शेयर करते हुए नील भट्ट उर्फ विराट ने कहा मुझे लगता है कि यह एक इंटरन्ल सवाल है। जबकि कई लोगों ने इसका जवाब दिया है और इसे समझाने की कोशिश की है तो यह

एक तरह से छोटा मुंह बड़ी बात होगी। मैं पता लगाने की कोशिश कर रहा हूं कि वास्तव में प्यार है क्या। मैं बहुत काव्यात्मक सुनाई देना करना चाहता हूं ऐसा हो प्यार यह है प्यार वह है। लेकिन मैं वास्तव में नहीं जानता कि प्यार क्या है। यह एक भावना है मुझे लगता है कि प्यार एक भावना है कि आप जब आप खुश होते हैं तो महसूस करते हैं। आपकी हैप्पी प्लेस और ऐसा तब होता है जब आपको प्यार किया जाता है और आपके अंदर खुद के लिए प्यार होता है तभी आप दूसरों को प्यार दे सकते हैं। तो मेरे लिए प्यार एक हैप्पी प्लेस है सेफ स्पेस और व्यापक शब्दों में मुझे लगता है कि प्यार दोस्ती है क्योंकि जब आप अपने फ्रेंड सर्कल में होते हैं तो आपको प्यार किया जाता है और आप सुरक्षित महसूस करते हैं। प्यार समझ है। प्यार वह जगह है जहां शांति बनी रहती है। इसी के बारे में बाल करते हुए आयशा सिंह उर्फ साई ने कहा मेरे लिए शब्दों में बयां करना प्यार बहुत पवित्र है। यह वास्तव में उससे कहीं अधिक है और हर किसी की अपनी परिभाषा और प्यार की धारणा है। इसलिए यह थोड़ा व्यक्तिपरक है और हर व्यक्ति के हिसाब से अगल होता है। स्टारप्लस का आगामी शो एक ऐसी कहानी है जहां हम देखेंगे कि प्यार कैसे शोर और भ्रम के बावजूद एक-दूसरे को ढूंढता है। यह देखना बहुत रोमांचक होगा कि प्यार कैसे अपना रास्ता खोजता है। प्यार और शो के बारे में अपना विचार साझा करते हुए ऐश्वर्या शर्मा उर्फ पाखी ने कहा मेरे लिए प्यार हमेशा से मेरा सुरक्षित स्थान रहा है और मेरे लिए प्यार का मतलब हमेशा खुशी परिवार और अपनेपन की भावना है। स्टारप्लस का आगामी शो एक ऐसी कहानी है जहां हम 3 अलग-अलग जोड़ों की 3 अलग-अलग तरह की प्रेम कहानियां देखने को मिलती हैं। ऐसे में शो को लेकर दर्शकों के मन में कई भी सवाल हैं...! और जिसका जवाब आपको जल्दा मिलेगा स्टार प्लस पर उनके आने वाले शो तेरी मेरी डोरियां में।

नए रंगों और परिदृश्य को दर्शाता है तू सामने आए

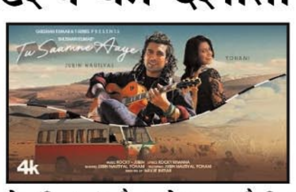

श्रीलंकाई गायक योहानी का पहला हिंदी एकल तू सामने आए रिलीज हो गया है। गाने में माणिके के सह-गायक जुबिन नौटियाल भी हैं। दोनों गायकों ने हाल ही में लद्दाख की यात्रा की जहां उन्होंने एक साथ इस ट्रैक पर काम किया। अपने गीत के विमोचन के अवसर पर टिप्पणी करते हुए योहानी ने कहा यह मेरा पहला हिंदी एकल है और मैं श्रोताओं द्वारा इसे सुनने के लिए रोमांचित हूं और मुझे आशा है कि वे अपना प्यार बरसाएंगे। संगीत वीडियो की शूटिंग का मेरा अनुभव शानदार रहा। सिंगल के लिए संगीत रॉकी खन्ना और जुबिन ने तैयार किया है इसके बोल खुद रॉकी ने लिखे हैं। नए ट्रैक के लिए उत्साहित जुबिन नौटियाल ने कहा मैं पहाड़ों से ताल्लुक रखता हूं और तू सामने आए की शूटिंग के लिए वापस जाना एक जादुई अनुभव था। मुझे लगता है कि योहानी और मेरी आवाज एक साथ बहुत अच्छी तरह से मिलती है। मुझे यकीन है कि श्रोता इस गीत के मनोरंजन का आनंद लेने वाले हैं।

सूडोकु नवताल- 6263

★★★✬✫ मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6262 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्दजाल - 7010

आ	व	मे	रि	दु	ला	से	ह	रा	ट	र्जी
क	ग	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	प	नी
सू	पी	अ	न	प	ढ़	बा	द	ह	त्थ	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	ह	र	प्रे
ज	र	रा	म	न	ह	ला	कि	यो	के	मे
रो	इ	वि	मो	ग	प	म	शी	ह	स	रे
न	टी	ल	रा	व	मा	जो	रा	व	न	स
क	रि	र	र	य	र	प	म	ज	म	न
रा	म	औ	र	श्या	म	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	ला	व	प	स	री	टि	प
बां	स	सा	ज	ल	ड़	का	ल	ड़	की	ल

शब्दजाल में 'मुमताज' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

सेहरा, मेरे सनम, हमराज, सूरज, पत्थर के सनम, रोटी, राम और श्याम, अनपढ़, आग, लड़का लड़की

शब्दजाल - 7009 का हल

र	रा	जें	द्र	कु	मा	य	च	ज	पे	यी
द	गी	ल	प्रे	व	जी	म	द	म	कां	रा
जु	स	ला	म	न	क	रा	ल	ल	त्का	म
दा	स	स	क	मा	सू	म	ध	त्रि	श	र
ई	आ	द्रो	ही	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	अ	र	दि	म	उ	ती	कौ	घ	दौ
क	व	रि	फ	जी	प	बा	ज	न	व	ड़
श	एं	वा	ई	ला	ब	ई	डू	ए	श	न्हा
मी	ड	ल	फू	ल	तू	र	स	त्या	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	न	ला	कौ	ल	द
वि	ज	अ	ग्नि	खू	ब	सू	र	त	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5963

5		3		7		4
	34	6	33	1	33	
	5			6		2
1	26	2	29	4	33	
4			6		7	3
	30	4	37		33	6
2			5	3		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5962 का हल

3	5	4	6	7	1	2
2	33	1	34	6	30	5
5	6	7	1	2	3	4
4	42	2	25	1	22	6
7	6	5	4	3	2	1
6	36	6	34	4	31	3
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

मेजबान कतर के सामने सेनेगल की चुनौती, इंग्लैंड का सामना अमेरिका से, हैरी केन पर रहेगी सभी की नजर

नई दिल्ली।
मेजबान कतर, वेल्स, ईरान और इंग्लैंड सहित कुल आठ टीमें अपना दूसरा मुकाबला खेलेंगे। इंग्लैंड की टीम जीत हासिल कर अगले दौर में अपनी जगह पक्की करना चाहेगी। वहीं, कतर की टीम सेनेगल के खिलाफ जीत दर्ज कर अगले दौर में पहुंचने की उम्मीद जिंदा रखना चाहेगी। दिन के पहले मैच में वेल्स का सामना ईरान से होगा। इसके बाद कतर की टीम सेनेगल से भिड़ेगी। तीसरे मैच में नीदरलैंड के सामने इक्वाडोर की चुनौती है। वहीं, दिन का आखिरी मैच इंग्लैंड और अमेरिका के बीच है। ग्रुप ए और ग्रुप बी की टीमें अपना दूसरा मुकाबला खेलेंगी। अहमद बिन अली स्टेडियम में वेल्स और ईरान के बीच कांटे की टक्कर होने की उम्मीद है। अब तक दोनों टीमों के बीच एक ही मुकाबला हुआ है और इसे वेल्स ने अपने नाम किया था। हालांकि, फीफा रैंकिंग में वेल्स की टीम 19वें और ईरान 20वें स्थान पर है। वेल्स के लिए कप्तान गेरेथ बेल सबसे अहम खिलाड़ी होंगे। उन्होंने पिछले मैच में अमेरिका के खिलाफ पेनल्टी में गोल कर टीम को 1-1 की बराबरी पर पहुंचाया था और अपनी टीम को हार से बचाया था। 1958 के बाद विश्वकप में वेल्स को पहली जीत दिलाने का दारोमदार बेल के कंधों पर रहेगा। वह वेल्स के लिए 109 मैचों में 41 गोल कर चुके हैं। ईरान की उम्मीदें टीम के स्टार फॉरवर्ड मेहदी टरेमी पर टिकी होंगी। वह अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं। ईरान की टीम पिछले मैच में इंग्लैंड से 2-6 से हार गई थी, लेकिन इसमें ईरान के लिए अच्छी बात यह रही थी कि टरेमी ने हार का अंतर कम किया था। टरेमी इंग्लैंड के डिफेंस को भेदने में सफल रहे थे और दो गोल दागे थे। वेल्स के खिलाफ मैच में भी गोल करने की जिम्मेदारी टरेमी पर रहेगी। मेजबान कतर को पहली जीत की तलाश दिन के दूसरे मैच में मेजबान कतर की टीम सेनेगल को हराकर फीफा विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज करना चाहेगी। दोहा के अल-थुमामा स्टेडियम में दोनों टीमें पहली बार आपस में भिड़ेंगी। हालांकि, फीफा रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज सेनेगल के लिए कतर को हराया मुश्किल नहीं होगा। कतर फीफा रैंकिंग में 50वें स्थान पर है। कतर के लिए हसन अल-हेदोस कमाल कर सकते हैं। पिछले मैच में कतर की टीम इक्वाडोर से हार गई थी। टीम के कप्तान हसन अल-हेदोस से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। 31 वर्षीय हसन टीम के अनुभवी फॉरवर्ड हैं ।

न्यूज ब्रीफ

ब्राजील के रिचार्लिसन से इब्राहिमोविच तक, देखें इंटरनेशनल फुटबॉल के टॉप बाइसाइकिल किक गोल

नई दिल्ली। ब्राजील ने ग्रुप-जी के मुकाबले में सर्बिया को 2-0 से हरा दिया। इस जीत के साथ ब्राजील की टीम अपने ग्रुप में तीन अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है। ब्राजील के लिए दोनों गोल रिचार्लिसन ने किए। उन्होंने एक गोल 62वें मिनट और दूसरा गोल 73वें मिनट में किया। 73वें मिनट में उनके द्वारा किए गए गोल ने दुनिया को हैरान कर दिया। उन्होंने बाइसाइकिल किक पर बेहतरीन गोल दागा। ब्राजील के रिचार्लिसन ने 73वें मिनट में बाइसाइकिल किक पर गोल कर तहलका मचा दिया। उन्होंने वीनीशियस जूनियर के पास पर बेहतरीन गोल दागा। ऐसा करते ही उन्होंने इतिहास रच दिया। रिचार्लिसन का यह फीफा वर्ल्ड कप में पहला मैच था और अपने वर्ल्ड कप डेब्यू में ही दो गोल दागने वाले वह ब्राजील के दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले नेमार ने 2014 में ऐसा किया था। ब्राजील ने यह मैच 2-0 से अपने नाम किया। स्विटजरलैंड के स्टार फॉरवर्ड जेरदान शकीरी ने 2016 यूरो कप में पोलैंड के खिलाफ बाइसाइकिल किक पर बेहतरीन गोल दागा था। यह यूरो कप का प्री-क्वार्टरफाइनल मैच था। इसे यूरो कप के इतिहास के बेहतरीन गोल में से एक माना जाता है। दरअसल, स्विटजरलैंड की टीम उस वक्त पोलैंड से पीछे चल रही थी। पोलैंड के जाकुब ने 39वें मिनट में ही गोल दागा था। शकीरी ने 82वें मिनट में बाइसाइकिल किक पर गोल दागा और अपनी टीम को बराबरी दिलाई। हालांकि, मैच पेनल्टी शूटआउट में गया और पोलैंड ने 5-4 से जीत हासिल की। स्वीडन के पूर्व कप्तान ज्लातान इब्राहिमोविच ने 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में बाइसाइकिल किक पर बेहतरीन गोल दागा था।

ग्रीन पार्क स्टेडियम में दोनों टीमों के खिलाड़ियो ने नेट में जमकर बहाया पसीना, बनाई रणनीति

कानपुर। ग्रीन पार्क स्टेडियम में बीसीसीआई के घरेलू श्रृंखला कूच बिहार ट्रॉफी के मुकाबले से पहले उत्तर प्रदेश और झारखंड की टीमों ने कड़ा अभ्यास किया। मैच से पहले तैयारियों को परखने के अंतिम अवसर खिलाड़ियों ने खूब भुनाया। उत्तर प्रदेश की टीम ने स्पिनर गेंदबाजों के साथ ग्रीन पार्क कूच करने की रणनीति बनाई। वहीं, झारखंड की टीम तेज गेंदबाज और बल्लेबाजों पर अभ्यास करती दिखी। ग्रीन पार्क स्टेडियम में नेट के लिए उतरी उत्तर प्रदेश और झारखंड की टीमों ने ग्रीन पार्क स्टेडियम की पिच को परखने की कोशिश की। उत्तर प्रदेश की टीम ने ग्रीन पार्क की पिच से मिलने वाली स्पिन गेंदबाजों की मदद के लिए नेट्स पर अपने बल्लेबाजों को स्पिन खेलने का खूब अभ्यास कराया। बल्लेबाजों ने अंदर आती गेंद तथा स्पिनरों के मुफीद पेज पर रक्षात्मक और कलात्मक स्किल का परिचय दिया। टीम के कई तेज गेंदबाज भी नेट्स पर अंदर आती हुई गेंद और शार्ट पिच गेंद पर कड़ा अभ्यास करते दिखे। इसी प्रकार झारखंड की टीम भी अपने बल्लेबाजों पर काफी फोकस करती दिखी। टीम के ज्यादातर खिलाड़ियों ने तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक शॉट खेलने का प्रयास किया।

पेले और क्लोज से आगे निकल गए क्रिस्टियानो रोनाल्डो और बना डाला सबसे बड़ा रिकार्ड

नई दिल्ली। अपना पांचवां और अंतिम विश्व कप खेल रहे पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो जब मैदान पर उतरे, तो पूरी दुनिया की निगाहें इस सितारे पर थी। घाना के विरुद्ध ग्रुप एच मुकाबले में रोनाल्डो ने 65वें मिनट में टीम के लिए पहला गोल दागने के साथ ही वह कर दिखाया जो कोई पुरुष फुटबालर नहीं कर सका है। रोनाल्डो पांच अलग-अलग विश्व कप में गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने पेले, उवे सीलर और मिरास्लोव क्लोज को पीछे छोड़ा, जिन्होंने चार विश्व कप में गोल दागे थे। विश्व कप के 18 मैचों में रोनाल्डो का यह आठवां गोल भी था। रोनाल्डो ने अपना पहला गोल 2006 में ईरान के विरुद्ध दागा था। 2010 में उत्तर कोरिया, 2014 में घाना, 2018 में स्पेन के विरुद्ध रोनाल्डो ने गोल किया था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की लगातार 5वीं हार लैथम-विलियमसन के बीच 221 रन की पार्टनरशिप

ऑकलैंड।
न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में टीम इंडिया की हार का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को ऑकलैंड में खेले गए तीन मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में कीवी टीम ने भारत को 7 विकेट से हरा दिया। भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 306 रन बनाए। भारत की ओर से तीन बल्लेबाजों कप्तान शिखर धवन (72), शुभमन गिल (50) और श्रेयस अय्यर (80) ने हाफ सेंचुरी जमाई। जवाब में न्यूजीलैंड ने 47.1 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। कीवी टीम के 3 विकेट 88 रन पर गिर गए थे। इसके बाद कप्तान केन विलियम्सन (94) और टॉम लैथम ने चौथे विकेट के लिए 145 रन की पार्टनरशिप कर भारत से मैच छीन लिया। 2019 वर्ल्ड कप से अब तक यह भारत की न्यूजीलैंड के वनडे क्रिकेट में हाथों लगातार पांचवीं हार है। बेअसर गेंदबाजी टीम इंडिया की गेंदबाजी असरदार नहीं रही। तेज गेंदबाजों ने शुरुआत में 3 विकेट जरूर चटकाए, लेकिन मिडिल आर्डर में भारतीय गेंदबाजों को कोई सफलता नहीं मिली। ऑकलैंड की ड्रॉप इन पिच पर भारतीय गेंदबाज महंगे हुए। सभी ने भर-भर के रन लुटाए। कोई भी गेंदबाज ऐसा नहीं था जिसने 50 से कम रन खर्च किए हों। सबसे खर्चीले अर्शदीप रहे। उन्होंने 8.1 ओवर में 68 रन दिए। खराब फील्डिंग इस मुकाबले में भारतीय टीम की फील्डिंग भी औसत रही। उसने 3 कैच टपकाए। पहले चहल ने फिन एलेन का कैच छोड़ा, हालांकि एलेन 22 रन ही बना सके। उसके बाद धवन ने केन विलियमसन का कैच छोड़ा तब वे 68 रन पर खेल रहे थे। इन दोनों

कैचों के अलावा शार्दूल ठाकुर ने जमकर मिस फील्डिंग की। लैथम विलियमसन की साझेदारी टॉम लैथम और केन विलियमसन के बीच चौथे विकेट के लिए 221 रन की साझेदारी हुई। विकेट कीपर बल्लेबाज टॉम लैथम ने अपना 7वां वनडे शतक जमाया। उनके नाम ओवरऑल 19 शतक हो चुके हैं। लेफ्टी बल्लेबाज ने 12 टेस्ट शतक जमाए हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने अपने घरेलू मैदानों पर 3 हजार वनडे रन बना लिए हैं। वे अर्धशतक पूरा कर चुके हैं। विलियमसन ने 54 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। केन ने चौके के साथ बल्ला उठाया। इस मैच में भारतीय कप्तान शिखर धवन और शुभमन गिल ने बाउंड्री के साथ अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए हैं। कीवी कप्तान और विकेट कीपर बल्लेबाज टॉम लैथम के साथ 50+ रनों की साझेदारी हो चुकी है। डेब्यू मैच खेल रहे उमरान मलिक ने डेवोन कॉनवे (24) को आउट कर अपने वनडे करियर का पहला विकेट हासिल किया। उसके बाद डेरिल मिचेल (11) को आउट किया। 307 रनों का टारगेट चेज करते हुए न्यूजीलैंड के ओपनर्स ने तेज शुरुआत की। फिन एलेन और डेवोन कॉनवे की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 46 गेंदों पर 35 रन जोड़े। इस साझेदारी को शार्दूल ठाकुर ने तोड़ा। फिन एलेन : शार्दूल ठाकुर ने विकेट के पीछे पंत के हाथ कैच कराया। डेवोन कॉनवे : डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने विकेटकीपर पंत के हाथ कैच कराया। डेरिल मिचेल : उमरान की बॉल को डीप एक्स्ट्रा कवर की दिशा में मारना चाहते थे। लेकिन, बॉल डीप बैकवर्ड प्वाइंट पर खड़े सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी हुड्डा के पास चली गई और हुड्डा ने कोई गलती नहीं की। गिल : लोकी फर्ग्यूसन की लेंथ बॉल पर शॉट खेलना चाहते थे, लेकिन मिस टाइम कर गए और डीप स्क्वेयर लेग पर कॉन्वे को कैच दे बैठे। धवन : 72 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें टिम साउदी ने फिन एलेन के हाथ कैच कराया। पंत : ऋषभ को लोकी फर्ग्यूसन ने बोल्ड कर दिया। पंत ने 23 गेंदों में 15 रन बनाए। सूर्यकुमार : फर्ग्यूसन की लेंथ बॉल को ऑफ की दिशा में पुश करना चाहते थे। बॉल आउटर एज लेकर फिन एलेन के पास चली गई। सूर्या चार रन बनाकर आउट हुए। संजू सैमसन : बड़ा हिट करना चाहते थे, लेकिन मिल्ने की बॉल आसमान भेदने चली गई। फिलिप ने कैच आउट किया। श्रेयस अय्यर : बड़ा शॉट खेलना चाहते थे, लेकिन साउदी की बॉल पर डीप मिड विकेट में मिल्ने के हाथ कैच हुए। शार्दूल ठाकुर : टिम साउदी ने विकेट के पीछे लॉथम के हाथ कैच कराया। अय्यर-सैमसन ने स्कोर 250 पार पहुंचाया टीम इंडिया ने 160 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव जल्दी आउट हो गए। ऐसे में श्रेयस अय्यर और संजू सैमसन ने टीम का स्कोर 250 पार पहुंचाया। बाकी का काम अय्यर-सुंदर की जोड़ी ने कर दिया। विराट कोहली की जगह खेलने उतरे श्रेयर अय्यर ने लंबे समय से टी-20 टीम में अपनी बारी का इंतजार कर रहे संजू सैमसन के साथ 94 रन जोड़े। संजू ने 38 गेंदों में 36 रन की उपयोगी पारी खेली। इंडिया के टॉप-3 बल्लेबाजों के अर्धशतक भारतीय टीम के टॉप आर्डर ने कमाल की बल्लेबाजी की। उसके टॉप-3 बल्लेबाजों ने अर्धशतकीय पारियां खेली। अगले ग्राफिक्स में देखिए किसने कितने रन बनाए। धवन का 39वां अर्धशतक कप्तान शिखर धवन ने अर्धशतक जमाया। उन्होंने 63वीं गेंद में धवन ने चौके के साथ फिफ्टी पूरी की। यह उनका वनडे इंटरनेशनल में 39वां अर्धशतक है। धवन ने 77 गेंदों पर 13 चौकों से सजी 72 रनों की पारी खेली। 50 रन बनाकर आउट हुए गिल शुभमन गिल ने चौथा अर्धशतक जमाया है। उन्होंने 65 गेंदों में 50 रन बनाए। उनकी पारी में एक चौका और तीन छक्के शामिल रहे। धवन-गिल के बीच 124 रन की पार्टनरशिप कप्तान शिखर धवन और शुभमन गिल के बीच 124 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप हुई।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को टीम को भारत आने के लिए अबतक नहीं मिला वीजा, आयोजक हुए परेशान

नई दिल्ली।
पाकिस्तानी क्रिकेट टीम को अगले महीने भारत में होने वाले ब्लाइंड विश्व कप के लिए अबतक वीजा नहीं मिला है जिस कारण आयोजक परेशान हैं। भारतीय ब्लाइंड क्रिकेट संघ पांच से 17 दिसंबर तक तीसरे ब्लाइंड टी-20 विश्व कप की मेजबानी करेगा। इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नेपाल, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमों को हिस्सा लेना है। इस वैश्विक टूर्नामेंट में शामिल होने के लिए टीमों को चार दिसंबर तक यहां पहुंचना है, लेकिन पाकिस्तानी टीम को विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय से अबतक इसके लिए अनुमति और वीजा नहीं मिला है। हालांकि, आयोजकों ने विदेश और गृह मंत्रालय से इसके लिए गुहार लगाई है, जबकि पाकिस्तान भी अपने स्तर पर वीजा पाने के लिए पूरी कोशिश कर रहा है। इस टूर्नामेंट को होने में अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है, ऐसे में आयोजकों के लिए पाकिस्तान को अबतक वीजा नहीं मिलना परेशानी का कारण बन गया है। आयोजकों के मन में सवाल है कि अगर पाकिस्तान को वीजा नहीं मिला तो इस वैश्विक टूर्नामेंट को किस तरह कराया जाएगा। भारत ने 2012 और 2017 में इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था और उसकी नजरें अपने घरेलू मैदान पर खिताबी हैट्रिक जमाने पर टिकी हुई हैं। भारत ने दोनों ही बार फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्राफी अपने नाम की थी। इससे इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत और पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्विता कितनी कड़ी रही है। मालूम हो कि भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच द्विपक्षीय सीरीज 2012 से ही बंद है और दोनों ही टीमें अब सिर्फ आइसीसी या बड़े टूर्नामेंटों में ही एक दूसरे के विरुद्ध खेलती हैं। भारत-पाक में रहता है कड़ा मुकाबला : ब्लाइंड क्रिकेट के अलावा भी बात करें तो भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच मुकाबला कड़ा रहता है और दोनों देशों के प्रशंसक मुकाबले का इंतजार करते हैं। हाल ही में आस्ट्रेलिया में संपन्न हुए आइसीसी टी-20 विश्व कप में भी भारत और पाकिस्तान का मैच हुआ था, जहां भारत ने अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी टीम को हराया था। विश्व कप से पहले इस साल दोनों टीमों के बीच यूएई में एशिया कप में दो मैच हुए थे।

विजय मर्चेंट ट्राफी के लिए हिमाचल की टीम घोषित, अक्षय की कप्तानी में पहली दिसंबर से कटक में खेलेगी मैच

धर्मशाला।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने पुरुष अंडर-16 टीम की घोषणा कर दी है। विजय मर्चेंट अंडर-16 ट्राफी खेलने के लिए यह टीम पहली दिसंबर को ओडिशा के कटक के मैदान में उतरेगी। ग्रुप ए में अपने चार मैच दिसंबर माह में कटक में खेलेगी। एचपीसीए ने इसके लिए टीम के 16 सदस्यों की घोषणा कर दी है। टीम का कप्तान अक्षय वशिष्ठ को बनाया गया है। अक्षय वशिष्ठ सोलन के रहने वाले हैं, जबकि उपकप्तान अरमान विज हैं जो शिमला के रहने वाले हैं।

एचपीसीए अंडर-16 टीम के अंकित अग्रवाल कोच

एचपीसीए की चयनित अंडर-16 टीम में

बिलासपुर से आदित्य कातरिया, हमीरपुर से अंशुल शर्मा, वास्तव गर्ग व अश्मित ठाकुर, कांगड़ा जिला से अग्रिम चंबियाल, सिद्धाक ढिल्लो, अंश धीमान, कुल्लू से देवेश जोशी, मोकशीत, शिवांश कपूर, शिमला से अरमान विज, क्षितिज ठाकुर, सोलन के अक्षय वशिष्ठ, देवांशीष, नौनिहाल, ऊना के अनुज कंवर शामिल हैं। वहीं, अंकित अग्रवाल टीम के कोच हैं। सहायक कोच रोहित कालिया, फिजियो मयंक, मैनेजर संजय कौशल हैं।

चंडीगढ़ से एचपीसीए का मैच पहली दिसंबर से तीन दिसंबर तक होगा। दूसरा मैच मणिपुर के साथ छह से आठ दिसंबर तक होगा। तीसरा मैच विधर्व के साथ 11 से 13 दिसंबर तक होगा। चौथा मैच केरल के साथ 21 व 23 दिसंबर को होगा। यह जानकारी एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने दी।

संग उत्तराखंड में गंगा उत्सव शुरू, छात्र-छात्राओं के माध्यम से चलेगा स्वच्छता अभियान

उत्तरकाशी।
वाटर स्पोर्ट्स एवं योग के साथ जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में तीन दिवसीय गंगा उत्सव शुरू हो गया। पहले दिन केदारघाट के पास आयुर्वेद विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में योगाभ्यास का प्रदर्शन हुआ, वहीं पर्यटन विभाग ने जोशियाड़ा बैराज में वाटर स्पोर्ट्स कयाकिंग प्रतियोगिता आयोजित की।

गंगा उत्सव का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार व अपर जिलाधिकारी तीर्थपाल सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि योग न केवल शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखता है, बल्कि मानसिक तनाव को भी दूर करता है। इसलिए योग हर नागरिक की दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए। गंगा उत्सव के तहत आज शिक्षा विभाग की ओर से विभिन्न स्कूलों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के

जरिये स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जबकि, रामलीला मैदान में आजीविका संवर्धन के लिए छात्र-छात्राएं स्थानीय उत्पादों के स्टाल लगाएंगे और संस्कृति विभाग की ओर से रंगारंग प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

इस मौके पर गायन कार्यक्रम के साथ स्वामी चिदानंद का उद्बोधन, केदारघाट में गंगा आरती, दीपोत्सव और रामलीला मैदान मे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इसके अलावा रामलीला मैदान में ही लेजर शो का कार्यक्रम भी रखा गया है। 26 नवंबर को भी लोकनृत्य, लेजर शो व अन्य कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। पहले दिन में कार्यक्रम में गंगा विचार मंच के प्रांत संयोजक लोकेंद्र बिष्ट, जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र शर्मा, पर्यावरण विशेषज्ञ प्रताप मटूड़ा आदि मौजूद रहे।

गंगा का मायका कहे जाने वाले उत्तरकाशी शहर में गंगा स्वच्छता के नाम पर गंगा उत्सव जैसे कार्यक्रम तो आयोजित हो रहे हैं, लेकिन गंगा स्वच्छता की ओर किसी का ध्यान नहीं है। जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में मुख्य बाजार, ज्ञानसू, जोशियाड़ा, तिलोथ आदि क्षेत्र से गंदे नाले सीधे गंगा में जा रहे हैं। बीते दो माह से हर दिन नगर पालिका बाड़ाहाट से निकलने वाला 30 टन से अधिक कूड़ा कहां डाला जा रहा है, इसका भी किसी के पास ठोस जवाब नहीं। गंगा के किनारे स्थित गांवों में भी स्वच्छता की स्थिति सही नहीं है। जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में दस से अधिक गंदे नाले सीधे गंगा में गिर रहे हैं। बावजूद इसके गंगा स्वच्छता के नाम पर सरकारी धन खर्च करने वालों के पास कोई योजना नहीं है।

विवादों के घेरे में जमशेदपुर रन ए थान, एथलेटिक्स फेडरेशन आफ इंडिया ने आंखें तरेरी

जमशेदपुर ।
क्या आपको पता है कि पिछले रविवार को आयोजित जमशेदपुर रन ए थान में कई रिकार्ड टूटे हैं। क्या आपको पता है कि जहां माइक्रो सेकेंड का हिसाब-किताब होता हो, वहां दो मिनट का अंतर काफी बड़ा होता है। हां जी, ऐसा हुआ है, लेकिन खेल विभाग के अधिकारियों की गलती से। अब पूरे देश में आयोजन समिति की फजीहत हो रही है। इसी साल मई में आयोजित बेंगलुरू में आयोजित विश्व 10 हजार मीटर रेस में अभिषेक पाल ने 30.05 मिनट का समय निकालकर स्वर्ण हासिल किया था। वहीं जमशेदपुर रन में पदक हासिल करने वाले रानीखेत के दीपक भट ने 28.54 मिनट में रेस पूरा किया। जाहिर है, यह रिकार्ड है। लेकिन इसे एथलेटिक्स फेडरेशन आफ इंडिया (एएफआइ) मान्यता नहीं दे रही है। इसी रेस में नेशनल रिकार्ड सुरेंद्र सिंह के नाम है, जिन्होंने 2008 में स्पेनिश ओलंपिक्स ट्रायल में 28:02.89 मिनट का समय निकाला था।

महिलाओं की बात करें तो नेशनल रिकार्ड प्रीजा श्रीधरन के नाम है। उन्होंने 31:50.47 मिनट का समय निकालकर 2010 में ग्वांग्झू में आयोजित एशियन गेम्स में यह कारनामा किया था। जमशेदपुर रन ए थान में पहले स्थान पर आई आराधना सिंह ने 00:33:56 मिनट का समय निकाला। उसी तरह नोवामुंडी के सुकराम लागुरी का समय 48 मिनट के आसपास बताया जा रहा है, जबकि उन्होंने एक घंटे से अधिक का समय में रेस पूरा किया था। बेंगलुरू 10 किमी. रेस को टाटा समूह की ही टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) आयोजित कराती है।

अब एथलेटिक्स फेडरेशन आफ इंडिया ने इसे रिकार्ड मानने से इंकार कर दिया है। इसी के साथ जमशेदपुर रन ए थान विवादों के घेरे में आ गया है। आयोजकों की बदइंतजामी पर अब एथलेटिक्स फेडरेशन आफ इंडिया आंखें

तरेर रहा है। आखिर ऐसा क्यों हुआ। एएफआइ के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर हैं कि बताया कि दस किलोमीटर रेस की दूरी ही कम थी। इसके उलट सात व पांच किलोमीटर की दूरी ज्यादा थी। दूसरे शब्दों में कहे तो पूरा खेल ही गड्डमगड।

दस किलोमीटर वर्ग में रानीखेत के मुकेश सिंह ने 29.09 मिनट का समय निकालकर चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने बताया कि जिस दिन दौड़ लगाई उसी दिन मुझे पता चल गया कि रेस की दूरी कम है। मैं रोज अभ्यास करता हूं, लेकिन यह टाइमिंग नहीं निकलती। इसी वर्ग में चैंपियन रहे दीपक भट्ट भी सहमति जताते हैं। मुकेश कुमार का कहना है कि कठिन अभ्यास के बाद टाटा स्टील द्वारा आयोजित इस दौड़ में भाग लिया था, लेकिन दूरी कम होने के कारण अब मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। गौरतलब है कि जमशेदपुर रन ए थान में किए गए प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को मुंबई व कोलकाता मैराथन में सीधा प्रवेश मिलता। लेकिन अब जब पूरा रेस ही विवादों में घिर गया है तो खिलाड़ियों के लिए रास्ता मुश्किल हो गया है। 10 किमी. के उलट सात व पांच किलोमीटर की दूरी कम थी। इस पर भी सवाल उठ रहे हैं। उधर, खिलाड़ियों को दिए गए प्रमाण पत्र में एएफआइ अधिकारी का हस्ताक्षर नहीं हैं। ऐसे में विजेता खिलाड़ी कोलकाता व मुंबई मैराथन में भाग लेने से वंचित रह सकते हैं। जमशेदपुर रन ए थान से संबंधित पत्रकार सम्मेलन के दौरान मीडिया से बातचीत के क्रम में टाटा स्टील खेल विभाग के अधिकारियों ने बताया था कि दस किलोमीटर की रेस में 19 साल से कम आयु के खिलाड़ी भाग नहीं ले सकते हैं। यह एएफआइ का निर्देश है। अब सवाल यह उठता है कि एएफआइ के ही तत्वावधान में आयोजित होने वाले कोलकाता मैराथन के 10 किलोमीटर रेस में 15 साल से अधिक उम्र के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। वहीं किसी भी रोड रेस में सात किलोमीटर शामिल नहीं होता है। लेकिन जमशेदपुर रन ए थान में सात किलोमीटर का रेस शामिल किया गया।

आज के युवा क्यों हो रहे हैं अग्रेशन का शिकार ?

दिल्ली में एक बार फिर दिल दहला देने वाला मामला सामने आया, जिसमें एक लड़के ने अपने ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या के आरोपी 25 साल के केशव को गिरफ्तार कर लिया है। पालम इलाके में रहने वाले केशव ने अपने मां-बाप, बहन और दादी की हत्या की है। शुरुआती जांच में पता चला कि केशव नशे का आदी है और पैसे की मांग पूरी न होने पर उसने बेरहमी से सबकी हत्या कर दी। आरोपी को नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था, परिजन हाल ही में उसे नशा मुक्ति केंद्र से वापस घर लेकर आए थे। इससे कुछ दिन पहले ही श्रद्धा मर्डर केस सामने आया था, जिसमें लड़की के बॉयफ्रेंड आफताब ने उसकी गला घोंटकर हत्या की और फिर शरीर के 35 टुकड़े कर जगह-जगह फेंक दिए। आफताब ने हीट ऑफ द मोमेंट में हत्या की बात को कुबूला है, जबकि केशव नशे का आदी बताया गया। इससे पहले भी कई बार ऐसे मामले आए हैं जिसमें युवा बेरहमी से की गई हत्याओं के आरोपी पाए गए। ऐसे में सवाल यह है कि आज का युवा इतना आक्रामक क्यों हो रहा है। क्या इसके पीछे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े खास कारण हो सकते हैं? आइए जानते हैं मानसिक स्वास्थ्य एक्सपर्ट्स से उनकी राय। मनसा ग्लोबल फाउंडेशन फॉर मेंटल हेल्थ की फाउंडर और क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. श्वेता शर्मा का कहना है कि आज के युवाओं में तेज गुस्सा या अग्रेशन ज़्यादा होने के पीछे उम्मीदों का बढ़ना, सामाजिक दबाव, और व्यक्तिगत पहचान बनाने की चाह है। इनका न पूरा होना युवाओं में अग्रेशन का कारण बन रहा है। नशे की लत के शिकार वे युवा होते हैं, जो भावनाओं को दबाकर रखते हैं या फिर उनके घर में उन्हें सुरक्षित स्थान नहीं मिल पाता। इसमें पैरेंट्स को भी अपने बच्चों को समझने की जरूरत है। बच्चों को पालने का एक ही तरीका नहीं है, हर बच्चा अलग होता है, और उसके व्यक्तित्व के मुताबिक ही उसकी परवरिश की जानी चाहिए। इस समस्या में भी अग्रेशन दिखता है। उदाहरण के तौर पर, जो युवा शीजोफ्रेनिया से पीड़ित होते हैं, वे अक्सर गुस्से या आक्रामकता से जूझते हैं, जो परेशानी बन जाती है। इसके पीछे भी कई वजहें हो सकती हैं। प्रोफेशनल लाइफ के साथ निजी जिंदगी भी इसका कारण हो सकती है। कुंठा से पीड़ित नौजवान लोग अक्सर अग्रेसिव हो जाते हैं, क्योंकि उनके लिए अपनी बेचैनी या कुंठा से जूझना मुश्किल हो जाता है। साथ ही वे अपनी परेशानी या विचार को बोलकर व्यक्त कर पाने में भी असमर्थ होते हैं। जो नौजवान लोग एडीएचडी से पीड़ित होते हैं, वे इंपलसिव होते हैं और उनमें सही फैसला लेने की काबलियत भी नहीं होती। इन सब की वजह से इनका व्यवहार गुस्से से भर जाता है। ऐसे लोग आमतौर पर अपने एक्शन के परिणाम के बारे में नहीं सोचते।

45 वर्षीय महिला ने गुजरात से अरुणाचल तक अकेले चलाई साइकिल

14 दिनों में तय की 4000 किमी. की दूरी

दो बच्चों की 45 वर्षीय मां ने करीब 14 दिनों में गुजरात से अरुणाचल प्रदेश तक करीब 4000 किमी अकेले साइकिल चलाकर यह साबित कर दिया है कि उम्र महज एक संख्या है। अभियान के प्रमुख दल घनश्याम रघुवंशी ने बताया कि पुणे की रहने वाली प्रीति मस्के ने 1 नवंबर को पाकिस्तान के साथ पश्चिमी सीमा में कोटेश्वर मंदिर से अपनी यात्रा शुरू की और गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और अरुणाचल प्रदेश के रास्ते साइकिल चलाई। उन्होंने कहा कि मस्के ने अपनी 3995 किलोमीटर की सवारी 13 दिन, 19 घंटे और 12 मिनट में पूरी की और 14 नवंबर की मध्यरात्रि में अरुणाचल प्रदेश में चीन के साथ सीमा के पास किबिथु पहुंचीं। उनके इस कारनामे ने उन्हें केवल 14 दिनों में पश्चिम से पूर्व की ओर देश भर में सवारी करने वाली पहली महिला एकल साइकिल चालक बना दिया। बीमारी और अवसाद से निपटने के लिए मस्के ने पांच साल पहले साइकिल चलाना शुरू किया था। कागजी कार्रवाई, सबूत, टाइम स्टैंप की तस्वीरें वर्ल्ड अल्ट्रा साइक्लिंग एसोसिएशन और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड द्वारा प्रस्तुत और स्वीकार की गई हैं। रघुवंशी ने कहा कि वे उचित समय पर प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे। अरुणाचल प्रदेश के दूरदराज के इलाकों में खराब डिजिटल नेटवर्क के मुद्दों के कारण मीडिया को जानकारी देने में समय लगा। मस्के का पीछा एक वाहन में पांच सदस्यीय चालक दल द्वारा किया गया था। उन्हें रास्ते में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, विशेष रूप से असम और अरुणाचल प्रदेश में, जिसकी कुल ऊंचाई 15,679 मीटर थी। उन्होंने कहा कि बिहार के दरभंगा से तेज हवा चलने के कारण इन जोखिम भरे क्षेत्रों में साइकिल चलाना कठिन था। अरुणाचल प्रदेश में तेजू के बाद, मार्ग ऊंचाई, खराब सड़कों, बोल्डर और निर्माण कार्य के साथ जोखिमभरा है। मस्के ने कहा कि इसके अलावा, अरुणाचल प्रदेश में शाम और रात के दौरान तापमान 2-3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। इससे यात्रा करना मुश्किल हो गया। हमारे पास पर्याप्त गर्म कपड़े भी नहीं थे। शून्य नेटवर्क और सुनसान सड़कों के साथ, हम दिशा से चूक गए और रात में लंबा रास्ता तय करना पड़ा। सीमा सड़क संगठन ने आवश्यक रसद और नौवहन सहायता प्रदान की, जिससे उसे अभियान पूरा करने में मदद मिली। मस्के ने पहले 10 दिनों में लगभग 350 किलोमीटर साइकिल चलाई और औसत सैडल साइकिलिंग समय 19 घंटे का था। उन्होंने कहा कि निरंतर नान-स्टाप राइड में नींद की कमी को प्रबंधित करना एक चुनौती थी। मैं लगातार 19 घंटे और कभी-कभी 24 घंटे से अधिक समय तक साइकिल चला रही थी। यह कॉफी थी, जिसने मुझे जगाए रखा। असम-अरुणाचल सीमा के पास मस्के के पैरों में गंभीर ऐंठन हुई। रघुवंशी ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि उसे बाकी की यात्रा को बंद करना होगा। लेकिन मालिश, स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज और आराम से वह ठीक हो गई। उन्होंने संगठन के लिए अंग दान के लिए समर्थन और जागरूकता पैदा करने के लिए अभियान चलाया है।

वीर गाथा

मातृभूमि का कर्ज चुकाने, जिसने थी कसम खाई।
मुगलों का खात्मा करने की, तब आहोमों ने कदम बढ़ाई।।

भूमिपुत्र के अंग-अंग ने,
1622 में ली थी तब अंगड़ाई।
पूर्व दिशा में चाउ लाचित फुकनलुंग ने,
तब ली तलवार उठाई।।

पूरब-पश्चिम-उत्तर-दक्षिण में,
मुगल आक्रांताओं के विरुद्ध तब शुरू हुई लड़ाई।
लाचित, शिवाजी, राणा, गुरूगोविंद ने
आजादी की अमर ज्योति, वीरों ने दी जलाई।।

इटाखुली, अलाबोई, व सन् 1671 में,
सराईघाट की हुई निर्णायक लड़ाई।
जिनकी भुजाओं ने चारो दिशाओं में,
मुगलों को थी खुब धुल चटाई।।

वीर लाचित की वीर गाथा का,
स्वर्ण पदक है वीरों को भायी।
आहोम साम्राज्य का सेनापति,
स्वर्ण हेंगडांग, बरफुकन की थी उपाधि पाई।।

17वीं शताब्दी की वीर गाथा,
बच्चे-बच्चे ने खुब गाई।
ईमानदारी, वीरता व देश भक्ति का पाठ,
वीर बरफुकन ने हमें थी सिखलाई।।

मातृभूमि का कर्ज चुकाने, जिसने थी कसम खाई।
मुगलों का खात्मा करने की, तब आहोमों ने कदम बढ़ाई।।

महान सेननायक वीर लाचित बरफुकन को श्रद्धांजलि

विजय प्रताप यादव
वरिष्ठ अनुवादक, राजभाषा विभाग
पू.सी.रेल/मालीगांव, मुख्यालय

बच्चों को हेल्दी रखने के लिए जरूर खिलाएं ये चीजें

क्या आपका बच्चा सुबह-सुबह एक्टिव नहीं रहता? अगर ऐसा है, तो इस बात की सम्भावना काफी ज्यादा है कि आपके बच्चे में पोषक तत्वों की कमी हो रही है या फिर फिजिकल और मेंटली वर्क के हिसाब से उसकी डाइट में कमी रह जा रही है। ऐसे में आपको इस मानसून सीजन में अपने बच्चे की हेल्थ का ध्यान रखना चाहिए। उसकी डाइट में कुछ चीजों को जरूर एड करें।

भिगाए हुए ड्राय फ्रूट्स

सुबह में एक ताजा फल या फिर बादाम या फिर भिगोए हुए काले मुन्नके को एक या दो किस्में केसर के साथ भिगो दें। (दिन की शुरुआत या तो एक फल या भीगे हुए बादाम या 2 केसर की भीगी हुई किशमिश से करें)। यह न सिर्फ उनके एनर्जी लेवल को ऊपर रखता है बल्कि इम्यूनिटी बढ़ाने में भी कारगर है। बादाम में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली के कार्य के लिए जरूरी आयरन और प्रोटीन होते हैं।

आंवला

आंवला विटामिन सी के उच्च स्तर के साथ संक्रमण और यहां तक कि सिरदर्द या चक्कर से भी लड़ता है। आपका बच्चा अगर आसानी से आंवला नहीं खाता, तो आप किसी फ्रूटी रेसिपी के जरिए उसे खिला सकते हैं। इसके अलावा आंवला कैंडी भी बच्चों के लिए बहुत फायदेमंद होती है।

देसी चीजें

बच्चों को देसी चीजें खिलाने पर जोर देना चाहिए। बच्चे को पनीर चीला, जामुन, चटनी, काढ़ा जैसी चीजें जरूर दें। इन चीजों में न सिर्फ पोषक तत्व भरपूर होते हैं, बल्कि इन्हें खाने से बच्चे की इम्यूनिटी भी काफी बढ़ती है। बच्चों को आलू की जगह शकरकंदी और दूसरी सब्जियां दें।

सर्दियों में स्टाइलिश दिखने के लिए कर रही हैं बूट्स की शॉपिंग, तो कुछ बातों का रखें ख्याल

सर्दियों के सीजन में न सिर्फ ठंड से बचना जरूरी है, बल्कि इस मौसम में खुद को स्टाइलिश बनाए रखना भी एक बड़ी चुनौती है। अक्सर सर्दियों में ठंड से बचने के कारण आप फैशन और स्टाइल में पीछे छूट जाते हैं। अगर आप भी सर्दियों में ठंड से बचने के साथ ही खुद को स्टाइलिश और फैशनेबल दिखाना चाहती हैं, तो जरूरी है कि इस सीजन आप अपने लिए सही आउटफिट्स और फुटवियर का इस्तेमाल करें। इस विंटर सीजन अगर आप भी बूट्स खरीदने की योजना बना रही हैं, तो ये टिप्स आपके काम आ सकते हैं। बूट्स खरीदते समय यह बेहद जरूरी है कि आप सही हील्स का चुनाव करें। बाजार में हील्स वाले बूट्स के कई ऑप्शन मौजूद हैं। ऐसे में आप किस तरह की हील्स में सहज महसूस करेंगी, इसे ध्यान में रखकर आप बूट्स खरीद सकती हैं। आप फ्लैट हील्स, वेज हील्स, पॉइंटेड हील्स और स्टेलेटोज स्टाइल हील्स में से किसी को भी चुन सकती हैं।

बूट्स की लेंथ का रखें ध्यान

मार्केट में अलग-अलग लेंथ के कई तरह के बूट्स मौजूद हैं। इसमें एंकल लेंथ बूट्स, नी-हाई बूट्स, काफ-लेंथ बूट्स और थाई-हाई बूट्स आदि शामिल है। अब इनमें से किस तरह के बूट्स आप पहनना चाहती हैं, इसे ध्यान में रखते हुए बूट्स खरीद सकती हैं।

किस जगह के लिए खरीद रही हैं बूट्स

बूट्स खरीदने के लिए उनकी लेंथ और हील्स के साथ ही इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि आप किस जगह के लिए इसे खरीद रही हैं। बाजार में अलग-अलग जगहों और अवसरों के मुताबिक बूट्स मौजूद हैं। आप अपनी जरूरत के हिसाब से स्नो बूट्स, बाइकर बूट्स, राइडिंग बूट्स, चेल्सी बूट्स में से कोई भी बूट ले सकती हैं।

बूट्स के पैटर्न का रखें ख्याल

बाजार में अलग-अलग प्रिंट्स के बूट्स भी उपलब्ध हैं। कुछ लोगों को जहां प्रिंटेड बूट्स पसंद आते हैं, तो वहीं कुछ प्लेन बूट्स पसंद करते हैं। बीते कुछ समय से ऐनिमल प्रिंट वाले बूट्स भी काफी ट्रेंड में हैं। हालांकि, वह सभी पर अच्छे नहीं लगते। ऐसे में आप अपनी पसंद और पर्सनैलिटी के हिसाब बूट्स का चयन कर सकती हैं।

बूट्स के मटेरियल का रखें ध्यान

लेंथ, हील्स और पैर्टन के साथ ही बूट्स का मटेरियल भी काफी मायने रखता है। मार्केट में अलग-अलग मटेरियल के बूट्स मौजूद हैं, जिसमें लेदर बूट्स, वेलविट बूट्स, फर बूट्स आदि शामिल है। इसे खरीदते समय कपड़े का भी जरूर ध्यान रखें।

हेल्थ के लिए तुलसी के हैं कई फायदे

तुलसी भारत में ज्यादातर घरों में पाई जाती है लेकिन तुलसी के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। आयुर्वेद में इसका का इस्तेमाल सदियों से किया जा रहा है। धार्मिक महत्व के साथ ही ये सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। यहां हम बता रहे हैं कि कैसे बेहतर स्वास्थ्य के लिए आप तुलसी का इस्तेमाल कर सकते हैं और घरेलू उपचार के लिए इसे कैसे इस्तेमास किया जा सकता है। तुलसी के अर्क का इस्तेमाल आम सर्दी, सिरदर्द, पेट के विकार, सूजन, हृदय रोग और मलेरिया के आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट में किया जाता है। इसे हर्बल चाय, सूखे पाउडर, ताजी पत्ती या घी के साथ मिलाकर लिया जाता है। तुलसी के एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल औषधीय तौर पर किया जाता है, ये स्किन की देखभाल के लिए के लिए भी किया जाता है।

तुलसी का इस्तेमाल कर आप भी इन घरेलू उपचारों को फॉलो कर सकते हैं-

1) खांसी और सर्दी में फायदेमंद- तुलसी के पत्ते, शहद और अदरक का काढ़ा ब्रोंकाइटिस, दमा, इन्फ्लुएंजा, खांसी और सर्दी के लिए फायदेमंद है। गले में खराश के मामले में तुलसी के पत्तों के साथ उबला हुआ पानी इस्तेमाल किया जा सकता है।

2) स्ट्रेस होता है कम- तुलसी तनाव में सुधार करती है और ब्लड प्रेशर के साथ-साथ ब्लड शुगर के असंतुलन पर भी सामान्य प्रभाव डालती है। ओवरऑल हेल्थ को बनाए रखने के लिए दिन में दो बार 12 पत्ते खाए जा सकते हैं।

3) ब्लड होता है शुद्ध- तुलसी रक्त को प्यूरिफाई करने का काम करती है, जो मुंह में अल्सर और संक्रमण को रोकने में मदद करते है।

4) किडनी की पथरी निकालने में मददगार- तुलसी का किडनी पर मजबूत असर पड़ता है। आयुर्वेद के अनुसार किडनी की पथरी के मामले में तुलसी के पत्तों का रस और शहद छह महीने तक इस्तेमाल करने से पेशाब के रास्ते से बाहर निकल जाता है। हालांकि आपको पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

5) सिरदर्द में फायदेमंद- तुलसी के पत्तों का काढ़ा सिरदर्द की अच्छी दवा बनाता है। चंदन के लेप में पिसी हुई पत्तियों को पीसकर माथे पर लगाने से आराम मिलता है।

6) एंटीऑक्सिडेंट की तरह काम करते हैं तुलसी के बीज- पानी या गाय के दूध में बीज मिलाकर, एक एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करते हैं, जो पौष्टिक भी साबित होता है और शरीर के लिए भी अच्छा होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**